वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता

पांच दिवसीय आरसीआई मान्यता प्राप्त संकाय विकास कार्यक्रम के प्रतिभागी।

जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यावसायिक चिकित्सा कॉलेज
के संकाय सदस्यों और छात्रों ने कोलकाता स्थित रागदिसं का दौरा किया।

माननीय सांसद श्री रवि शंकर प्रसाद और विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने पटना के सीआरसी
में आईडीपीडी दिवस के अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

अनुक्रमणिका

1	प्रस्तावना	2
2	उद्देश्य	3
3	संक्षिप्त गतिविधियाँ (एक दृष्टि में)	3
4	कार्यकारी सारांश	4
5	वीआईपी दौरे	14
6	अध्याय – I : पुनर्वास सेवाएँ	16
	चिकित्सा पुनर्वास विभाग	17
	भौतिक चिकित्सा विभाग	20
	व्यवसायिक चिकित्सा विभाग	31
	कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग	38
	सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास सेवाएँ विभाग	46
	पुनर्वास नर्सिंग विभाग	57
	पुनर्वास अभियांत्रिकी विभाग	67
	क्रॉस डिसबिलिटी-शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (सीडीईआईसी)	69
	दृष्टिबाधितार्थ इकाई	78
7	अध्याय – II : मानव संसाधन विकास	80
8	अध्याय – III : अनुसंधान एवं विकास विभाग	87
9	अध्याय – IV : पुस्तकालय, सूचना एवं प्रलेखन	89
10	अध्याय – V : सुदूरवर्ती सेवा विस्तार अनुभाग	91
11	अध्याय – VI : सफलता की कहानियाँ	95
12	अध्याय – VII : रागदिसं की मीडिया कवरेज और सोशल मीडिया पर मौजूदगी	97
	राष्ट्रीय कार्यक्रम	104
13	अध्याय – VIII : प्रशासन	
	संगठन संरचना	117
	कार्मिक अवस्थिति	118
	सिविल, विद्युत इंजीनियरिंग एवं संपदा	122
	राजभाषा अनुभाग	124
	सीएसआर गतिविधियाँ	125
	सूचना का अधिकार पर की गई कार्रवाई	126
	प्रबंधन	129
14	अध्याय – IX : क्षेत्रीय केंद्र	131
15	अध्याय – X : संयुक्त क्षेत्रीय केंद्र (CRC)	143
16	अध्याय – XI : वार्षिक लेखा विवरण	195

प्राक्कथन

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के प्रयासों ने वैश्विक स्तर पर विशेष रूप से तब गति पकड़ी जब दिव्यांगजनों के अधिकारों पर कन्वेंशन को अपनाया गया। भारत में भी, इस कन्वेंशन में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 तैयार किया गया। यह मील का पत्थर केवल कल्याणकारी गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अधिकार-आधारित दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कदम साबित हुआ। मूल्यों, विशेषज्ञता और अनुभव की मजबूत नींव के साथ, राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांग संस्थान कोलकाता (NILD) ने दिव्यांगजनों की सेवा में एक और वर्ष पूर्ण किया। रागदिसं, कोलकाता ने दिव्यांगजन विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हुए नीतियों, योजनाओं, अनुसंधान, मानव संसाधन विकास और सेवाओं के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाया। इस वर्ष रागदिसं ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्रों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाई। रागदिसं को यह साझा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वह वर्ष 2024-2025 की वार्षिक रिपोर्ट में पिछले वर्ष की प्रमुख गतिविधियों और घटनाओं को आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा है।

संस्थान के बारे में

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, जिसे पहले राष्ट्रीय अस्थि विकलांग संस्थान के नाम से जाना जाता था, की स्थापना वर्ष 1978 में कोलकाता, पश्चिम बंगाल में भारत सरकार के सामाजिक कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था के रूप में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1961 के अंतर्गत की गई थी।यह संस्थान दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित एक प्रमुख केंद्रीय सरकारी संगठन है।जो पहले कोलकाता के बन-हुगली क्षेत्र में स्थित कुमार पी.एन. रॉय ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के परिसर में स्थित है। यह एक शीर्ष संस्थान है, जो मुख्यत: गतिशीलता संबंधी दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत है।

संस्थान का उद्देश्य गतिशीलता संबंधी दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों को उनके पुनर्वास प्रबंधन, शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और मानव संसाधन विकास के माध्यम से उनकी पूर्ण क्षमताओं और उनके अधिकारों को विकसित करके समान रूप से जीने में सक्षम बनाना है, ताकि वे अपने सामान्य साथियों के समान जीवन जी सकें।संस्थान उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में भी पुनर्वास से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित करता है, जो कि दिव्यांगजन हेतु स्थापित उसके समेकित क्षेत्रीय तथा समेकित केंद्रों के माध्यम से संचालित की जाती हैं।

संस्थान का उद्देश्य

- दिव्यांगजनों की शिक्षा और पुनर्वास के सभी पहलुओं में अनुसंधान आयोजित, समन्वित, प्रायोजित या वित्तीय सहायता प्रदान करना, जिसमें न्यूरोलॉजिकल स्थितियों से जुड़ी समन्वय या गतिशीलता की समस्याएँ भी शामिल हों।
- बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में अनुसंधान करना, प्रायोजित, समन्वित या वित्तीय सहायता प्रदान करना, ताकि सहायक उपकरणों, उपयुक्त शल्यक्रिया या चिकित्सीय प्रक्रियाओं के प्रभावी विकास और नए सहायक उपकरणों के निर्माण में योगदान मिल सके।
- प्रशिक्षुओं, शिक्षकों, रोजगार अधिकारियों, मनोवैज्ञानिकों, व्यावसायिक परामर्शदाताओं और अन्य आवश्यक कर्मियों के प्रशिक्षण का आयोजन या प्रायोजन करना, जिन्हें संस्थान गतिशील दिव्यांगजनों की शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक समझे।
- किसी भी प्रकार के सहायक उपकरणों का वितरण, प्रचार या वित्तीय सहायता प्रदान करना, जो गतिशील दिव्यांगजनों की शिक्षा, पुनर्वास या चिकित्सीय / थैरेपी संबंधी जरूरतों को बेहतर बनाने हेतु डिजाइन किए गए हों

गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

इस संस्थान की गतिविधियाँ मुख्यत: निम्नलिखित क्षेत्रों में विभाजित हैं:

- मानव संसाधन विकास
- पुनर्वास सेवाएँ
- अनुसंधान और विकास
- पुस्तकालय, प्रलेखीकरण और सूचना का प्रसार
- सुदूरवर्ती तथा विस्तारित सेवाऐं
- जागरूकता सृजन
- छात्रों का नियोजन
- सम्पदा अभियांत्रिकी विभाग

उपरोक्त गतिविधियाँ विभिन्न विभागों, इकाइयों, समग्र क्षेत्रीय केंद्रों और क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा संस्थान के प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित की जाती हैं।

मुख्य विभाग / इकाइयाँ इस प्रकार हैं:

- चिकित्सीय पुनर्वास
- भौतिक चिकित्सा
- व्यावसायिक चिकित्सा
- कृत्रिम अंग प्रत्यंग
- सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास
- पुनर्वास नर्सिंग
- पुनर्वास अभियांत्रिकी
- क्रॉस डिसेबिलिटी शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र
- दृष्टिबाधितार्थ विभाग
- सुदूरवर्ती सेवा इकाई

कार्यकारी सारांश

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान पहले राष्ट्रीय अस्थि विकलांग संस्थान के नाम से जाना जाता था, वर्ष 1978 में कोलकाता, पश्चिम बंगाल में सामाजिक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय के रूप में सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1961 के अंतर्गत स्थापित किया गया था।

एन.आई.एल.डी., कोलकाता, भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा वित्तपोषित एक प्रमुख केन्द्रीय सरकारी संस्थान है।

संस्थान की गतिविधियां वृहत रूप से निम्नलिखित में सन्निहित है :

- पुनर्वास सेवाएँ
- मानव संसाधन विकास
- अनुसंधान और विकास
- पुस्तकालय, प्रलेखीकरण और सूचना का प्रसार
- सुदूरवर्ती तथा विस्तारित सेवाएँ
- जागरूकता सृजन
- छात्रों का नियोजन
- सम्पदा और सिविल अभियांत्रिकी विभाग

उपरोक्त गतिविधियाँ संस्थान के प्रशासनिक नियंत्रण में विभिन्न विभागों, इकाइयों, समग्र क्षेत्रीय केंद्रों और क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा संचालित की जाती हैं। मुख्य विभाग/इकाइयाँ इस प्रकार हैं:

- चिकित्सीय पुनर्वास
- भौतिक चिकित्सा
- व्यावसायिक चिकित्सा
- कृत्रिम अंग प्रत्यंग
- सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास
- पुनर्वास नर्सिंग
- नैदानिक सेवाएँ (पैथोलॉजी/ईएमजी/एक्स-रे)
- पुनर्वास इंजीनियरिंग
- क्रॉस डिसेबिलिटी - शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र
- दृष्टिबाधितार्थ विभाग
- सुदूरवर्ती सेवा इकाई
- पुस्तकालय, सूचना और प्रलेखीकरण
- छात्र नियोजन इकाई

क. पुनर्वास सेवाऐं

i. संस्थान के माध्यम से

संस्थान के माध्यम से समग्र पुनर्वास सेवाएँ : संस्थान का चिकित्सीय पुनर्वास विभाग, अन्य विभागों के साथ समन्वय करके दिव्यांग व्यक्तियों को समग्र पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करता है, जो कि संस्थान के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) और आंतरिक रोगी विभाग (आईपीडी) के माध्यम से संचालित होती हैं। यह प्रक्रिया प्रत्येक मरीज की स्थिति का विस्तृत मूल्यांकन करने से शुरू होती है, जिसके बाद एक व्यक्तिगत दीर्घकालिक या अल्पकालिक पुनर्वास योजना तैयार की जाती है।

इस योजना को एक कुशल टीम द्वारा तैयार किया जाता है जिसमें भौतिक चिकित्सक, शल्य चिकित्सक, पेशेवर चिकित्सक, प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट,क्लिनीकल साइकोलॉजिस्ट, सामाजिक कार्यकत्ता, व्यावसायिक परामर्शदाता आदि शामिल है। ओपीडी/आईपीडी मुख्य रूप से प्रमस्तिष्किय पक्षाघात /जन्मजात अंग की कमी/विकृतियां/ एम्प्युटेशन.रीढ़ की हड्डी की विकृति, स्वप्रतिरक्षी विकार, स्पैस्टीसीटी, न्यूरोमस्कूलर विकार, क्षयकारी स्थिति के कारण गतिशीलता में समस्या और पोस्ट पोलियों रेसिडुअल पैरालिसिस (पीआरपी) से संबंधित रोगियों को संभालती है। यह विभाग दिव्यांग व्यक्ति की विशेष देखभाल को सुनिश्चित करता है जिसका उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता और कार्यात्मक क्षमताओं में सुधार करना है। इस एकीकृत दृष्टिकोण और विभिन्न विषयों की संयुक्त विशेषज्ञता के माध्यम से संस्थान की चिकित्सा पुनर्वास विभाग ने दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने का प्रयास किया और उन्हें चुनौतियों से उबरने में मदद की तथा उनकी स्वास्थ्य उद्धार की दिशा में हर कल्याणकारी संभावनों को उजागर किया।

चिकित्सीय एवं शल्य चिकित्सा सेवाएँ : वर्ष 2024-25 के दौरान, आउटडोर पेशेंट विभाग (ओपीडी)ने नए एवं अनुवर्ती रोगियों को नैदानिक सेवाएँ प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2024-25 में, ओ.पी.डी. में 26,395 नए मामले, 17,137 फॉलो-अप तथा 2,06,119 सहायक सेवाएँ दर्ज की गईं

संस्थान के लाभार्थियों की संख्या			
रोगी	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
नए रोगीजन	26217	26400	26395
पुराने रोगीजन	19726	19141	17137
सहायक सेवाएँ	219924	207636	206119
कुल	**2,65,867**	**2,53,177**	**2,49,651**

अधिक गहन उपचार एवं देखभाल के लिए, संस्थान ने 50 बिस्तरों की क्षमता वाले इंडोर पेशेंट विभाग में सेवाएँ प्रदान कीं। इसमें विशेष वार्ड शामिल थे जैसे सर्जिकल वार्ड, पुनर्वास वार्ड, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी वार्ड तथा निजी वार्ड। वर्ष 2024-25 के दौरान उपचारित भर्ती रोगियों की संख्या 260 है।

इन वार्डों में भर्ती रोगियों की संख्या इस प्रकार रही:

- 932 लघु शल्यक्रियाएँ
- 125 प्रमुख शल्यक्रियाएँ

इन शल्य हस्तक्षेपों ने विकृतियों की रोकथाम और सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे रोगियों को कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार तथा बेहतर जीवन गुणवत्ता प्राप्त करने में सहायता मिली है।

चिकित्सा सेवाओ का अवलोकन

ओपीडी सेवाएं
नये और अनुवर्ती रोगियों के लिये नैदानिक सेवाएं

आंतरिक रोगी सेवाएं
पुनर्वास और पुनसथापनात्मक सर्जरी के लिये 50 विस्तरों वाले विशेष वार्ड

पुनर्वास और पुनसथापनात्मक
विकृतियों को ठीक करने के लिये शल्य चिकित्सा हस्तक्षेप

पुर्नस्थापनात्मक शल्य चिकित्सा			
भर्ती रोगियों की संख्या	258	229	260
प्रमुख शल्यक्रियाएँ	139	161	125
लघु शल्यक्रियाएँ	1502	1031	932

उन्नत नैदानिक सुविधाएँ:

संस्थान में आंतरिक (इनडोर) तथा बाह्य (आउटडोर) रोगियों के लिए पैथोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और इलेक्ट्रो-डायग्नोस्टिक जाँच सुविधाएँ उपलब्ध थीं। वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 34,232 नैदानिक जाँचें की गईं। पिछले तीन वर्षों में उपलब्ध नैदानिक सुविधाओं का विवरण इस प्रकार है।

सेवा का प्रकार			
	2022-23	2023-24	2024-25
एक्स-रे	10154	6487	7475
पैथोलॉजिकल परीक्षण	30292	22029	20818
ईएमजी, एनसीवी	7669	7411	5939

भौतिक चिकित्सा सेवाएँ :

भौतिक चिकित्सा सेवाएँ: संस्थान के फिजियोथेरेपी विभाग में अत्याधुनिक और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, जो उन्हें आवश्यक रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस विभाग ने कुल 71,361 सेवाएँ प्रदान कीं, जिससे 44,103 रोगियों को आवश्यक चिकित्सीय हस्तक्षेप उपलब्ध कराए गए।

भौतिक चिकित्सा	2022-23	2023-24	2024-25
नए रोगीजन	15124	15306	16102
पुराने रोगीजन	22105	28980	28001
सेवाऐं	51130	64668	71361

पुनर्वास सेवाओं पर अपने मुख्य फोकस के अतिरिक्त, विभाग शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से संलग्न रहा। भविष्य के फिजियोथेरेपिस्टों को ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्रदान कर तथा शोध कार्य संचालित करके विभाग ने न केवल इस क्षेत्र की प्रगति में योगदान दिया बल्कि रोगियों की देखभाल में भी सुधार किया।रोगी सेवा और शैक्षणिक उत्कृष्टता, दोनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, भौतिक चिकित्सा विभाग ने पुनर्वास सहयोग प्राप्त करने वाले असंख्य व्यक्तियों के स्वास्थ्य, कार्यक्षमता और जीवन-स्तर को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भौतिक चिकित्सा विभाग का बहुआयामी योगदान

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग : व्यावसायिक चिकित्सा (Occupational Therapy) सेवाएँ: संस्थान का व्यावसायिक चिकित्सा विभाग मुख्य रूप से दिव्यांगजन (PwDs) को शिक्षा, अनुसंधान और पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करने में संलग्न है। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस विभाग ने कुल 4967 नए रोगियों और 22,957 फॉलो-अप रोगियों को सेवा प्रदान की और सभी आने वाले रोगियों को 44326 चिकित्सा सेवाएँ (थैरेपी सेवाएँ) उपलब्ध कराईं।

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग	2022-23	2023-24	2024-25
नए रोगीजन	3166	2318	4967
पुराने रोगीजन	16532	20674	22957
सेवाऐं	31111	40609	44326

अपने समर्पित क्लिनिकल देखभाल, शिक्षण एवं शोध कार्यों के माध्यम से विभाग ने दिव्यांगजन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने और उनकी स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विभाग की यह प्रतिबद्धता रोगियों एवं उनके परिवारों के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने और दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने में सहायक रही है।

व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं का संक्षिप्त विवरण

प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स (P&O) के माध्यम से जीवन को सशक्त बनाना: : प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग संस्थान का एक महत्वपूर्ण अनुभाग है, जो दिव्यांगजनों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है तथा उनकी गतिशीलता और आत्मनिर्भरता को बढ़ाता है। अपनी मूल भूमिका के अतिरिक्त, यह विभाग शिक्षण, प्रशिक्षण, एडिप. योजना का क्रियान्वयन तथा शोध की गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से संलग्न है।

प्रो.एंड ओ. के माध्यम से जीवन को सशक्त बनाना

वर्ष 2024-25 के दौरान, पी एंड ओ (P&O) विभाग ने कुल 4,358 सहायक उपकरण और उपकरण तैयार किए। यह उनके इस प्रयास को दर्शाता है कि वे दिव्यांगजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए उनके विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष उपकरण प्रदान करने के प्रति समर्पित हैं। अपने बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से, पी एंड ओ विभाग व्यक्तियों को पूर्ण और सशक्त जीवन जीने तथा शारीरिक चुनौतियों को पार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कृत्रिम अंग प्रत्यंग	2022-23	2023-24	2024-25
प्रोस्थेसिस एवं ऑथोसिस	3759	3991	4243
पुनर्वास उपादान	194	213	115

सामाजिक आर्थिक पुनर्वास : दिव्यांगजनों को समाज की सामाजिक और आर्थिक मुख्यधारा में समेकित करने के उद्देश्य से सामाजिक आर्थिक पुनर्वास

के प्राध्यापकों एवं कार्मिकों की जनशक्ति ने संस्थान में अपनी विभिन्न इकाइयों के माध्यम से शिक्षण, प्रशिक्षण और पुनर्वास सेवाएँ प्रदान कीं। ये इकाइयाँ हैं:

1. सामाजिक कार्य
2. व्यावसायिक परामर्श, मार्गदर्शन एवं नियुक्ति
3. विस्तार सेवा
4. नैदानिक मनोविज्ञान
5. विशेष शिक्षा

सामाजिक आर्थिक पुनर्वास के घटक

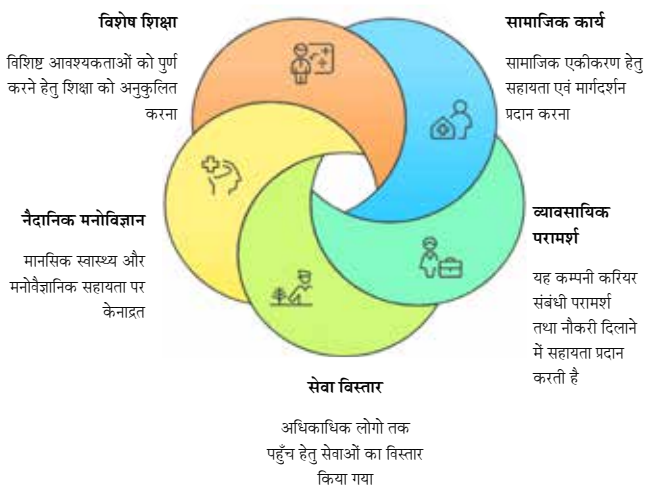

वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की गई

सामाजिक आर्थिक पुनर्वास			
सेवाऐं	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
सामाजिक मूल्यांकन एवं परामर्श	2040	2063	2359
व्यावसायिक परामर्श एवं मार्गदर्शन	397	447	451
नैदानिक मनोविज्ञान	947	1459	1420
विशेष शिक्षा	405	70	528
यूडीआईडी पंजीकरण	594	1668	865
निरामया पंजीकरण	--	--	78
नियुक्ति/रोजगार	13	08	62

व्यापक पुनर्वास नर्सिंग सेवाएँ : पुनर्वास नर्सिंग सेवा विभाग मेंइन-पेशेंट और आउट-पेशेंट सेवाओं की व्यापक श्रृंखला तथा बीमारी या आघात से ग्रस्त रोगियों के लिए सतत देखभाल शामिल है। जन्मजात विकृतियों, फ्रैक्चर, विच्छेदन (Amputations), रीढ़ की हड्डी की चोट, बहु-आघात (Multiple Trauma) या अन्य अस्थि-स्नायु संबंधी विकृतियों से पीड़त रोगियों को शल्य चिकित्सा (Surgeries) तथा शल्योत्तर पुनर्वास सेवाओं हेतु भर्ती किया जाता है। वर्ष 2024-25 के दौरान, संस्थान के आरएसयू और पुनर्वास वार्ड में भर्ती किए जाने वाले रोगियों की संख्या 260 थी।

वार्ड	2022-23	2023-24	2024-25
आर.एस.यू	138	124	101
पुनर्वास वार्ड	120	105	159

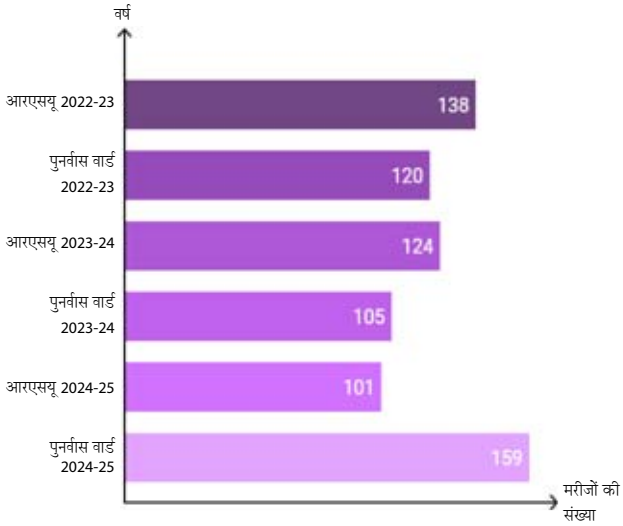

पुनर्वास इकाईयों में मरीजों की संख्या (2022-2025)

क्रॉस-डिसएबिलिटी –शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (CDEIC): यह समर्पित केंद्र मुख्य भवन की भूतल मंजिल पर एक अलग प्रवेश द्वार के साथ स्थित है और यह 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों को अपनी चिकित्सीय सेवाऐं प्रदान करने में कार्यरत है। यह केंद्र रागदिसं, कोलकाता के साथ-साथ देशभर में स्थित अन्य 13 केंद्रों में संचालित है। क्रॉस-डिसएबिलिटी –शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं से पीड़त बच्चों के लिए बहुआयामी, समग्र एवं बहु-कार्यात्मक चिकित्सकीय हस्तक्षेप सुविधाएँ प्रदान करना है। ऐसी सेवाएं प्रदान से दिव्यांग बच्चों और उनके परिवारों पर दिव्यांगता के बोझ को लाघव करने का प्रयास करता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र अभिभावकों को परामर्श एवं सहयोग प्रदान करता है तथा बच्चों को विद्यालय के लिए तैयार करने में सहायता करता है, जो समावेशी शिक्षा का एक आवश्यक अंग है।

सीडीईआईसी के बहुआयामी प्रभाव का अनावरण

वर्ष 2024-25 के दौरान, इस केंद्र ने विभिन्न दिव्यांग श्रेणियों के कुल 8,056 मामलों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला, उन्हें 40,617 प्रारंभिक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान कीं और एक ही छत के नीचे सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराया।

क्रॉस-डिसएबिलिटी–शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र	2022-23	2023-24	2024-25
नए मामले	2023	1749	1676
फॉलो-अप	8507	7624	6380
सेवाएँ	65236	46012	40617

क्रॉस-डिसएबिलिटी –शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र का समग्र दृष्टिकोण दिव्यांग बच्चों के कल्याण और विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जिससे उनके समाज में समावेशन को प्रोत्साहन मिलता है।

दृष्टिबाधिता इकाई -

दृष्टिबाधिता इकाई को अप्रैल 2023 में रागदिसं, देहरादून से रागदिसं को सौंपा गया। इस इकाई द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में होम बाउंड प्री-स्कूल (Pre-school), स्वतंत्र जीवन कौशल कार्यक्रम, प्लेसमेंट और मार्गदर्शन शामिल हैं। लाभार्थियों में दृष्टिबाधित और न्यून दृष्टि से पीड़त बच्चे एवं वयस्क शामिल हैं। इसके अतिरिक्त,एडिप योजना के अंतर्गत दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए सहायक उपकरणों का वितरण भी आउटरीच कैंपों के माध्यम से किया जाताहै।

दृष्टिबाधित लोगों के लिये व्यापक सहायता

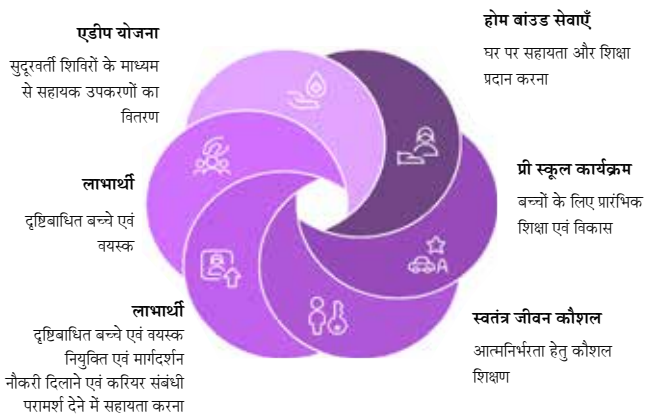

ii. शिविरों के माध्यम से :

संस्थान के आउटरीच सेक्शन ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सहायक उपकरण/उपकरण खरीदने/फिट करने में सहायता एडिप योजना के अंतर्गत दिव्यांगजन के लिए मूल्यांकन, पहचान और वितरण शिविर आयोजित किए। यह योजना दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित की जाती है।

वर्ष 2024-2025 के दौरान, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में कुल 28 शिविर मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) दिशानिर्देशों का पालन करते हुए आयोजित किए गए। इन प्रयासों से 1,696 दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए, जिससे उनकी गतिशीलता और जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। इन आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से संस्थान ने कुल 2,111 सहायक उपकरण और उपकरण वितरित किए, जो दिव्यांग समुदाय की सेवा करने और महत्वपूर्ण सहायक उपकरण व प्रौद्योगिकियों तक पहुँच सुनिश्चित करने के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते है।

पिछले तीन वर्षों में आयोजित कुल शिविरों का सारांश:

सुदूरवर्ती सेवाऐं	2022-23	2023-24	2024-25
शिविरों की संख्या	46	25	28
लाभार्थियों की संख्या	1711	670	1668
सहायक उपकरण/साधन वितरित	2341	974	2111

ख.मानव संसाधन विकास

पुनर्वास के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास कार्यक्रम संस्थान के मुख्य उद्देश्यों में से एक है। वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा प्रदत्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों को दो प्रभागों में वर्गीकृत किया जा सकता है –

i. **दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम– :** संस्थान ने वर्ष के दौरान स्नातक और स्नातकोत्तर तथा डी.एन.बी.(पी.एम.आर.) के नियमित पाठ्यक्रमों का संचालन जारी रखा। स्नातक और स्नातकोत्तर के दोनो पाठ्यक्रम पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (डब्ल्यूबीयूएचएस) से संबद्ध हैं और डी.एन.बी. (पी.एम.आर.) पाठ्यक्रम राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड नई दिल्ली से संबद्ध है। वर्ष के दौरान विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है –

दीर्घकालिक स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम :

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश क्षमता	प्रवेश			उत्तीर्ण		
			2022	2023	2024	2022	2023	2024
1.	भौतिक चिकित्सा में स्नातक	57	57	57	57	49	49	42
2.	व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक	56	56	54	56	39	41	41
3.	कृत्रिम अंग प्रत्यंग में स्नातक	47	25	43	42	28	27	20
4.	भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर(आर्थो)	07	07	07	*	06	05	07
5.	भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (न्यूरो)	03	03	03	*	-	02	03
6.	व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर	07	07	07	*	05	04	07
7.	कृत्रिम अंग प्रत्यंग में स्नातकोत्तर	07	07	07	*	03	03	06
8.	एम.एस.सी नर्सिंग(ऑर्थोपेडिक एवं पुनर्वास)	10	10	07	08	10	10	08
9.	दिव्यांगता पुनर्वास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.आर.एम.)	15	04	07	*	06	07	07
10.	सीबीआईडी	40	18	16	16	18	16	10

नोट: **अदालती मामले के कारण प्रवेश लंबित।*

ii. लघु अवधि के कार्यक्रम : वर्ष 2024-2025 के दौरान कुल 51 विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन संक्षिप्त अवधि के कार्यक्रमों के माध्यम से 5879 प्रतिभागियों को लाभ हुआ। ये कार्यक्रम पेशेवरों के ज्ञान को अपडेट करने और क्षमता निर्माण एवं सुग्राह्यता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किए गए थे।

विषय	2022-23	2023-24	2024-25
कार्यक्रमों की संख्या	22	40	51
प्रतिभागियों की संख्या	1581	3142	5879

ग. छात्र नियोजन:

संस्थान में छात्र नियोजन प्रकोष्ठ की स्थापना वर्ष 2010 में की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को स्नातक उपरांत रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना था। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ पूरे वर्ष के दौरान प्रतिष्ठित पुनर्वास केंद्रों, अस्पतालों और संस्थानों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखता है तथा इन संगठनों और संस्थान के स्नातकों के बीच सक्रिय रूप से संबंध स्थापित करता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, प्लेसमेंट सेल ने कुल 125 छात्रों को सफलतापूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। इन प्रयासों के परिणाम इस प्रकार हैं:

छात्र नियोजन	2022-23	2023-24	2024-25
नियोजन हेतु सम्मिलित कुल छात्रों की संख्या	118	127	125
गैर-सरकारी नौकरी में नियुक्ति	54	66	78
उच्च शिक्षा प्राप्त की	48	46	27
स्वरोजगार	12	14	20

वर्ष 2024-25 के दौरान, नियोजन प्रकोष्ठ ने देशभर के 18 प्रतिष्ठित पुनर्वास केंद्रों, अस्पतालों एवं संस्थानों से संपर्क स्थापित किया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कुल 78 छात्रों को गैर-सरकारी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि छात्र नियोजन प्रकोष्ठ की उस प्रभावशीलता को दर्शाती है, जिसके माध्यम से सफल करियर परिवर्तन संभव हुआ और पुनर्वास क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की वृद्धि में योगदान मिला।

छात्रो के भविष्य की संभावनाओं को बढ़ाना

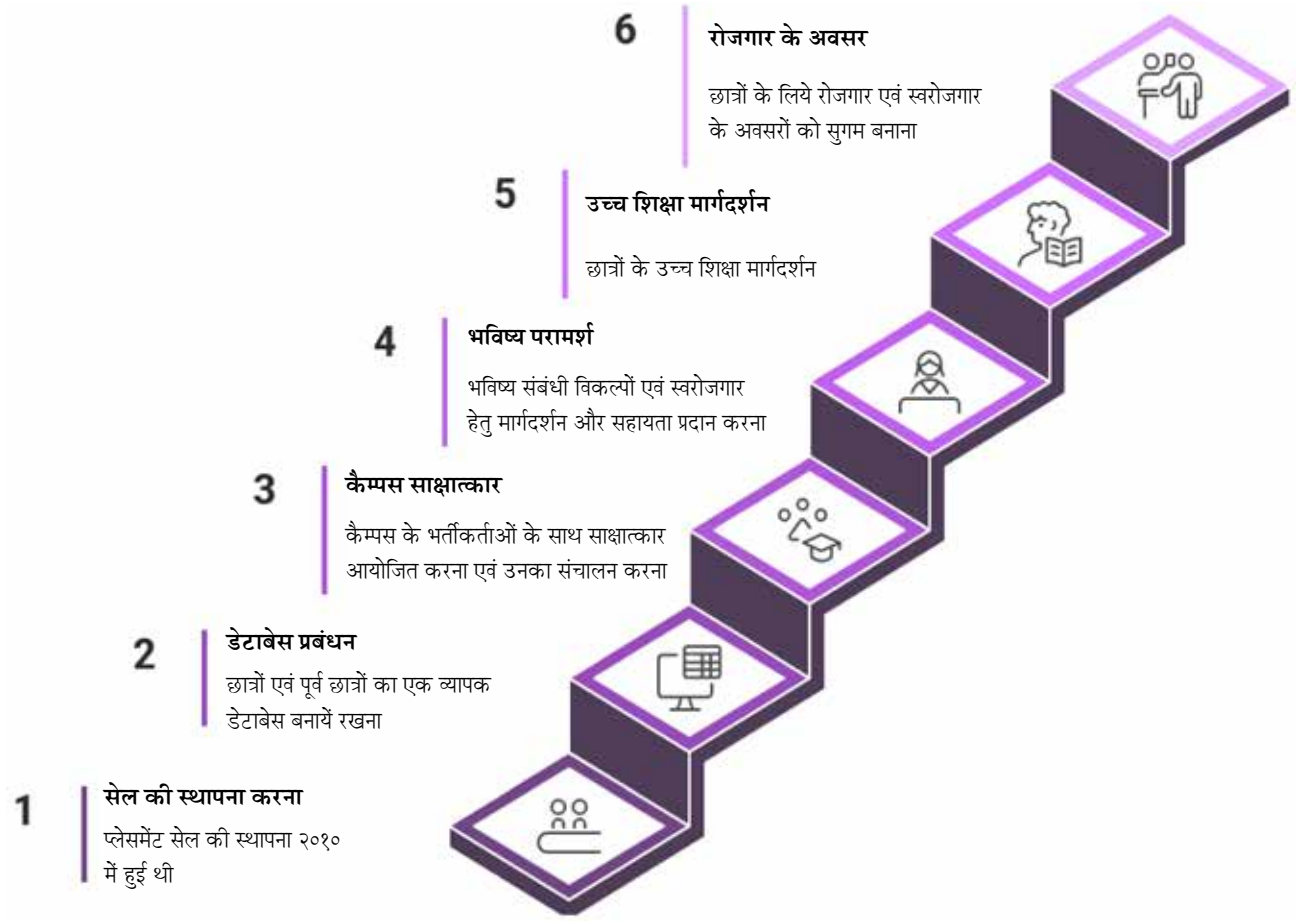

घ. अनुसंधान तथा विकास :

संस्थान की शोध तथा विकास इकाई ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सहयोग से अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करने के साथ संस्थान की अन्य विभागों में चल रही पुनर्वास के क्षेत्र में अनुसंधान तथा जे. आर.एफ./एस.आर.एफ. की छात्रवृत्तियों के कार्यक्रमों में समन्वय किया

ड. पुस्तकालय प्रलेखन एवं सूचना का प्रसार

कोलकाता स्थित रागदिसं का पुस्तकालय वर्ष 1978-79 में स्थापित किया गया था और तब से यह शहर के पुनर्वास संबंधी पुस्तकों और पत्रिकाओं का एक व्यापक संग्रह बन गया है। यह पुस्तकालय संस्थान के लिए सूचना सेवाओं के प्रलेखीकरण और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 14,229 पुस्तकों और पत्रिकाओं सहित 60 सीडी/डीवीडी के प्रभावशाली संग्रह के साथ, यह पुस्तकालय पुनर्वास पेशेवरों, चिकित्सकों, दिव्यांग व्यक्तियों और उनके देखभालकर्ताओं के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है। इसमें सूचना फोल्डर भी शामिल हैं, जो भारत सरकार और राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं, पुनर्वास सहायक उपकरण/उपकरण, और दिव्यांग व्यक्तियों से संबंधित कानूनों का विवरण देते हैं। पहुँच और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए, कुछ सूचना सामग्री का अनुवाद क्षेत्रीय भाषाओं में भी किया गया है, जिससे यह व्यापक लोगों तक पहुँच सके।

च. क्षेत्रीय केंद्रों की गतिविधियाँ

क.क्षेत्रीय केन्द्र– आयजॉल –

आइजॉल स्थित रागदिसं क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 2004 में की गई थी। यह केंद्र अस्थायी आवास से राज्य शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, चाल्टलांग, आइजॉल के परिसर में कार्यरत है। केंद्र बहुविषयक टीम दृष्टिकोण के साथ व्यापक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करता है, जिसमें चिकित्सा विशेषज्ञ, व्यावसायिक चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, भाषण चिकित्सक, श्रवण विशेषज्ञ, विशेष शिक्षा विशेषज्ञ, बौद्धिक दिव्यांगजन विशेषज्ञ और प्रोस्थेटिक्स व ऑर्थोटिक्स (P&O) के पेशेवर शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की जरूरतमंद जनसंख्या की सेवा करना है, जिसमें विशेष ध्यान मिजोरम पर केंद्रित है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, इस केंद्र ने कुल 1,211 व्यक्तियों को सेवा प्रदान की। विवरण इस प्रकार है:

सेवाएँ	2022-23	2023-24	2024-25
नए मामले	397	355	215
अनुवर्ती मामले	1316	1047	996
कुल सहायक सेवाएँ	1408	2236	1867
मूल्यांकन/वितरण शिविरों की संख्या	05	04	02
लाभार्थियों की संख्या / शिविर एवं ओपीडी में वितरित सहायक उपकरण एवं साधनों की संख्या	74/167	142/234	65/100
प्रशिक्षण की संख्या, वेबिनार / प्रतिभागियों की संख्या	24/585	02/30	16/706

ख) क्षेत्रीय केन्द्र – नाहरलगुन

अरुणाचल प्रदेश के नाहरलगुन में स्थित रागदिसं क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 2016 में की गई थी और यह डी सेक्टर (पचिन कॉलोनी के पास), नाहरलगुन, पापुम्पारे में एक अस्थायी किराये के भवन से संचालित होता है। केंद्र ने अपनी गतिविधियों की शुरुआत चार संविदात्मक कर्मचारियों की टीम के साथ की थी और यह समुदाय को आवश्यक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस केंद्र ने विभिन्न पुनर्वास हस्तक्षेपों के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों का लगातार समर्थन किया।

ओपीडी / आईपीडी की सेवाऐं	2022-23	2023-24	2024-25
नए रोगीजन	246	417	299
पुराने रोगीजन	1318	1297	854
कुल सहायक सेवाएँ	1597	1713	1399
वितरित सहायक उपकरण एवं साधनों की संख्या	14	03	1500 (पीएमडीके माध्यम से)
अल्पकालिक प्रशिक्षण जागरूकता कार्यक्रम	02	05	06

वर्ष 2024-25 में, केंद्र ने कुल 1,399 पुनर्वास सेवाएँ प्रदान कीं, जिससे 1,399 व्यक्तियों को लाभ हुआ। इनमें से 299 नए रोगी तथा 854 अनुवर्ती रोगी शामिल थे।

अस्थायी भवन से संचालित होने के बावजूद, रागदिसं क्षेत्रीय केंद्र, नाहरलगुन दिव्यांग व्यक्तियों की कार्यात्मक क्षमताओं, स्वतंत्रता तथा समग्र कल्याणको बढ़ाने के लिए निरंतर समर्पित है और इस प्रकार अरुणाचल प्रदेश में पुनर्वास क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

छ. समेकित क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा की गई गतिविधियाँ :

क.सीआरसी-पटना

पटना स्थित सीआरसी की स्थापना 2009 में भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को गुणवत्तापूर्ण पुनर्वास सेवाएँ और कौशल विकास के अवसर प्रदान करना है। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस केंद्र ने महत्वपूर्ण सेवा प्रदायगी का प्रदर्शन किया:

ओपीडी / आईपीडी की सेवाऐं	2022-23	2023-24	2024-25
नए रोगीजन	2071	1906	4224
पुराने रोगीजन	33138	32406	10964
कुल सहायक सेवाऐं	33885	61828	35357
वितरण/मूल्यांकन शिविरों की संख्या	15	05	01/03
लाभार्थियों की संख्या / शिविर एवं ओपीडी में वितरित सहायक उपकरण एवं साधनों की संख्या	705/916	119/133	2167/9785
अल्पकालिक प्रशिक्षण (एऊऊ), जागरूकता कार्यक्रम, सीआरई/ प्रतिभागियों की संख्या	23/2645	30/2688	83/9265

वर्ष 2024-25 में ही, CRC, पटनाने कुल 35357 पुनर्वास सेवाएँप्रदान कीं, जिनसे 4,224 नए रोगीऔर 10964 अनुवर्ती रोगी लाभान्वित हुए। ये प्रयास इस केंद्र की उस महत्वपूर्ण भूमिका की पुनर्पुष्टि करते हैं, जिसके माध्यम से यह दिव्यांग व्यक्तियों की पुनर्वास आवश्यकताओं को पूरा करता है और उनके सशक्तिकरण एवं समाज में समावेशनको आगे बढ़ाता है।

ख. सीआरसी-त्रिपुरा

त्रिपुरा में सीआरसी, जो नवंबर 2017 में नरसिंगढ़, पश्चिम त्रिपुरा में स्थापित किया गया था जो कोलकाता स्थित राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत है। यह केंद्र दिव्यांग व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करता है, जिसमें कौशल विकास, सशक्तिकरण और गुणवत्तापूर्ण देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, इस केंद्र ने सेवा प्रदान की:

ओपीडी / आईपीडी की सेवाऐं	2022-23	2023-24	2024-25
नए रोगीजन	726	644	1792
पुराने रोगीजन	2592	2068	4562
कुल सहायक सेवाऐं	5478	3490	6389
वितरण/मूल्यांकन शिविरों की संख्या	12	02	01
शिविर एवं ओपीडी में वितरित सहायक उपकरण एवं साधनों की संख्या	480/680	154/176	7863 (पीएमडीके माध्यम से)
अल्पकालिक प्रशिक्षण (STT), जागरूकता कार्यक्रम, सीआरई / प्रतिभागियों की संख्या	07/210	18/193	237/20344

केवल वर्ष 2024-25 में, इस केंद्र ने कुल 6,389 पुनर्वास सेवाएँ प्रदान कीं, जिनसे 1,792 नए रोगियों और 4,562 फॉलो-अप रोगियों को लाभ हुआ। ये प्रयास सीआरसी त्रिपुरा और आसपास के क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास, कौशल विकास और सशक्तिकरण सेवाएँ पहुँचाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

ग) सीआरसी-सिक्किम :

सिक्किम में दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण हेतु समेकित क्षेत्रीय केंद्र का प्रशासन 01 अप्रैल 2024 से कोलकाता स्थित राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान के नियंत्रण में आया। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस केंद्र ने 1,696 सहायक/पुनर्वास सेवाएँ प्रदान कीं, जिससे 2,512 नए रोगियों और 168 फॉलो-अप मामलों को लाभ हुआ, जो केंद्र की दिव्यांगजन के जीवन सुधार और सशक्तिकरण में उसकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

ओपीडी / आईपीडी की सेवाऐं	2024-25
नए रोगीजन	2512
पुराने रोगीजन	168
कुल सहायक सेवाऐं	1696
शिविरों की संख्या	049
लाभार्थियों की संख्या / शिविर एवं ओपीडी में वितरित सहायक उपकरण एवं साधनों की संख्या	308/1524 (पीएमडी के माध्यम से)
अल्पकालिक प्रशिक्षण (STT), CRE, वेबिनार / प्रतिभागियों की संख्या	19/1457

लाभार्थियों का वर्षवार विवरण :

सेवा (ओ.पी.डी./आई.पी.डी.)	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
मूल्यांकन क्लिनिक				
नए मामले	20414	26217	26400	26395
अनुवर्ती जाँच	16114	19726	19141	17137
पुनर्स्थापन शल्यक्रिया				
रोगियों की संख्या	237	258	229	260
बड़ी शल्यक्रियाएँ	174	139	161	125
छोटी शल्यक्रियाएँ	1849	1502	1031	932
भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी)				
नए मामले	11960	15124	15306	16102
अनुवर्ती जाँच	5606	22105	28980	28001
सेवाएँ	17523	51130	64668	71361
व्यावसायिक चिकित्सा (ऑक्यूपेशनल थैरेपी)				
नए मामले	2541	3166	2318	4967
अनुवर्ती जाँच	2286	16532	20674	22957
सेवाएँ	6244	31111	40609	44326

सेवा (ओ.पी.डी./आई.पी.डी.)	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
क्रॉस-डिसएबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन				
नए मामले	1229	2023	1749	1676
अनुवर्ती जाँच	4797	8507	7624	6380
सेवाएँ	29238	65236	46012	40617
कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग				
कृत्रिम अंग/ऑर्थोसिस	2643	3759	3991	4243
पुनर्वास सहायक उपकरण	164	194	213	115
सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास				
सामाजिक मूल्यांकन एवं परामर्श	1663	2040	2063	2359
व्यावसायिक परामर्श एवं मार्गदर्शन	279	397	447	451
नैदानिक मनोविज्ञान	547	947	1459	1420
विशेष शिक्षा	177	405	70	528
यू.डी.आई.डी. पंजीकरण	--	594	1668	865
निरामया पंजीकरण	--	--	--	78
नियोजन/रोजगार	09	13	08	61
लघुकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	29	15	39	51
प्रतिभागियों की संख्या	3317	869	2827	587
नैदानिक सेवाएँ				
एक्स-रे	10564	10154	6487	7475
पैथोलॉजिकल परीक्षण	23900	30292	22029	20818
ई.एम.जी./एन.सी.वी.	4436	7669	7411	5939
आउटरीच सेवाएँ				
लाभार्थियों की संख्या	1566	1711	670	1668
वितरित सहायक उपकरण	2026	2341	974	2111
सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ	87	143	123	111
दृष्टिबाधितार्थ इकाई				
नए मामले	--	--	83	93
अनुवर्ती जाँच	--	--	747	697
सेवाओं की संख्या			2933	3300
सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए	--	--	--	310
पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएँ				
कुल उपयोगकर्ताओं की संख्या	19097	28306	26041	20046
कुल उपयोगकर्ता सेवाएँ	15614	23442	17181	13452

संस्थान में महत्वपूर्ण व्यक्तियों का आगमन

श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने 4 से 6 अक्टूबर, 2024 तक एनआईएलडी, कोलकाता का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने एनआईएलडी की गतिविधियों की समीक्षा की और 6 अक्टूबर, 2024 को विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस का उद्घाटन किया। दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया और सीपी बच्चों को सीपी चेयर और अन्य उपकरण प्रदान किए गए।

श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, सचिव, दि.स.वि. सा.न्या.अ.मं. भारत सरकार का स्वागत करते हुए डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी, कोलकाता

श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, सचिव, दि.स.वि. सा.न्या.अ.मं., भारत सरकार व्यावसायिक चिकित्सा में मरीजों के साथ वार्तालाप करते हुए रागदिसं, कोलकाता

श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, सचिव, दि.स.वि. सा.न्या.अ.मं, भारत सरकार दिव्यांगजनों को मोटर चालित ट्राइसाइकिल प्रदान करते हुए

श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, सचिव, सचिव, दि.स.वि. सा. न्या.अ.मं., भारत सरकार एनआईएलडी, आरसी और सीआरसी अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए

श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सा.न्या.अ.मं. भारत सरकार दिव्यांगजनों के साथ सेरेब्रल पाल्सी दिवस का उद्घाटन करते हुए

श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, दि.स.वि. सा.न्या.अ.मं भारत सरकार, ने सीपी दिवस समारोह में स्नातक विद्यार्थी को सम्मानित किया गया

माननीय सांसद (राज्यसभा) श्री समिक भट्टाचार्य ने 27 दिसंबर 2024 और 3 मार्च 2025 को एनआईएलडी, कोलकाता का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एक वृक्षारोपण किया और संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने नव-स्थापित प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (फार्मेसी) और भौतिक चिकित्सा विभाग में उन्नत चिकित्सीय सुविधाओं की सराहना की।

श्री भट्टाचार्य ने दिव्यांगजनों के लिए संस्थान की सेवाओं और इसके समग्र विकास पर एनआईएलडी के अधिकारियों के साथ चर्चा की। दिव्यांगजनों के लिए एनआईएलडी के प्रयासों की सराहना करते हुए, उन्होंने अपनी सांसद निधि से एक एम्बुलेंस प्रदान करने का आश्वासन दिया और पश्चिम बंगाल सरकार के साथ समन्वय करके यूडीआईडी कार्ड पंजीकरण समस्या का समाधान करने का वादा किया।

श्री समिक भट्टाचार्य, माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा) पौधारोपण करते हुये एक पेड़ माँ के नाम

श्री समिक भट्टाचार्य, माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा) एनआईएलडी अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए

श्री समिक भट्टाचार्य, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) अपने दौरा के दौरान संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए

पुनर्वास सेवाएँ

गतिशील दिव्यांगजनों को संस्थान के बाह्य रोगी (ओपीडी) तथा आंतरिक रोगी (इनपेशेंट) विभागों के माध्यम से समग्र पुनर्वास सेवाएँ प्रदान की गईं। ओपीडी में आने वाले मरीज देश के विभिन्न हिस्सों से थे, मुख्य रूप से पूर्वी क्षेत्र जैसे पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर-पूर्वी राज्य, कभी-कभी बांग्लादेश नेपाल भूटान जैसे पड़ोसी देशों से भी। ओपीडी में, प्रत्येक व्यक्ति का एक विशेषज्ञ टीम द्वारा विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद पुनर्वास सेवाओं की योजना बनाई जाती थी। इस टीम में चिकित्सक विशेषज्ञ, भौतिक चिकित्सक व्यावसायिक चिकित्सक, प्रोस्थेटिस्ट ऑर्थोटिस्ट तथा सामाजिक आर्थिक पुनर्वास विभाग से पुनर्वास पेशेवर भी शामिल होते है।

संस्थान में आंतरिक रोगी विभाग, डायग्नोस्टिक सुविधाएँ तथा पुनर्निर्माण/ पुनर्वास शल्य चिकित्सा की सुविधाएँ भी उपलब्ध है। ये सेवाएँ मुख्यत: सेरेब्रल पाल्सी, जन्मजात अंग दोष / विकृति, अंग विच्छेदन (एम्प्यूटेशन), रीढ़ की विकृति, स्व प्रतिरक्षित रोग (ऑटो-इम्यून डिसऑर्डर), मांसपेशीय समस्याएँ, अपक्षयी स्थितियाँ, जो गतिशीलता को प्रभावित करती हैं, तथा पोलियो उपरांत दिव्यांगता से पीड़त दिव्यांग होते है।

शल्य चिकित्सा सुधार मुख्य या लघु शल्य क्रियाओं के माध्यम से किए जाते थे।

पुनर्वास सेवाएँ निम्नलिखित विभागों और इकाइयों के माध्यम से प्रदान की गईं:

- चिकित्सा पुनर्वास
- भौतिक चिकित्सा
- व्यवसायिक चिकित्सा
- कृत्रिम अंग प्रत्यंग
- सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास
- पुनर्वास नर्सिंग
- पुनर्वास अभियांत्रिकी
- दृष्टिबाधित विभाग
- क्रॉस डिसेबिलिटी -शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (सीडीईआईसी)
- सुदूरवर्ती सेवा इकाई

चिकित्सा पुनर्वास विभाग

चिकित्सा पुनर्वास विभाग

चिकित्सा पुनर्वास सेवाओं की शुरुआत संस्थान की स्थापना के साथ वर्ष 1978 में हुई थी।

यह विभाग चोट, बीमारी या दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों की कार्यक्षमता को बहाल करने और उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है। यह विभाग बहु-विषयक सहयोग के साथ कार्य करता है तथा रोगियों को संस्थागत स्तर पर आंतरिक (इनपेशेंट) और बाह्य (आउटपेशेंट) दोनों तरह की चिकित्सा एवं शल्य पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करता है।

नियमित ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) और इनडोर (आंतरिक रोगी विभाग) के माध्यम से चिकित्सीय मूल्यांकन, चिकित्सा या शल्य हस्तक्षेप, पुनर्वास उपकरणों का निर्धारण और आवश्यकतानुसार अन्य विभागों को रेफरल की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। मरीजों/दिव्यांगजनों का प्रारंभिक मूल्यांकन असेसमेंट क्लिनिक (ओपीडी) में किया जाता है, जहाँ आवश्यक जांचें एवं उपचार की सलाह दी जाती है, तथा आवश्यकता अनुसार अन्य विभागों में रेफर किया जाता है।

ओपीडी सप्ताह में छह दिन — सोमवार से शनिवार तक — खुली रहती है। संस्थान में दिव्यांगजनों एवं अन्य रोगियों के संस्थागत पुनर्वास हेतु पचास शैय्यायों की इनडोर सुविधा उपलब्ध है। शल्य चिकित्सा एवं दर्द प्रबंधन हेतु संस्थान में दो प्रमुख और एक लघु ऑपरेशन थिएटर उपलब्ध हैं।

बाल्यावस्था की दिव्यांगताओं के मामलों में सामान्य रूप से की जाने वाली शल्य प्रक्रियाएँ हैं सेरेब्रल पाल्सी, क्लबफुट, अन्य जन्मजात विकृतियाँ, ऑर्थोपेडिक सर्जरी जैसे — जोड़ प्रत्यारोपण ,फ्रैक्चर प्रबंधन — भी संस्थान में की जाती हैं।

दर्द प्रबंधन पुनर्वास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे न्यूनतम इनवेसिव दर्द एवं स्पाइन हस्तक्षेप के माध्यम से किया जाता है। निष्पादित की जाने वाली सामान्य प्रक्रियाएँ हैं: स्पाइनल एपिड्यूरल इंजेक्शन, फैसेट जॉइंट ब्लॉक, वर्टेब्रोप्लास्टी और काइफोप्लास्टी, रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन, यूएसजी मार्गदर्शित जोड़ इंजेक्शन तथा प्लेटलेट रिच प्लाज्मा (PRP) / ग्रोथ फैक्टर कंसन्ट्रेट (GFC) द्वारा पुनर्योजी उपचार.

यह रिपोर्ट वर्ष 2024-25 के लिए विभाग की गतिविधियों और उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत करती है।

बाह्य रोगी (ओपीडी) सेवाएँ

ओपीडी सेवाएँ	2022-23	2023-24	2024-25
नए मरीज	26217	26400	26395
फॉलो-अप मरीज	19726	19140	17137
कुल मरीज	45943	42541	43532

आंतरिक रोगी सेवाऐं

आंतरिक रोगी सेवाऐं उन रोगियों के लिए गहन और समन्वित बहुविषयक देखभाल प्रदान करती हैं, जिन्हें निकट चिकित्सकीय निगरानी और संरचित पुनर्वास की आवश्यकता होती है। यह सेवाएँ पचास (50) बिस्तरों की सुविधा के माध्यम से वर्ष भर, 24x7 उपलब्ध होती हैं। प्रत्येक रोगी के लिए एक व्यक्तिगत पुनर्वास योजना तैयार की जाती है, जिसे विशेषज्ञों की टीम द्वारा निगरानी और कार्यान्वित किया जाता है।

आईपीडी सेवाएँ – वर्षवार आँकड़े:

सेवाएँ (आईपीडी)	2022-23	2023-24	2024-25
मरीजों की संख्या	258	229	260

पुनर्रचनात्मक शल्य चिकित्सा

मरीजों की अंगों की विकृति की रोकथाम/सुधार या कार्यात्मक सुधार के उद्देश्य से प्रमुख एवं लघु शल्य क्रियाएँ की गईं। साथ ही, उपयुक्त ऑर्थोसिस या प्रोस्थेसिस के फिटमेंट को सुगम बनाने हेतु भी ये सर्जिकल हस्तक्षेप किए गए। इन्हें सामान्यत:पुनर्निर्माण शल्य क्रियाएँ कहा जाता है, जिनका उद्देश्य खोई हुई शारीरिक संरचना एवं कार्य को पुन: स्थापित करना होता है। इन सर्जरीज से प्राप्त होने वाले लाभ: गतिशीलता में सुधार जैसे चलना,पकड़ना,बैठना आदि, शारीरिक विकृतियों का सुधार दैनिक कार्यों में आत्मनिर्भरता बढ़ाना दर्द में कमी लाना जोड़ों/मांसपेशियों को आगे की क्षति से बचाना बेहतर ऑर्थोटिक या प्रोस्थेटिक अनुप्रयोग में सहायक होना।

शल्य-क्रिया का स्वरूप	2022-23	2023-24	2024-25
लघु शल्य-क्रिया	1502	1031	932
मुख्य शल्य-क्रिया	139	161	125

नैदानिक सुविधाएँ

संस्थान में आंतरिक (Indoor) एवं बाह्य (Outpatient) दोनों प्रकार के रोगियों के लिए पैथोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल एवं इलेक्ट्रो-डायग्नोस्टिक जांचों की सुविधाएँ उपलब्ध थीं। इन सुविधाओं ने आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सटीक एवं समयबद्ध निदान प्रदान करने में सहायता की, जिससे रोगियों को उपयुक्त उपचार और पुनर्वास सेवाएँ समय पर मिल सकीं।

सेवाओं का स्वरूप	2022-23	2023-24	2024-25
एक्स-रे एक्सपोजर की संख्या	10154	6487	7475
पैथोलॉजिकल परीक्षणों की संख्या	30292	22029	20818
ईएमजी एवं एनसीव्ही	7669	7411	5939

बाह्य रोगी विभाग में रोगी का परीक्षण करते हुये चिकित्सक

एक्स-रे इकाई

शल्य प्रक्रिया

भौतिक चिकित्सा विभाग

यह विभाग मुख्यत: दो प्राथमिक कार्य करता है: स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाना, प्रशिक्षण देना, और आउटडोर और इनडोर के रोगियों को भौतिक चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करना। शोध कार्य भी विभाग के दायरे का एक हिस्सा है, और आवश्यकता के अनुसार आउटरीच तथा अनुसंधान के कार्यो में भी संस्थान के अन्य सदस्यों के साथ सहयोग करता है।

सेवाऐं:

विभाग अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है, जैसे शॉकवेव थेरेपी यूनिट, ईएमजी बायोफीडबैक, आईआर गाइडेड क्रायो-फ्लो यूनिट, माइक्रोवेव डायथर्मी, कॉम्बी थेरेपी, स्कैनिंग लेजर यूनिट, इंटरफेरेंशियल थेरेपी यूनिट (एडवांस्ड इलेकास्ट्रकल स्टिमुलेशन), बैलेंस ट्रेनर यूनिटडॉयनामिक स्टेयर ट्रेनर यूनिट, बॉडीवेट समर्थित ट्रेडमिल इकाई, और अन्य पारंपरिक भौतिक चिकित्सीय उपकरण। विभाग की सेवाएँ निम्नलिखित उप-इकाइयों के माध्यम से प्रदान की जाती हैं:

- **इलेक्ट्रोथेरेपी यूनिट**
- **उन्नत इलेक्ट्रोथेरेपी यूनिट**
- **मस्कोस्केलिटकल भौतिक चिकित्सा इकाई**
- **न्यूरोजीकल भौतिक चिकित्सा इकाई**
- **इनडोर भौतिक चिकित्सा ईकाई**

निम्नलिखित तालिका उन रोगियों की संख्या दर्शाती है जिन्हें इस वर्ष के दौरान भौतिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं:

पंजीकृत रोगियों की संख्या	2022-23	2023-24	2024-25
नए रोगीजन (ओपीडी इंडोर –भौतिक चिकित्सा)	15124	15306	16102
पुराने रोगीजन (ओपीडी इंडोर –भौतिक चिकित्सा)	22105	28980	28001
कुल	**37229**	**44286**	**44103**
यूडीआईडी कार्ड धारक लाभार्थियों की संख्या	-	433	666

इलेक्ट्रोथेरेपी सेवाऐं:

ईएमजी बायोफीडबैक का अनुप्रयोग

शॉक वेव थेरेपी का अनुप्रयोग

एम.डब्ल्यू.डी. का अनुप्रयोग

माइक्रोकरेंट का अनुप्रयोग

लेजर थेरेपी का अनुप्रयोग

इलेक्ट्रीकल स्टीमुलेशन का अनुप्रयोग

पहले के दो वर्ष तथा इस वर्ष के दौरान उप-इकाइयों द्वारा प्रदत्त विस्तृत फिजियोथेरेपी सेवाएँ:

उप इकाइयां	2022-23	2023-24	2024-25
शॉर्ट वेव डायथर्मी	1762	1470	1880
पल्स्ड शॉर्टवेव डायथर्मी	196	746	458
अल्ट्रासाउंड थेरेपी	5857	6272	5740
एन-एम स्टीमुलेशन	610	513	796
संकर्षण	1119	1524	840
इन्फ्रा रेड	81	68	133

उप इकाइयां	2022-23	2023-24	2024-25
क्रायोथेरेपी	62	88	100
लेजर थेरेपी	251	271	334
एडवांस्ड इलेक्ट्रीकल स्टीमुलेशन (आई एफ टीटी एन टी + मल्टीकरेन्ट)	5176	6073	6702
बैलेंस ट्रेनर/वॉबल बोर्ड	975	1675	1541
ट्रेडमील	105	262	290
व्यायाम/मैनुअल थेरेपी	27528	31355	33745
सोल्डर व्हील	794	1036	1100
क्वाड्रिसेप्स टेबल	508	1153	1288
स्थायी पर्रेम	357	911	2729
दीवार की सीढ़ी	1152	2100	1791
डॉयनामिक स्टेयर ट्रेनर	353	684	1049
यू.वी.आर	16	--	10
शॉक वेव थेरेपी	158	288	241
स्टेटीक साइकिल	300	377	1196
जिम बॉल	1873	1755	3154
मॉइस्ट हॉट पैक	244	946	888
एम.डब्ल्यू.डी.	146	99	77
टिल्ट टेबल	101	--	76
मल्टी जिम	777	1141	1272
सोल्डर पुली	450	2179	1973
कलाई के व्यायाम का उपकरण	100	496	282
सी पी एम	10	227	69
ई.एम.जी. बायोफीडबैक	69	959	263
रेसिस्टेंस बैण्ड	--	--	519
पुशअफ बार	--	--	825
कुल	**51130**	**64668**	**71361**

व्यायाम और मैनुअल थेरेपी सेवाएं:

एससीआई तथा अन्य रोगी हेतु मल्टीजीम व्यायाम

हेमिप्लेजी रोगी के लिए संतुलन व्यायाम

प्रोस्थेसिस सहित गेइट प्रशिक्षण

टिल्ट टेबल में मनोवैज्ञानिक रूप से खड़े होने का प्रशिक्षण

एससीआई रोगी की चाल पुनर्शिक्षा

एससीआई रोगी का डीएसटी प्रशिक्षण

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

भौतिक चिकित्सा विभाग के अधीन तीन दीर्घकालिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम जारी है यथा भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर-ऑर्थो, भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर-न्यूरो और भौतिक चिकित्सा में स्नातक क्रमश: दो और साढ़े चार वर्ष की अवधि की है। ये पाठ्यक्रम पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं। स्नातक पाठ्यक्रम साढ़े चार साल की है जिसमें अंतिम छह महीने अनिवार्य इंटर्नशिप की है।

स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश का विवरण:

पाठ्यक्रम का नाम	धारिता संख्या	2022-23	2023-24	2024-25
भौतिक चिकित्सा में स्नातक	57	57	57	57
भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर-ऑर्थो	07	07	06	प्रवेश लम्बित, न्यायालयाधीन है
भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर-न्यूरो	03	03	03	प्रवेश लम्बित, न्यायालयाधीन है

अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियाँ:

- संकाय/कर्मचारी सदस्यों की देखरेख में विभाग की विभिन्न उप-इकाइयों में नैदानिक गतिविधियाँ की गईं।
- स्नातकोत्तर छात्रों और प्रशिक्षुओं ने संस्थान के विभिन्न ऑफलाइन/ऑनलाइन शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।
- पीटी विभाग के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में दस स्नातकोत्तर शोध प्रबंध कार्य आयोजित किए गए और उन्हें पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (डब्ल्यूबीयूएचएस), कोलकाता को प्रस्तुत किया गया :-

1.	चिपकने वाले कैप्सूलाइटिस में दर्द, गति की सीमा और कार्य पर कंधे की गतिशीलता और एकल कंधे की गतिशीलता के साथ सबस्कैपुलरिस के मायोफेशियल रिलीज के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण - दीपाली कुमारी, सौरोव साहा।
2.	यांत्रिक गर्दन दर्द में दर्द, गति की सीमा और कार्य पर मायोफेशियल रिलीज और मांसपेशी ऊर्जा तकनीक की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण - खुशबू साहू, बिभूति सरकार।
3.	घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस में दर्द, क्वाड्रिसेप्स की ताकत और कार्य पर ईएमजी बायोफीडबैक बनाम रूसी करंट की प्रभावकारिता पर तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण - डी. हेमलता, बिभूति सरकार।
4.	घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस में दर्द, प्रोप्रियोसेप्शन, मांसपेशियों की ताकत और कार्य पर खुले और बंद गतिज श्रृंखला अभ्यासों की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
5.	यांत्रिक पीठ के निचले हिस्से में दर्द में दर्द, गति की सीमा और कार्य पर मायोफेशियल रिलीज और मैटलैंड मोबिलाइजेशन की तुलनात्मक प्रभावकारिता।
6.	आसंजक कैप्सूलाइटिस में दर्द, गति की सीमा और कार्य पर स्पंदित लघुतरंग डायथर्मी के साथ कंधे की गतिशीलता और अकेले कंधे की गतिशीलता के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7.	घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में दर्द, गति की सीमा और कार्य पर फोनोफोरेसिस और टेन्स के प्रभाव के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

8.	हेमिप्लेजिया के रोगियों में हाथ के कार्यों पर ईएमजी बायोफीडबैक थेरेपी और संशोधित बाधा प्रेरित आंदोलन थेरेपी की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण - रानू मुखर्जी, सौरोव साहा।
9.	स्ट्रोक के रोगियों में निचले छोरों के कार्यों, संतुलन और चाल पर बोबाथ थेरेपी के साथ ईएमजी बायोफीडबैक थेरेपी और अकेले बोबाथ थेरेपी की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण - संलाप कुंडू, प्रवीण कुमार।
10.	स्पास्टिक डिप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में सकल मोटर फंक्शन, संतुलन और कार्यात्मक गतिशीलता पर न्यूरो-डेवलपमेंटल उपचार और कार्य-उन्मुख प्रशिक्षण के बीच तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण - बिस्मय सेठी, प्रवीण कुमार।

❖ पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता के दिशा-निर्देशों के अनुसार पीटी विभाग के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में नौ स्नातकोत्तर शोध प्रबंध कार्य शुरू हो गए हैं:

1.	घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में दर्द और कार्य पर माइक्रोकरंट और डायडायनामिक करंट की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
2.	अपर ट्रैपेजियस मायोफेशियल पेन सिंड्रोम में दर्द और कार्य पर रेडियल शॉकवेव थेरेपी और ट्रांसक्यूटेनियस इलेकाट्रकल नर्व स्टिमुलेशन की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
3.	घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में दर्द और कार्यात्मक गतिशीलता पर काइनेसियो टेपिंग और शैम टेपिंग की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4.	क्रोनिक लेटरल एपिकॉन्डिलाइटिस वाले विषयों में दर्द, पकड़ की मजबूती और कार्य पर उच्च वोल्टेज स्पंदित गैल्वेनिक उत्तेजना की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5.	क्रोनिक गैर।
6.	एडहेसिव कैप्सूलाइटिस वाले रोगियों में दर्द, गति की सीमा और कार्य पर रेडियल शॉकवेव थेरेपी और अल्ट्रासाउंड थेरेपी की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
7.	लम्बर रेडिकुलोपैथी में दर्द, गति की सीमा और कार्य पर थोरैसिक मोबिलाइजेशन और न्यूरल मोबिलाइजेशन के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
8.	हेमिप्लेजिक कंधे के स्कैपुलर डिस्केनेसिया पर स्कैपुलर प्रोप्रियोसेप्टिव न्यूरोमस्कुलर फैसिलिटेशन और स्कैपुलर स्थिरीकरण अभ्यासों के बीच तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
9.	कार्पल टनल सिंड्रोम वाले रोगी में दर्द, पकड़ की ताकत और कार्य पर लेजर थेरेपी और रेडियल शॉक वेव थेरेपी की प्रभावकारिता के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

भौतिक चिकित्सा(फिजियोथेरेपी) विभाग में स्टाफ सदस्यों द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ :

श्री प्रवीण कुमार, सहायक आचार्य तथा विभागाध्यक्ष, भौतिक चिकित्सा विभाग, श्री सौरव साहा, वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक सह कनिष्ठ प्राद्यापक, श्री बिभूति सरकार, निदर्शक (भौ.चि,) भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर के द्वितीय वर्ष के 5 छात्रों के साथ 19/7/2024 को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित 'बीएलएस प्रशिक्षण कार्यशाला' में शामिल हुए।

श्री प्रवीण कुमार को 18 सितंबर 2024 को एनआईएलडी में दिव्यांगता और पुनर्वास पर सुग्राह्य कार्यक्रम के वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

क) श्री प्रवीण कुमार, सीवीओ (अंशकालिक) और सहायक प्रोफेसर (पीटी) ने 29 अक्टूबर 2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, एमएसजेएंडई, भारत सरकार द्वारा आयोजित निवारक सतर्कता पर ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया।

ख) श्री प्रवीण कुमार, सीवीओ (अंशकालिक) ने 28 अक्टूबर 2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर शपथ ग्रहण का आयोजन किया।

विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर भौतिक चिकित्सा विभाग द्वारा रागदिसं, कोलकाता में 5 से 9 सितंबर 2024 तक विभिन्न कार्यक्रमों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम थी – 'लो बैक पेन' (कमर दर्द)। जागरूकता कार्यक्रमों में एनआईएलडी, कोलकाता में वीडियो प्रदर्शन और वृद्धाश्रम में जागरूकता वार्ता शामिल थी। 5 सितंबर 2024 को स्ट्रीट प्ले, और रील्स, पोस्टर, क्विज जैसी प्रतिस्पर्धात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। 8 सितंबर 2024 को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजयी छात्रों को पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 450 लोगों ने भाग लिया, जिनमें स्टाफ, छात्र और मरीज शामिल थे।

भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता से कुल 13 विद्यार्थियों (3 एमपीटी एवं 10 बीपीटी इंटनस), वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक सह कनिष्ठ प्राध्यपक श्री सौरव साहा एवं भौतिक चिकित्सक सुश्री प्रीति चौधरी के नेतृत्व में, नई दिल्ली स्थित एम्स में 14 व 15 दिसंबर 2024 को आयोजित दसवें अंतर्राष्ट्रीय फिजियोथेरेपी सम्मेलन (10th INCPT) में भाग लिया। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में सभी छात्रों ने पेपर प्रेजेंटेशन, पोस्टर प्रेजेंटेशन, क्विज, निबंध लेखन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। एमपीटी की छात्रा आइडा प्रियांका ने जूनियर श्रेणी में पेपर प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। वहीं, बीपीटी के छात्र प्रसंजित घोष, बनानी दास एवं युक्ता नायक ने क्विज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता की **भौतिक चिकित्सक सुश्री प्रीति चौधरी** ने 14 दिसंबर 2024 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित दसवें अंतर्राष्ट्रीय भौतिक चिकित्सा सम्मेलन (10th INCPT) में **'न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देने में रोबोटिक तकनीक की भूमिका'** विषय पर एक वैज्ञानिक सत्र का सफल संचालन किया।

दिनांक 18 एवं 19 जनवरी 2025 को भौतिक चिकित्सा विभाग द्वारा ए.जी. पी. योजना (AGP एम्पस) के अंतर्गत गहन चिकित्सा इकाई (ICU) में भौतिक चिकित्सा विषय पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भौतिक चिकित्सा क्षेत्र के कुल 75 प्रतिभागियों — जिनमें व्यावसायिक फिजियोथेरेपिस्ट, स्नातकोत्तर छात्र, इंटनस तथा विभाग के प्राध्यापक — ने भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य विशेषज्ञ डॉ. राजीव अग्रवाल, वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक एवं प्रभारी, न्यूरो- भौतिक चिकित्सा इकाई, एम्स, नई दिल्ली, ने आईसीयू सेटअप में प्रयुक्त विभिन्न तकनीकों पर व्याख्यान के साथ-साथ प्रायोगिक प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया। उनके सत्र ने प्रतिभागियों को गहन चिकित्सा इकाई में भौतिक चिकित्सा के व्यावहारिक दृष्टिकोण को समझने में विशेष रूप से सहायक सिद्ध किया।

श्री प्रवीण कुमार, सहायक आचार्य (भौतिक चिकित्सा) को 9 फरवरी 2025 को नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, साल्ट लेक, कोलकाता द्वारा आयोजित विशेष शिक्षकों के लिए ऑनलाइन कार्यक्रम में मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

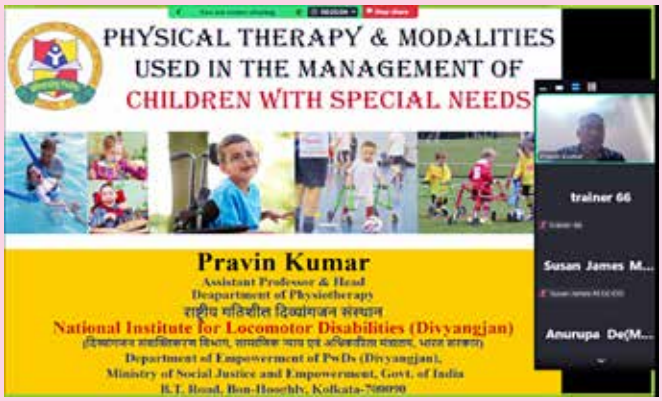

श्री प्रवीण कुमार, सहायक आचार्य (भौतिक चिकित्सा), को 24 से 28 मार्च 2025 तक रागदिसं, कोलकाता द्वारा आरसीआई, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के पुनर्वास से संबंधित उपयुक्त जर्नल का चयन विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता द्वारा 22 और 23 मार्च 2025 को दो दिवसीय हैंड्स-ऑन कार्यशाला ऑन एनडीटी/बोबाथ पद्धति का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति **श्री प्रभात रंजन**, भौतिकि चिकित्सक, एम्स, नई दिल्ली थे। इस कार्यक्रम में कुल **83 प्रतिभागियों** ने भाग लिया, जिनमें बीपीटी एवं एमपीटी छात्र, भौतिक चिकित्सा पेशेवर और संकाय सदस्य शामिल थे। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को एनडीटी/बोबाथ पद्धति की व्यापक समझ और उसके नैदानिक प्रयोग के बारे में जानकारी प्रदान करना था। दो दिवसीय इस हैंड्स-ऑन कार्यशाला में व्याख्यान, प्रदर्शन और व्यावहारिक सत्र शामिल थे, जो प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और अनुभव आधारित बनाते हैं।

- विभाग के सभी कर्मचारी सतर्कता जागरूकता सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय व्हीलचेयर दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस, वार्षिक उत्सव समारोह, सरस्वती पूजा और विश्वकर्मा पूजा समारोह, स्वच्छता पखवाड़ा, स्वतंत्रता दिवस, हिंदी दिवस, संविधान दिवस, सीईटी-2024 प्रचार गतिविधि आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के समन्वय और आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल थे। कर्मचारी संस्थान के विभिन्न समिति सदस्यों के रूप में भी कार्य करते हैं/कर रहे हैं जैसे सांस्कृतिक समिति, मेडिकल टाई-अप समिति, फ्रेशर्स का स्वागत और विदाई समिति, खेल समिति, कैंटीन समिति, कर्मचारी मनोरंजन समिति, छात्रावास और पीटी विभाग की निराकरण समिति, छात्रावास की सफाई समिति, सुरक्षा समिति और विभिन्न भर्ती के लिए स्क्रीनिंग समिति।

शोध प्रकाशन:

1 मंडल एस, साहा एस. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में क्यू कोण और कूल्हे के मांसपेशियों की ताकत के बीच सहसंबंध। फिजिकल थेरेपी संकाय का बुलेटिन 2024;29:63(2024)।

2 डोस्टाइडर एसजी, साहा एस. प्लांटर फेशिआइटिस के रोगियों में पैर के दर्द पर और सुबह के समय काइनेसियो टेपिंग की प्रभावशीलता पर एक पायलट अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी ट्रेंड्स 2024;6(12):41-43।

3 मंडल आर, साहा एस. लम्बर रेडिकुलोपैथी में हाइड्रोथेरेपी की प्रभावशीलता: एक साहित्य समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज 2025;12(2):790-806।

4 नाथ पी, कुमार पी, मुखर्जी आर. सेकेंडरी लिम्फेडेमा में काइनेसियो टेप-तथ्य या मिथक? एक केस स्टडी। बायोमेड जे साइंस एंड टेक रिसर्च 58(5)-2024। बीजेएसटीआर। MS.ID.009217. डीओआई- 10.26717/बीजेएसटीआर.2024.58.009217

5 नाथ पी, रॉय बी, पाणिग्रही एसएस, इस्लाम के, बसाक ए.के. न्यूरोरिहैबिलिटेशन में सुधार के लिए भौतिक चिकित्सा हस्तक्षेप और न्यूरोमॉड्यूलेशन तकनीकों में हालिया रुझान। सीएनएस न्यूरोल डिसऑर्डर ड्रग टारगेट। 2025 फरवरी 11. doi: 10.2174/0118715273341882250114054733

6 नाथ पी, रॉय बी, पाणिग्रही एसएस, इस्लाम के, बसाक ए.के. न्यूरोरिहैबिलिटेशन में सुधार के लिए भौतिक चिकित्सा हस्तक्षेप और न्यूरोमॉड्यूलेशन तकनीकों में हालिया रुझान। सीएनएस न्यूरोल डिसऑर्डर ड्रग टारगेट। 2025 फरवरी 11. doi: 10.2174/0118715273341882250114054733

7 रॉय बी, नाथ पी, सुर एम. एप्ली के पैंतरेबाजी में प्रगति और विचार: सौम्य पैरॉक्सिस्मल पोजशिनल वर्टिगो के प्रबंधन के लिए एक अद्यतन समीक्षा। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ ओटोलरींगोलॉजी रिसर्च, 2024;6(1):27-33. DOI: 10.33545/26648733.2024.v6.i1a.54

8 रॉय बी, सुर एम और नाथ पी, कावथ्रोन कुकसी व्यायाम और इसके नैदानिक निहितार्थ: एक अद्यतन वर्णनात्मक समीक्षा। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ ओटोलरींगोलॉजी रिसर्च, 2024;6(1):10-17. DOI: 10.33545/26646455.2024.v6.i1a.36

9 रॉय बी, सुर एम, नाथ पी, देब रॉय एस, सिंघा पी और भट्टाचार्य के. न्यूरोप्लास्टिसिटी और वेस्टिबुलर पुनर्वास पर इसके प्रभाव: एक विस्तृत समीक्षा। अंतर्राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक जर्नल। फिजियोथेरेपिस्ट। 2024;6(1):05-10. DOI: 10.33545/26648989.2024.v6.i1a.18

10 पटेल एल, सुब्रमण्यम एसएस, चेरियन एसबी, ओरांव एके, बेहरा एमके. लम्बर स्पोंडिलोसिस में मांसपेशियों की गतिविधि, गति की सीमा और कार्य पर 4 सप्ताह के कोर स्थिरीकरण व्यायाम का प्रभाव। फजिोथेरेपी पोल्स्का, 2024 नवंबर 1(5)।

छात्रों की अन्य गतिविधियाँ:

एमपीटी (न्यूरोलॉजी) के तीन विद्यार्थियों ने 24 फरवरी 2025 को अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान द्वारा आयोजित ऑटिज्म की न्यूरोलॉजी पर एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।

भौतिकि चिकित्सा (बीपीटी/एमपीटी) के छात्रों ने 22 और 23 फरवरी 2025 को हावड़ा में आयोजित क्रिकेट लीग (पीसीएल-2025) में भाग लिया, जिसका आयोजन इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट्स (आईएपी), पश्चिम बंगाल शाखा द्वारा किया गया था। इस टूर्नामेंट में पश्चिम बंगाल के विभिन्न भौतिक चिकित्सा कॉलेजों और पेशेवरों की कुल बारह टीमों ने भाग लिया।

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग

व्यावसायिक चिकित्सा (Occupational Therapy) विभाग बहुआयामी भूमिका निभाता है, जो मुख्य रूप से शिक्षण, शोध और व्यावसायिक उपचार सेवाएँ प्रदान करने पर केंद्रित है। ये सेवाएँ बाह्य रोगी विभाग (OPD), आंतरिक रोगी विभाग (IPD) और आउटरीच शिविरों में आने वाले व्यक्तियों को प्रदान की जाती हैं, विशेष रूप से दिव्यांगजन (PWDs) पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

विभाग का कार्यक्षेत्र इनडोर, आउटडोर और आउटरीच सेवाओं के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले उपचारात्मक हस्तक्षेपों शामिल है। इसके अतिरिक्त, विभाग अपने छात्रों के साथ-साथ अन्य विभागों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों को भी शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह विभाग शोध के कार्यों में भी भरपुर योगदान देती हैं।

व्यावसायिक विभाग सक्रिय रूप से अपने रोगियों के कल्याण और उनके पुनर्वास योगदान देता है, छात्रों को उनके पेशेवर जीवन के लिए तैयार करता है, इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए शोध में संलग्न रहता है और अपने व्यापक मिशन को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करता है।

व्यावसायिक उपचार विभाग में पंजीकृत रोगीजनों की संख्या

विवरण	2022- 2023	2023-2024	2024-2025
नए रोगीजन	3166	2318	4967
अनुवर्ती रोगीजन	16532	20674	22957
कुल	19698	22992	27924

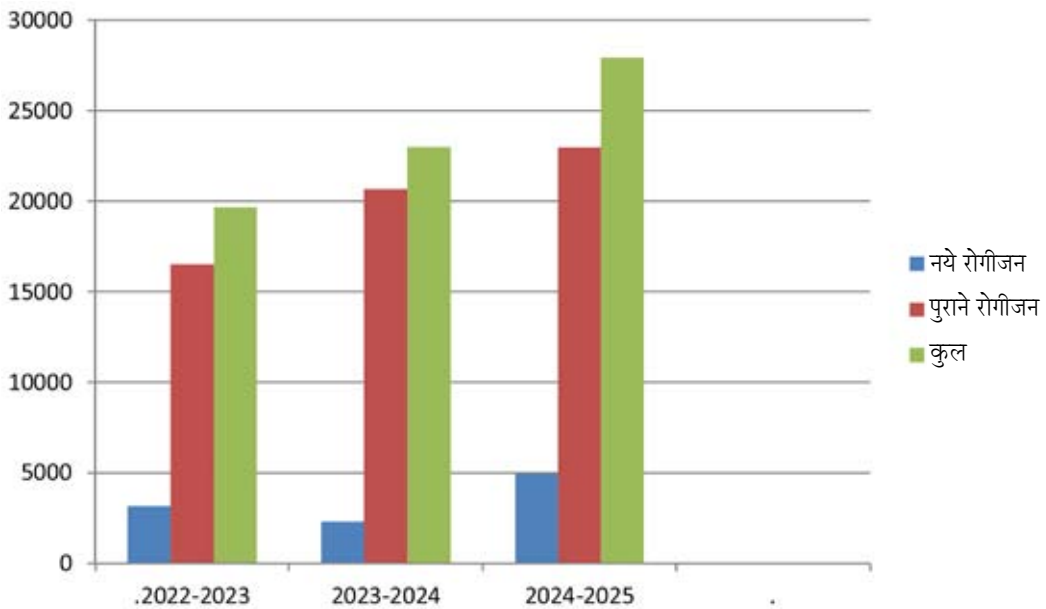

दिव्यांगजन (PwDs) के दैनिक जीवन की गतिविधियों (ADL) में कार्यात्मक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए मूल्यांकन और व्यावसायिक उपचार हेतु एक व्यक्तिगत और अनुकूलित दृष्टिकोण अपनाया गया। विभाग में मौजूद आधुनिक उपकरणों की मदद से कार्य मूल्यांकन, कार्यस्थल में संशोधन, दक्षता बढ़ाने और औद्योगिक क्षेत्र में कार्य-दिवसों की हानि को न्यून करने के लिए योजनाओं को कारगर रूप से कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रोगीजनों के अनुकूलन एवं सहायक उपकरणों का डिजाइन और उसके विकास के कार्यों में यह विभाग संलग्न है।

वर्ष के दौरान दिव्यांग रोगियों को सेवाएँ प्रदान करने के अलावा, विभाग ने चिकित्सकों के लिए दीर्घ एवं अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, रिफ्रेशर कोर्स और अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से मानव संसाधन विकास में भी योगदान दिया।

विभाग की गतिविधियाँ निम्नलिखित उप-इकाइयों के माध्यम से विस्तारित की गईं :

- सामान्य व्यावसायिक उपचार इकाई
- बाल व्यावसायिक उपचार इकाई
- संवेदी एकीकरण चिकित्सा इकाई
- एडीएल प्रशिक्षण इकाई

- साप्लंट और सहायक उपकरण
- हाथ चिकित्सा इकाई
- मनोरोग इकाई
- जेरियाट्रिक (वृद्धजन) इकाई
- ईएमजी बायो-फीडबैक इकाई
- इनडोर ओटी सेवाएँ
- हाथ मूल्यांकन
- सम्पूर्ण शरीर वाइब्रेटर
- बीटीई

कायिक वाइब्रेटर

कार्य सिम्युलेटर - बीटीई

ईएमजी बायो फीड बैक प्रशिक्षण

संवेदी एकीकरण इकाई

जनरल ओटी विभाग - फ्रेट सॉ साइक्लिंग

एडीएल प्रशिक्षण – फीडिंग सिमुलेशन

ईकाई वार व्यावसायिक चिकित्सीय सेवाऐं	वर्ष		
	2022-2023	2023-2024	2024-2025
गतिविधि थेरेपी (सामान्य और हाथ)	9452	15,362	14,965
बाल चिकित्सा व्यावसायिक थेरेपी (एनडीटी और एसआई)।	6193	6144	6,553
दैनिक जीवन की गतिविधियों में प्रशिक्षण	3552	5136	6,615
हाथ के साप्लंट/सहायक उपकरण	124	102	52
विशेषीकृत हाथ प्रशिक्षण	33	39	67

ईकाई वार व्यावसायिक चिकित्सीय सेवाऐं	वर्ष		
	2022-2023	2023-2024	2024-2025
मैनुअल तिपहिया कौशल प्रशिक्षण	307	90	489
सामूहिक चिकित्सा	250	68	371
मनोरंजक चिकित्सा	218	68	75
इनडोर के लिए बेडसाइड थेरेपी (आरएसयू, केबिन और एससीआई वार्ड)	3819	2662	276
बायोफीडबैक प्रशिक्षण	67	373	769
संवेदी एकीकरण थेरेपी	4368	6512	8755
संपूर्ण शारीरिक कंपन प्रशिक्षण	51	20	53
हाथ से काम करने का प्रशिक्षण	479	368	638
बाल्टीमोर चिकित्सीय उपकरण	1231	2133	1880
वयोवृद्ध चिकित्सा इकाई	762	799	918
मनोरोग इकाई	202	733	1850
कुल	**31111**	**40609**	**44,326**

शैक्षणिक गतिविधियाँ : विभाग दो दीर्घकालिक शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है: व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (ऑर्थोपेडिक) तथा व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक (BOT)। स्नातकोत्तर (ऑर्थो) पाठय कार्यक्रम दो वर्षों की अवधि का है, जबकि स्नातक पाठ्यक्रम चार वर्ष छह माह का है। दोनों पाठ्यक्रम वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज से संबद्ध हैं।

व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक कार्यक्रम चार वर्ष का पाठ्यक्रम तथा उसके पश्चात छह माह की अनिवार्य इंटर्नशिप शामिल है। पिछले शैक्षणिक सत्र में, विभाग ने व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक (BOT) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में कुल 47 छात्रों को प्रवेश दिया, जिनमें पूर्वोत्तर क्षेत्र से भी छात्र सम्मिलित थे। वर्तमान में व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (ऑर्थोपेडिक) (MOT-Ortho) हेतु प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

ये शैक्षणिक कार्यक्रम विभाग की उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इसका उद्देश्य ऐसे कुशल पेशेवरों का विकास करना है, जो ऑक्युपेशनल थेरेपी सेवाओं की आवश्यकता वाले व्यक्तियों के कल्याण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकें।

व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक तथा स्नातकोत्तर में प्रवेश का विवरण:

पाठ्यक्रम	अन्तर्गहण			दाखिला प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या		
	2022	2023	2024	2022	2023	2024
व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक	56	56	56	56	54	56
व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर	07	07	07	07	07	------

अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियाँ:

- विभाग की विभिन्न उप-इकाइयों में संकाय/कर्मचारियों की देखरेख में नैदानिक और शैक्षणिक गतिविधियाँ संपन्न हुईं।
- स्नातकोत्तर छात्र और इंटर्न ने संस्थान के विभिन्न अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।
- व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकइंटर्न को नीपिड, अयजनिशद (क्षेके) कोलकाता, सीआरसीपटना, त्रिपुरा और सिक्किम, सवीएनआईआरटीएआर कटक में रोटेशनल इंटर्नशिप के तहत भेजा गया।

स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में पूर्ण किए गए शोध कार्य

1. स्ट्रोक से प्रभावित व्यक्तियों में हाथ की कार्यक्षमता एवं दैनिक जीवन की गतिविधियों पर इएमजी-बायोफीडबैक प्रशिक्षण का प्रभाव।
   लेखक – देबोलिना सरकार, श्रीमती ईवा स्नेलता कुजुर, श्रीमती दमयंती सेठी

2. एडहेसिव कैप्सुलाइटिस से पीड़त रोगियों में दर्द एवं कंधे की गति सीमा पर वर्क सिम्युलेटर द्वारा इसोकाइनेटिक मूवमेंट पैटर्न के प्रभाव।
   लेखक – स्मृति सुहागिनी लेंका, श्रीमती रूपाली सेन (बिस्वास), श्रीमती श्रेया बिस्वास
3. हेमिप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी में हाथ की कार्यक्षमता एवं दैनिक जीवन की गतिविधियों पर कोन्संट्रेन्ट इनड्यूस मूवमेंट थेरेपी तथा इलेक्ट्रोमायोग्राफिक बायोफिडबैक ट्रेनिंग के प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।
   लेखक – देबिकृष्ण पाल, श्री जीतेंद्र मोहापात्रा, श्रीमती दमयंती सेठी
4. लेटरल एपिकॉन्डिलाइटिस से पीड़त रोगियों में दर्द, पकड़ की शक्ति एवं हाथ की कार्यक्षमता पर क्रायोथेरेपी का प्रभाव।
   लेखक – वैष्णवी, श्रीमती रूपाली सेन (बिस्वास), श्रीमती श्रेया बिस्वास
5. क्रोनिक रुमेटॉइड आर्थराइटिस से पीड़त रोगियों में हाथ के दर्द, जोड़ों की जकड़न एवं पकड़ की शक्ति पर थेरेपी ग्लव्स के साथ एवं बिना वाइब्रेशन थेरेपी की प्रभावकारिता।
   लेखक – नितिन प्रधान, श्री जीतेंद्र महापात्रा, श्रीमती दमयंती सेठी
6. स्ट्रोक से प्रभावित रोगियों में संतुलन एवं दैनिक जीवन की गतिविधियों पर डुअल टास्क प्रशिक्षण का प्रभाव।
   लेखक – सुभाष्री परिडा, श्रीमती ईवा स्नेलता कुजुर, श्रीमती श्रेया बिस्वास
7. स्ट्रोक से प्रभावित व्यक्तियों में निचले अंगों की मोटर फंक्शन, गतिशीलता एवं जीवन की गुणवत्ता पर इएमजी-बायोफीडबैक एवं साइक्लिंग प्रशिक्षण का संयुक्त प्रभाव।
   लेखक – प्रियब्रत लेंका, श्री जीतेंद्र महापात्रा, श्रीमती दमयंती सेठी

एम ओटी छात्रों द्वारा डब्ल्यूबीयूएचएस (बैच 2022-24) में प्रस्तुत शोध कार्य

चल रहे शोध कार्य:

1. प्रगतिशील मांसपेशी शिथिलीकरण को बैक स्कूल प्रोग्राम के साथ मिलाकर स्वास्थ्यकर्मियों में पुरानी गैर-विशिष्ट कमर दर्द के मामलों में दर्द, तनाव और कार्यात्मक अक्षमता पर प्रभाव।
2. स्ट्रोक के बादकॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोममेंग्रेडेड मोटर इमेजरी का प्रभाव।
3. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले रोगियों में गिरने की रोकथाम, संतुलन और जीवन की गुणवत्ता पर वर्क सिम्युलेटर का उपयोग करते हुए इसोकिनेटिक प्रशिक्षण की प्रभावशीलता।
4. अधूरी रीढ़ की हड्डी की चोट वाले व्यक्तियों में क्वाड्रिसेप्स फेमोरिसकी मोटर कार्यक्षमता और दैनिक जीवन की गतिविधियों में सुधार पर इलेक्ट्रोमायोग्राफी बायोफीडबैक का प्रभाव।
5. पुरानी गैर-विशिष्ट कमर दर्द वाले व्यक्तियों में कार्यात्मक अक्षमता और चलने की क्षमता परवर्क सिम्युलेटर का प्रभाव।
6. हेमीप्लेजिक स्ट्रोक में टखने कीकंटिन्यूस पैसेसिव मोशनका निचले अंग की मोटर कार्यक्षमता, संतुलन और चलने की क्षमता पर प्रभाव।

एम ओ टी छात्रों द्वारा जारी शोध कार्य (बैच 2023-25)

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग के संकाय सदस्यों की गतिविधियाँ

श्री जीतेन्द्र महापात्रा, प्राध्यापक (व्या.चि.) ने 07/02/25 को थर्मोप्लास्टिक साप्लंटिंग कार्यशाला का आयोजन किया और जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें 19 डॉक्टरेट छात्र और व्यावसायिक चिकित्सा महाविद्यालय के दो संकाय शामिल थे, जिन्होंने 17 और 18 मार्च 2025 को एनआईएलडी, कोलकाता का दौरा किया।

डॉ. सोवन साहा द्वारा इंटरैक्टिव व्याख्यान सत्र

छात्रों के मध्य इंटरेक्टिव सत्र

जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्र एवं संकाय सदस्य

छात्रों के बीच अंत: क्रियात्मक सत्र

श्रीमती दमयंती सेठी, व्यावसायिक चिकित्सक एवं संयोजक – फ्रेशर्स वेलकम 2024 (18.12.2024)

नवीन बैच

16.08.2024 से 22.08.2024 तक दिव्य कला दिव्य मेला में सहभागिता।

24.08.2024 को पश्चिम बंगाल के करीमपुर में एन.जी.ओ. भ्रमण में सहभागिता।

शोध प्रकाशन :

1. जितेंद्र महापात्रा, अमिताभ द्विवेदी – भारत में स्कूल में पढ़ रहे दिव्यांग छात्रों पर आईसीएफ का अनुप्रयोग। आईजेएफएमआर, मार्च-अप्रैल 2024, वॉल्यूम 6(2)।
2. दमयंती सेठी, साहू एस., साहू एस.के., मोहाकुद के. – स्ट्रोक के बाद रोगियों में ऊपरी अंग की रिकवरी पर मूवमेंट-आधारित प्राइमिंग और टास्क-स्पेसिफिक प्रशिक्षण का प्रभाव। जर्नल ऑफ एसोसिएटेड मेडिकल साइंसेज, 2024, वॉल्यूम 57(1): 77-86। DOI:10.12982/JAMS.2024.00 (SCOPUS INDEXED)।
3. दमयंती सेठी, साहू एस., साहू एस.के., साहू ए.के. – स्ट्रोक के बाद ऊपरी अंग की रिकवरी, गतिविधि और भागीदारी पर टास्क-स्पेसिफिक प्रशिक्षण और शक्ति प्रशिक्षण के संयुक्त प्रभाव की प्रभावशीलता – एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्कोप, 5(3): 1058-1074। DOI:10.47857/irjms.2024.v05i03.0896 (SCOPUS INDEXED)।
4. श्रेया बिस्वास – स्ट्रोक से बचे रोगियों में दैनिक जीवन की वाद्य गतिविधियों पर न्यूरोफंक्शनल दृष्टिकोण का प्रभाव। घ्व्इशें, जुलाई-अगस्त 2024, वॉल्यूम 6(4)।

प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग

प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग, शारीरिक पुनर्वास की एक विशेष शाखा है जो दिव्यांगजनों को प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स तथा सहायक तकनीकों से संबंधित विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है। इसमें मुख्य रूप से मानव संसाधन विकास शामिल है, जो दिव्यांगजनों को प्रत्यक्ष सेवाओं के साथ-साथ दीर्घकालिक और अल्पकालिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अंतर्गत संस्थागत सेवाओं और एडिप योजना दि.स.वि. सा.न्या. अ.मं. भारत सरकार के अंतर्गत सुदूरवर्ती सेवा ईकाई सेवाओं के माध्यम से अनुकूलित सहायक उपकरण और अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए जाते हैं। प्रत्यक्ष सेवाओं में विस्तृत शारीरिक मूल्यांकन, आंतरिक और बाह्य रोगी सेवाओं के माध्यम से अनुकूलित प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक उपकरणों का फिटमेंट और उनके अनुवर्ती उपचार शामिल हैं।

वार्षिक वर्ष 2022-23 में सेवाओं का विवरण निम्नलिखित है, जिसमें विभिन्न प्रोस्थेसिस/ऑर्थोसिस/मोबिलिटी एड्स की प्रत्यक्ष रोगी सेवाओं के साथ-साथ उनके रखरखाव और शैक्षणिक-प्रशिक्षण सेवाएं सहित स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम और अन्य अल्पकालिक कार्यक्रम शामिल हैं।

1. प्रत्यक्ष सेवा गतिविधि:

विभाग प्रत्यक्ष रोगी देखभाल और सेवाओं के लिए सुसज्जित है, जिसमें नए उपकरण के माप से लेकर उसकी अंतिम डिलीवरी तक की विभिन्न संरचनाएँ शामिल हैं। विभाग में उन्नत मशीनें उपलब्ध हैं जैसे ग्राइंडिंग राउटर और डस्ट कलेक्टर, इन्फ्रारेड हॉट एयर थर्मोप्लास्टिक ओवन, कम तापमान वाला थर्मोप्लास्टिक हॉट वाटर पैन, आयातित राउटर-सह-डस्ट कलेक्टर, डस्ट कलेक्टर के साथ ग्राइंडिंग मशीन, एडजस्टेबल ड्रिलिंग मशीन, शियरिंग बेल्ट ग्राइंडर, एयर कंप्रेसर मशीन और छात्रों के व्यक्तिगत उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार के हैंड टूल्स। मशीनों और उपकरणों का रखरखाव विभिन्न अनुबंध सेवाओं के तहत किया जाता है ताकि समय-समय पर मरम्मत/किसी भी आवश्यक पी एंड ओ सहायक उपकरण और उपकरणों के पुर्जे बदले जा सकें।

क. प्रत्यक्ष रोगी देखभाल सेवाएँ :

दर्ज रोगियों की संख्या	2022-2023	2023-2024	2024-2025
नए रोगी	3327	3137	4243
अनुवर्ती रोगी	2862	2437	2820
कुल रोगी	**6189**	**5560**	**7063**

ख. वर्ष के दौरान सेवा

उपकरण वार कृत्रिम अंग	2024-2025
लोअर एकस्ट्रीमीटी आर्थोसिस	2151
लोअर एकस्ट्रीमीटी प्रोस्थेसिस	188
अपर एकस्ट्रीमीटी आर्थोसिस	253
अपर एकस्ट्रीमीटी प्रोस्थेसिस	44
स्पाइनल आर्थोसिस	294
सर्जिकल पादुका	1233
कुल कृअंप्र उपकरणों की सुपुदर्गी	**3939**
गतिशील सहायक उपकरण	79
सहायक उपकरणों की मरम्मत	209
लाभार्थियों द्वारा प्राप्त पी एंड ओ कुल सेवाएँ	**4218**
एमपीओ अनुभाग में विस्तृत मूल्यांकन की कुल संख्या	**533**

ग. वर्ष के दौरान लाभान्वितों की संख्या

उपकरणों की सुपुर्दगी	2020-2021	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025
एडिप के अधीन	247	474	671	1281	1100
भुगतान के अधीन	629	1256	1671	2877	3118
कुल	**876**	**1730**	**2342**	**4158**	**4218**

घ. रोगी फिटमेंट से संबंधित उपशीर्षक सहित चित्र, जो विभागीय माध्यम से प्रत्यक्ष रोगी सेवाओं को दर्शाते हैं।

चित्र 1: संक्रमण के कारण पीछे के फाइबुलर झुकाव के साथ बाईं ओर टिबियल कमी का रोगी,

चित्र 2: फिट किए गए प्रोस्थेसिस का सामने का दृश्य

चित्र 3: फिट किए गए प्रोस्थेसिस का सगिटल प्लेन दृश्य

चित्र 6: आठ तरफा जन्मजात समीपस्थ ऊरु फोकल कमी का मामला;
चित्र 7 और 8: एक्सटेंशन प्रोस्थेसिस वाला बच्चा

चित्र 18 और 19: गंभीर रूप से संकुचित घुटने के जोड़ वाले बच्चे में लगाया गया एक्सटेंशन प्रोस्थेसिस

2. शैक्षिक प्रशिक्षण सेवाऐं:

विभाग प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम संचालित कर रहा है, जो भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त हैं तथा पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विश्वविद्यालय (WBUHS) से संबद्ध हैं। इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र में मानव संसाधन विकास हेतु विभाग विभिन्न संकायों के माध्यम से लघु पाठ्यक्रम / सतत पुनर्वास शिक्षा भी संचालित करता है। छात्रों को RCI में पंजीकृत प्रशिक्षित प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट पेशेवरों की निगरानी में विभिन्न प्रकार के कृत्रिम अंग प्रत्यंग उपकरणों को विकसित करने और उनमें सुधार करने के विशेष कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सभी सैद्धांतिक कक्षाएँ नए शैक्षणिक भवन में आयोजित की जाती हैं, जो आईसीटी उपकरणों से सुसज्जित है, जबकि व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण विभागीय देखरेख में पुराने भवन में प्रदान किया जाता है।

क. दीर्घकालिक पाठ्यक्रम:

i. प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (बीपीओ) में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम साढ़े चार साल का डिग्री पाठ्यक्रम है, जिसमें सत्र 2022-23 में 25 छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा है और सत्र 2023-24 से बढ़कर 50 हो गयी है। बीपीओ पाठ्यक्रम व्यावसायिक क्षेत्र की वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा, इंजीनियरिंग और सामाजिक विज्ञान का उपयुक्त मिश्रण है। दिव्यांगजन सेवाओं में सुधार के लिए प्रत्येक छात्र को अपने चौथे वर्ष में नवीन विचार से संबंधित एक मॉडल के साथ एक परियोजना प्रस्तुत करनी होती है।

ii. प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (एमपीओ) में स्नातकोत्तर डिग्री दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है, जिसमें प्रति वर्ष सात छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। प्रत्येक स्नातकोत्तर डिग्री छात्र को अपनी रुचि के क्षेत्र, जैसे दिव्यांगजन सेवाओं से संबंधित स्वास्थ्य सेवा/प्रौद्योगिकी, में थीसिस प्रस्तुत करनी होती है।

पाठ्यक्रम	वर्ष 2024-25 सत्र से अंतग्रहण	कुल भर्ती			उत्तीर्ण हो चुके विद्यार्थी		
		2022-23	2023-24	2024-25	2022-23	2023-24	2024-25
कृ.अं.प्र. में स्नातक	47	20	43	42	26	27	22
कृ.अं.प्र. में स्नातकोत्तर	**07**	**07**	**04**	**00**	**00**	**06**	**00**

❖ निम्नलिखित एमपीओ छात्रों की विस्तृत सूची है (बैच के विवरण, उनके थीसिस विषय और उनके गाइड/सह-गाइड के साथ) जिन्होंने वर्ष 2024-25 के दौरान अपनी डिग्री की पूर्ति के लिए डब्ल्यूबीयूएचएस विश्वविद्यालय में सफलतापूर्वक अपनी थीसिस जमा कर दी है:

क्रमांक	छात्र का नाम	विषय	मार्गदर्शक	सह मार्गदर्शक
1.	पापरी घोष (एमपीओ 2022-24)	डी-क्वेरवेन टेनोसिनोवाइटिस से पीड़त व्यक्ति में दर्द, एपीएल की मांसपेशी सक्रियण प्रोफाइल और पिंच स्ट्रेंथ पर थंब स्पाइका के उपयोग की अवधि का प्रभाव	श्री आर्त्तत्राण पात्र	सुश्री साईप्रभा मिश्रा
2.	लिली बिस्वास (एमपीओ 2022-24)	मैनुअल व्हीलचेयर का उपयोग करने वाले स्पाइनल कॉर्ड इंजरी वाले व्यक्ति में व्हीलचेयर के प्रणोदन और ऊर्जा व्यय पर सिस्टम झुकाव और सीट से बैकरेस्ट कोण का प्रभाव	डॉ. पी.के.लेन्का	श्री अभिषेक त्रिपाठी
3.	देवब्रत (एमपीओ 2022-24)	गैर-विशिष्ट क्रोनिक लो बैक पेन वाले व्यक्ति में आसन स्थिरता और जीवन की गुणवत्ता पर लम्बो-सैक्रल कोर्सेट और संशोधित पोस्टुरल परिधान के बीच तुलना	श्री आर्त्तत्राण पात्र	श्री आरिफ हसन रैहान
4.	सुश्री सुचित्रा मोहन्ती (एमपीओ 2022-24)	एंडोस्केलेटन ट्रांसटिबियल प्रोस्थेसिस का उपयोग करने वाले एकतरफा ट्रांसटिबियल एम्प्यूटी वाले व्यक्ति में ऊर्जा व्यय और टेम्परो-स्पैटिकल चाल मापदंडों पर स्लीव सस्पेंशन और कफ सस्पेंशन के बीच तुलना	श्री आर्त्तत्राण पात्र	श्री प्रकाश साहू
5.	ऋतु प्रज्ञा (एमपीओ 2022-24)	स्ट्रोक के बाद हेमिप्लेजिया से पीड़त व्यक्ति में सॉलिड एंकल फुट ऑर्थोसिस का उपयोग करके जीआरएफ और टिबियलिस एंटीरियर के सक्रियण प्रोफाइल पर एसवीए ट्यूनिंग का प्रभाव	डॉ.पी.के.लेन्का	श्री धुति एस दास
6.	सोमसुभ्रा समद्दर (एमपीओ 2022-24)	हॉलक्स वाल्गस कोण, पोस्टुरल स्वे और एफएएएम इंडेक्स पर स्थिर और गतिशील साप्लंटिंग का प्रभाव हॉलक्स-वाल्गस - एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. पी.के.लेन्का	सुश्री पॉली घोष

❖ एमपीओ कर रहे छात्रों को अपनी डिग्री प्राप्त करने के लिए डब्ल्यूबीयूएचएस, कोलकाता में विभिन्न नैदानिक-आधारित प्रायोगिक अनुसंधान पर शोध-प्रबंध प्रस्तुत करना आवश्यक है। वर्ष 2024-25 के दौरान सफलतापूर्वक अपना सारांश प्रस्तुत करने वाले एमपीओ शोध-विषयों, एमपीओ छात्रों के नाम/बैच और उनके मार्गदर्शक/सह-मार्गदर्शकों की विस्तृत सूची निम्नलिखित है:

क्र. सं.	थीसिस का विषय	छात्र लेखक	मार्गदर्शक और सह मार्गदर्शक
1.	एंडोस्केलेटल ट्रांसटिबियल प्रोस्थेसिस का उपयोग करते हुए एकतरफा ट्रांसटिबियल एम्प्यूटी वाले रोगियों में संतुलन और टेम्पोरोस्पेशियल चाल मापदंडों पर SACH पैर और एकल अक्ष पैर के बीच तुलनात्मक अध्ययन।	सायन बेड़ा	• डॉ. पी.के.लेन्का • श्री प्रकाश साहु
2.	किशोरावस्था में अज्ञातहेतुक स्कोलियोसिस से पीड़त रोगियों में वक्र सुधार, जीवन की गुणवत्ता और आसन संबंधी झुकाव पर अग्र उद्घाटन और पश्च उद्घाटन मोल्डेड टीएलएसओ के बीच तुलनात्मक अध्ययन।	प्रत्यय डे	• श्री आर्त्तत्राण पात्र • श्री हसन मो. रेहान
3.	कैल्केनियल स्पर के लिए सिलिकॉन हील पैड और उत्खनित एड़ी की प्रभावशीलता की तुलना।	दृष्टि जवानपुरिया	• डॉ. पी.के.लेन्का • डॉ. अमीद इकबाल
4.	मध्य कम्पार्टमेंट घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस में आसन संबंधी झुकाव और प्लांटर दबाव वितरण पर घुटने के ब्रेस और पाशव वेज इनसोल के प्रभाव: एक तुलनात्मक अध्ययन।	पंकज कुमार	• श्री आर्त्तत्राण पात्र • श्रीमती पोली घोष

लघु अवधि के पाठ्यक्रम/सीआरई कार्यक्रम: वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सात सीआरई/वेबिनार/सेमिनार आयोजित किए गए।

1. एनआईएलडी, कोलकाता के प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग ने 1 सितंबर, 2025 को 3डी प्रिंटेड सॉकेट टेक्नोलॉजी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया है।

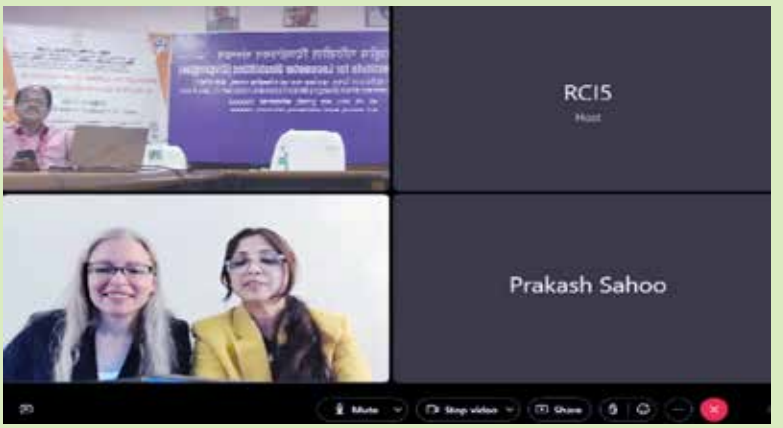

2. 19 अक्टूबर 2024 को ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर में नवीनतम हस्तक्षेप विषय पर एक CRE वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें दो अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने भाग लिया और कुल 184 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम एनआईएलडी, कोलकाता के प्रॉस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग द्वारा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया।

3. 25 अक्टूबर 2024 को **मीडिया और संस्कृति में बौनेपन की भूमिका** विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय ड्वार्फज्मि अवेयरनेस डे-2024 के अवसर पर एनआईएलडी, कोलकाता के प्रॉस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग द्वारा ऑनलाइन आयोजित किया गया।

4. 5 नवंबर 2024 को प्रॉस्थेसिस, ऑर्थोसिस और सहायक उपकरणों के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 108 प्रतिभागियों ने भाग लिया और यह अंतरराष्ट्रीय प्रॉस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स डे-2025 के अवसर पर एनआईएलडी, कोलकाता के प्रॉस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

5. 21 और 22 नवंबर 2024 को ट्रांस-फेमोरल प्रॉस्थेसिस के लिए सॉकेट तकनीक में नवीनतम प्रगति विषय पर दो दिवसीय आरसीआई मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय स्तर का सीआरई आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसका आयोजन एनआईएलडी, कोलकाता के प्रॉस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग द्वारा किया गया।

6. एनआईएलडी, कोलकाता के प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग ने 09 10 जनवरी को ट्रांसटिबियल प्रोस्थेसिस में डायरेक्ट सॉकेट सिस्टम पर दो दिवसीय आरसीआई मान्यता प्राप्त सीआरई का आयोजन किया है।

7. 1 मार्च 2025 को व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए खेल और मनोरंजन के साथ व्हीलचेयर तकनीक में नवाचार विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 190 प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसे एनआईएलडी, कोलकाता के प्रॉस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

ख. विभागीय उपलब्धियाँ और गतिविधियाँ:

1. श्री आर्त्तत्राण पात्र, श्री धुति सुंदर दास, श्री प्रकाश साहू और सुश्री पोली घोष ने 21-22 मई 2024 को एलिम्को, कानपुर में आयोजित सहायक प्रौद्योगिकी और एलिम्को उत्पादन प्रक्रिया के आधुनिकीकरण पर दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

2. डॉ. प्रसन्न कुमार लेंका, श्री आर्त्तत्राण पात्र, सुश्री साई प्रभा मिश्रा, श्री धुति सुंदर दास, सुश्री पोली घोष, श्री प्रकाश साहू, श्री तंमय पाणी, श्री मिलन कुमार समांता, श्री समीर समांता, श्री अभिषेक त्रिपाठी और श्री अमरनाथ प्रसाद ने भगवान मोहितिर सहायता समिति, जयपुर में आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जयपुर तकनीक—एक कम लागत वाली और स्वदेशी तकनीक — के माध्यम से प्रॉस्थेसिस के निर्माण, फिटिंग और वितरण में कौशल और ज्ञान को बढ़ाना था।

3. श्री आर्त्तत्राण पात्र, सुश्री साई प्रभा मिश्रा, सुश्री पोली घोष और श्री तंमय पाणी ने 1-2 फरवरी 2025 को एएमटिजेड, विशाखापत्तनम में आयोजित राष्ट्रीय ऑर्थोटिक्स और प्रॉस्थेटिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

4. श्री आर्त्तत्राण पात्र ने 1-2 फरवरी 2025 को एएमटिजेड, विशाखापत्तनम में आयोजित राष्ट्रीय ऑर्थोटिक्स और प्रॉस्थेटिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रॉस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स पेशेवर: समग्र पुनर्वास की आधारशिला विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

5. एनआईएलडी, कोलकाता ने 16 से 22 मार्च 2025 तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में बीटीआई ग्राउंड, शंकर नगर में नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित दिव्या कला मेला में भाग लिया। एनआईएलडी ने अपने योजनाओं और कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी का एक स्टॉल लगाया, जिसमें सहायक उपकरण, पोस्टर, बैनर और जागरूकता सामग्री प्रदर्शित की गई, जो एनआईएलडी की गतिविधियों और मंत्रालय की योजनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती थी।

6. श्री प्रकाश साहू, प्रॉस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग, ने 17-20 सितंबर 2024 को आईसीआरसी के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन साइंसेज, ISIC, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित ISPO स्ट्रोक प्रशिक्षण में भाग लिया।

7. श्री अमरनाथ प्रसाद (क्लिनिकल ट्यूटर) ने 7वें क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2024-25 में फिजियोलॉजी और मेडिकल साइंसेस, जिसमें फॉरेंसिक साइंसेस डिसिप्लिन भी शामिल है, में इडियोपैथिक CTEV वाले विषयों में फुट एबडक्शन साप्लंट (बूट और बार प्रकार) और डायनामिक टॉर्शन KAFO के बीच तुलनात्मक अध्ययन शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सामाजिक आर्थिक पुनर्वास विभाग

दिव्यांग व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करना न केवल एक चुनौती है, बल्कि दिव्यांग व्यक्तियों के पूर्ण पुनर्वास की प्रक्रिया में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू भी है। विभाग अपने प्रशिक्षित मानव संसाधनों—जैसे प्राध्यापक(साआपु) सेवा विस्तार अधिकारी , सामाजिक कार्यकत्ता, व्यावसायिक प्रशिक्षक, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, विशेष शिक्षक, CBID मुख्य संकाय एवं अतिथि संकाय—के माध्यम से इनडोर और आउटरीच सेवाओं द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करता है। इसके साथ ही, विभाग दीर्घकालिक और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षण एवं प्रशिक्षण में भी योगदान देता है।

विभाग की प्रमुख इकाइयाँ निम्नलिखित हैं:

1. सामाजिक कार्य इकाई
2. कौशल विकास प्रशिक्षण / व्यावसायिक मार्गदर्शन एवं नियोजन इकाई
3. नैदानिक मनोविज्ञान मूल्यांकन एवं परामर्श सेवाएँ
4. विशेष शिक्षा एवं हस्तक्षेप सेवाएँ
5. यूडीआईडी एवं निरामया पंजीकरण तथा सहायता काउंटर
6. मानव संसाधन विकास एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

वर्ष के दौरान का सेवाऐं/ कार्यकलाप :

पंजीकृत रोगियों की संख्या	2024-25
नए रोगीजन	1429
पुराने रोगीजन	950
कुल	**2379**

क्र.सं.	सेवाऐं	2022-23	2023-24	2024-25
1	सामाजिक मूल्यांकन एवं सुविधा सेवा	2040	2063	2359
2	कौशल विकास प्रशिक्षण / व्यावसायिक			
	i व्यावसायिक परामर्श एवं मार्गदर्शन	397	447	451
	ii कौशल विकास प्रशिक्षण	-	-	19
	iii दिव्यांग व्यक्तियों के लिए नौकरी प्लेसमेंट	13	08	05
3	क्लिनिकल साइकोलॉजी मूल्यांकन एवं हस्तक्षेप सेवाएँ	947	1459	1420
4	विशेष शिक्षा एवं हस्तक्षेपीय सेवाएँ	405	70	528
5	i यूडीआइडी (यू.डी.आई.डी) पंजीकरण	594	1168	865
	ii निरामय पंजीकरण	-	-	78

1. सामाजिक कार्य

सामाजिक कार्य सेवाएँ दिव्यांग व्यक्तियों को स्वयं और उनके सामाजिक पर्यावरण के बीच असंतुलन से उत्पन्न होने वाली समस्याओं की पहचान, समाधान या न्यूनतमकरण में सहायता प्रदान करती हैं। ये सेवाएँ उनके सामाजिक संकटों को रोकने और उन्हें दूर करने में सहायक होती हैं तथा सामाजिक कार्यक्षमता को पुन: स्थापित और सशक्त बनाकर, उन्हें संतोषजनक व्यक्तिगत, समूह तथा सामुदायिक संबंध स्थापित करने में सक्षम बनाती हैं।

वर्षों के दौरान सामाजिक कार्य इकाई द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के स्वरूप:

सेवाएँ	2024-25
सामाजिक मूल्यांकन एवं सहायता सेवा	2359
सुविधाओं की जानकारी (यू.डी.आई.डी, निरामया, सुगम्य भारत ऐप, छात्रवृत्ति आदि)	1323
रेलवे छूट जारी करना	227
रेफरल गतिविधियाँ	227
देखभालकर्ताओं के लिए परामर्श कार्यक्रम (वृद्धावस्था मामलों का सामाजिक मूल्यांकन)	141
देखभालकर्ताओं के लिए परामर्श कार्यक्रम (वृद्धावस्था मामलों का सामाजिक मूल्यांकन)	119
दिव्यांगता प्रमाणपत्र एवं (यू.डी.आई.डी) कार्ड/नामांकन की सत्यापन	884

दिव्यांगजनों के लिए सामाजिक मूल्यांकन और अभिभावकीय मार्गदर्शन

2. कौशल विकास प्रशिक्षण / व्यावसायिक मार्गदर्शन और नियोजन

2. (i) व्यावसायिक परामर्श एवं मार्गदर्शन

व्यावसायिक पुनर्वास कार्यक्रम का उद्देश्य गतिशीलता बाधित दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित करने हेतु आवश्यक विशेष सेवाएँ प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत परामर्श एवं मार्गदर्शन के माध्यम से लाभार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार के अवसरों तथा उनके लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी प्रदान की जाती है। यह प्रक्रिया उन्हें आत्मनिर्भर बनने सामाजिक रूप से सशक्त होने की दिशा में प्रेरित करती है।

वर्षों के दौरान इकाई द्वारा प्रदत्त सेवाओं के प्रकार:

सेवाऐं	2024-25
व्यावसायिक परामर्श एवं सेवाएँ	451
प्रधानमंत्री दक्ष पोर्टल (PM DAKSH) पर कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु पंजीकरण	17
प्लेसमेंट पंजीकरण कार्ड जारी करना	02
रोजगार प्लेसमेंट	05

2. (ii) कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम :

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान,कोलकाता द्वारा दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के अंतर्गत सिपडा योजना के माध्यम से पीएम दक्ष पोर्टल (दक्ष) पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए दो पृथक 70-घंटे की नियोजनीयता कौशल प्रशिक्षण बैचों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया —एक बैच लर्निंग डिसएबिलिटी वर्ग हेतु तथा दूसरा दृष्टिबाधितार्थ वर्ग हेतु आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण बैचों का विवरण नीचे प्रस्तुत है:

बैच आईडी	क्षेत्र	नौकरी की भूमिका	दिव्यांगता की श्रेणी	नामांकित अभ्यर्थी	पाठ्यक्रम अवधि	मूल्यांकन तिथि	स्थिति	उत्तीर्ण अभ्यर्थी	प्लेसमेंट
बीएटी 0295	दिव्यांगजन	दिव्यांगजनों के लिए नियोजनीयता कौशल (70 घंटे)	LD (लर्निंग डिसएबिलिटी)	10	12.08.2024 - 21.10.2024	10.01.2025	प्रथम किश्त की स्वीकृति एनडीएफडीसी द्वारा प्राप्त	10	02 अभ्यर्थियों को नौकरी, 03 उच्च शिक्षा हेतु चयनित
बीएटी 0402	दिव्यांगजन	दिव्यांगजनों के लिए नियोजनीयता कौशल (70 घंटे)	VI (दृष्टिबाधित)	09	18.12.2024 - 14.02.2025	मूल्यांकन तिथि की प्रतीक्षा में	प्रथम किश्त की स्वीकृति एनडीएफडीसा में लंबित	लागू नहीं	लागू नहीं

दिव्यांगजनों के लिए रोजगार योग्य कौशल (70 घंटे): प्रशिक्षणार्थी को श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ऑफर लेटर प्रदान किया गया।

2. (iii) दिव्यांगजनों (PwDs) के लिए नौकरी और जॉब फेयर:

वित्तीय वर्ष 2024-25 में एनआईएलडी, कोलकाता द्वारा आयोजित दिव्यांगजन जॉब फेयर का विवरण नीचे दिया गया है :

क्र. सं.	तिथि	कुल प्रतिभागियों की सं	चयनित	दूसरे चरण के साक्षात्कार के लिए चयनित	उपस्थित कंपनियों की संख्या	सहयोगी संस्था	नियोजन
1	19/09/2024	460	56	146	13	समर्थनम ट्रस्ट	05
2	21/03/2025	63	0	06	04	अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन	परिणाम की प्रतीक्षा

दिव्यांगजनों के लिए मेगा रोजगार मेला

रागदिसं, कोलकाता ने 19 सितंबर 2024 को समर्थनम ट्रस्ट के सहयोग से दिव्यांगजनों के लिए मेगा रोजगार मेला आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती नीलांजना दासगुप्ता, आई.ए.एस., पश्चिम बंगाल सरकार की राज्य दिव्यांजन आयुक्त द्वारा किया गया।

लगभग 460 दिव्यांगजन 15 विभिन्न कंपनियों में 1675 रिक्तियों के लिए साक्षात्कार में उपस्थित हुए। विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में 50 दिव्यांगजनों का उपयुक्त नौकरी के लिए चयन किया गया।

उद्घाटन कार्यक्रम

साक्षात्कार प्रक्रिया

दिव्यांगजन रोजगार मेला

एनआईएलडी, कोलकाता ने अमेरिकन इंडिया फाउंडेशनके सहयोग से 21 मार्च, 2025 को दिव्यांगजन रोजगार मेला आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. विनोद अग्रवाल, पूर्व सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी, कोलकाता; श्री सौगत बनर्जी, उप निदेशक (प्रशासन); तथा डॉ अमीद इकबाल, सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) भी उपस्थित थे।

इस आयोजन ने विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं से ग्रसित लगभग 70 दिव्यांगजनों को संभावित नियोक्ताओं से जुड़ने का एक मंच प्रदान किया। इन दिव्यांगताओं में गतिशीलता संबंधी दिव्यांग, वाणी एवं श्रवण दिव्यांग, न्यून बौद्धिक अक्षमता और न्यून दृष्टिशामिल थीं।

रोजगार मेले में चार कंपनियों ने भाग लिया यथा ए टिपीकल एडवांटेज,व्हीजीएम कन्सल्टेन्ट्स,नीफटेल,यूथ फॉर जॉब्स फाउंडेशनइस पहल के तहत लगभग 10 से 12 दिव्यांगजन को कंपनियों के मुख्यालय में आगे के साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

अन्य जानकारी :

➲ सुश्री एम. श्रीलक्ष्मी, विशेष शिक्षक, ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए 70 घंटे के नियोज्यता कौशल पर आयोजित 5 दिवसीय ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रशिक्षण दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एनआईईपीआईडी, सिकंदराबाद, तेलंगाना में आयोजित किया गया था।

3. नैदानिक मनोविज्ञान मूल्यांकन एवं हस्तक्षेप सेवाएँ :

नैदानिक मनोविज्ञान एवं विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये विशेषज्ञ

व्यापक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के साथ, दिव्यांगता से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का निदान करते हैं एवं प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप व्यक्तिगत उपचार योजनाएँ तैयार करते के साथ उपयुक्त मनोचिकित्सकीय परामर्श (थेरेपी) प्रदान करते हैं।

इसके अतिरिक्त, नैदानिक मनोवैज्ञानिक परिवारों और देखभालकर्ताओं को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं तथा समग्र देखभाल सुनिश्चित करने हेतु एक बहु-विषयक टीम के अन्य पेशेवरों के साथ सहयोग करते हैं।

प्रदान की जाने वाली मनोवैज्ञानिक सेवाओं की श्रेणी में निम्नलिखित शामिल हैं:

सेवा का नाम	2024-2025
माता –पिता परामर्शदान	866
मनोशैक्षिक परामर्श	483
व्यक्तिगत परामर्श	487
पारिवारिक चिकित्सा	342
बाल परामर्श	353
ध्यान एवं एकाग्रता सुधार प्रशिक्षण	507
संज्ञानात्म-व्यवहारिक चिकित्सा	216
सामाजिक कौशल प्रशिक्षण	276
माइंडफुलनेस थेरेपी	117
क्रोध प्रबंधन प्रशिक्षण	11
व्यवहार संशोधन प्रशिक्षण	37
छात्र परामर्श	07
इनडोर परामर्श	37
निर्धारण	
बुद्धिमत्ता एवं अन्य परीक्षण	139

दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों हेतु मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन एवं परामर्श

4. विशेष शिक्षा एवं हस्तक्षेप सेवाएँ :

विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों का विभिन्न कौशल क्षेत्रों में वर्तमान कार्यात्मक स्तर का मूल्यांकन किया जाता है, जिनमें स्व-सहायता कौशल, स्थूल एवं सूक्ष्म मोटर कौशल, कार्यात्मक पठन-पाठन कौशल, समय एवं धन से संबंधित संज्ञानात्मक कौशल आदि शामिल हैं।

विशेष शिक्षा सेवाओं की प्रक्रिया में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। प्रशिक्षण के दौरान भारतीय संदर्भ में उपयुक्त शिक्षण-सहायक सामग्री एवं अनुकूलित संसाधनों का उपयोग किया जाता है, जिससे बच्चों की शैक्षणिक एवं व्यवहारिक क्षमताओं में समुचित विकास हो सके।

विशेष शिक्षा इकाई द्वारा वर्ष के दौरान प्रदान की गई सेवाओं का प्रकार:

सेवाऐं	2024-25
विशेष शिक्षा पर माता-पिता के लिए मार्गदर्शन और परामर्श	463
ओपीडी में आने वाले रोगियों का विशेष शिक्षा मूल्यांकन (SER विभाग)	386
विशेष शिक्षा कक्षा (उपयुक्त शिक्षण-सहायक सामग्री के साथ प्रशिक्षण)	124
टेलीफोन पर माता-पिता का मार्गदर्शन एवं वर्कशीट भेजना	41

विशेष शिक्षा कक्षा, दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों का आकलन एवं मार्गदर्शन

5. यूडीआइडी एवं निरामय नामांकन और सुविधा सेवाएँ:

5. (i) दिव्यांगजनों का यूडीआइडी नामांकन 2024-25

लैंगिक श्रेणी		कुल
पुरूष	महिला	865
610	255	

5 (ii) निरामय स्वास्थ्य बीमा पंजीकरण (सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, बहु दिव्यांगता से ग्रस्त दिव्यांगजन) (2024-25)

लैंगिक श्रेणी		कुल
पुरूष	महिला	78
53	25	
मार्च 2025 में निरामय स्वास्थ्य बीमा के 39 नवीनीकरण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए।		

6. मानव संसाधन विकास

6. (i) दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम :

क: दिव्यांगता पुनर्वास एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा काएक 1 वर्ष का नियमित पूर्णकालिक पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त है तथा पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता से संबद्ध है।

नामांकित छात्र	उत्तीर्ण
07	07

पीजीडीडीआरएम छात्रों का आशा भवन केंद्र में भ्रमण

पीजीडीडीआरएम छात्रों का 'परिपूर्णता – हाफ वे होम' में अध्ययन भ्रमण

ख: सामुदायिक आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी) पाठ्यक्रम एक 6 माह का पूर्णकालिक कार्यक्रम है, जिसे भारतीय पुनर्वास परिषद, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार तथा मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के संयुक्त सहयोग से विकसित किया गया है।

बैच सं	पंजीकृत विद्यार्थी	परीक्षा में सम्मिलित	उत्तीर्ण
तृतीय	16	10	10
चतुर्थ	29	1 अप्रैल 2025 से पाठ्यक्रम प्रारंभ	

सीबीआईडी पाठ्यक्रम की गतिविधियां:

सीबीआईडी छात्रों ने राष्ट्रीय करियर सेवा केंद्र, कोलकाता का दौरा किया।

6. (ii) अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम:

विभाग द्वारा वर्ष के दौरान निम्नलिखितअल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (STT)आयोजित किए गए:

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	स्थान	उद्देश्य	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतिभागियों का प्रकार
(क)	दिव्यांगता और पुनर्वास की समझ पर जागरूकता कार्यक्रम	18/09/2024	सभागार, एनआईएलडी, कोलकाता	दिव्यांगता और पुनर्वास के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना	50	एनसीसी व एनएसएस स्वयंसेवक, एनआईएलडी के अधिकारीगण व छात्र
(ख)	सक्षम दक्षिण बंगा के स्वयंसेवकों के लिए एक दिवसीय दिव्यांग पुनर्वास पर मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम	30/03/2025	नया अकादमिक ब्लॉक, एनआईएलडी, कोलकाता	सक्षम दक्षिण बंगा के स्वयंसेवकों में दिव्यांगता और पुनर्वास के प्रति जागरूकता बढ़ाना	55	जमीनी स्तर के कार्यकर्ता, दिव्यांगजन एवं सक्षम दक्षिण बंगा के पेशेवर

दिव्यांगता एवं पुनर्वास के विषय में जागरूकता कार्यक्रम

सक्षम दक्षिण बंगाल के स्वयंसेवकों के लिए दिव्यांग पुनर्वास पर एक दिवसीय मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम

6. (iii) सीआरई कार्यक्रम:

क्रम संख्या	तिथि	स्थान / स्थल	वित्तपोषण	लक्षित प्रतिभागी	CRE का स्वरूप	प्रतिभागियों की संख्या
(क)	17/02/2025 से 21/02/2025	पटना, बिहार	एनसीईआरटी, नई दिल्ली	भापुप,-पंजीकृत पुनर्वास पेशेवर	5 दिवसीय ऑफलाइन आवासीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम	48
(ख)	25/02/2025 से 01/03/2025	अगरतला, त्रिपुरा	एनसीईआरटी, नई दिल्ली	भापुप -पंजीकृत पुनर्वास पेशेवर	5 दिवसीय ऑफलाइन आवासीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम	49
(ग)	03/03/2025 से 07/03/2025	एनआईएलडी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया (RCI), नई दिल्ली	भापुप पंजीकृत पुनर्वास पेशेवर	5 दिवसीय ऑफलाइन आवासीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम	48
(घ)	24/03/2025 से 28/03/2025	एनआईएलडी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया (RCI), नई दिल्ली	भापुप पंजीकृत पुनर्वास पेशेवर (DDRS/ DDRC)	5 दिवसीय ऑफलाइन आवासीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम	82

निरंतर पुनर्वास शिक्षा — पाँच दिवसीय ऑफलाइन आवासीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम (3 मार्च से 7 मार्च, 2025)

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता ने 3 मार्च से 7 मार्च 2025 तक पुनर्वास काउंसिल ऑफ इंडिया (आर.सी.आई), नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित और मान्यता प्राप्त पाँच दिवसीय ऑफलाइन आवासीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के आरसीआई पंजीकृत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के 47 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

श्री समीक भट्टाचार्य, माननीय सांसद (राज्य सभा) ने मुख्य अतिथि के रूप में इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में श्री देबोत्रा चट्ट, सेवानिवृत्त आईएएस एवं पूर्व दिव्यांग आयुक्त, पश्चिम बंगाल सरकार तथा श्री विष्णुपद नन्दा, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय जैसे गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। अपने उद्घाटन भाषण में श्री भट्टाचार्य ने नई शिक्षा नीति एवं वर्तमान चिकित्सा, दिव्यांगता और दिव्यांगजन की स्थिति पर प्रकाश डाला और समाज के अप्राप्य वर्ग तक पहुँचने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाँच दिवसीय ऑफलाइन आवासीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम (24 मार्च से 28 मार्च 2025)

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान), कोलकाता द्वारा 24 मार्च से 28 मार्च 2025 तक भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एवं मान्यता प्राप्त पाँच दिवसीय ऑफलाइन आवासीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से भारत के पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी राज्यों में स्थित डीडीआरएस/डीडीआरसी में कार्यरत पेशेवरों के लिए आयोजित किया गया है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, मणिपुर और मिजोरम से आए 82 आर.सी.आई पंजीकृत डीडीआरएस/डीडीआरसी पुनर्वास पेशेवरों की शिक्षण पद्धतियों और व्यावसायिक कौशलों को उन्नत करना है।

6. (iv) छात्र इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट:

वर्ष के दौरान अन्य शैक्षणिक संस्थानों से निम्नलिखित छात्रों को विभाग में प्रायोगिक प्रशिक्षण (फील्ड वर्क) हेतु स्थान प्रदान किया गया:

पाठ्यक्रम	छात्र संख्या	अवधि	प्रायोगिक कार्य/ फील्ड वर्क प्लेसमेंट	विश्वविद्यालय / संस्थान
एम.एस.डब्ल्यू. (सेमेस्टर-IV)	01	02-01-2024 से 01-04-2024	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय
एम.फिल (साइकेट्रिक सोशल वर्क)	06	13-05-2024 से 18-05-2024	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	इंस्टीट्यूट ऑफ साइकेट्री, कोलकाता
एम.फिल (साइकेट्रिक सोशल वर्क)	07	21-05-2024 से 28-05-2024	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	इंस्टीट्यूट ऑफ साइकेट्री, कोलकाता
एम.एससी (क्लिनिकल एवं काउंसलिंग साइकोलॉजी)	01	03-06-2024 से 28-06-2024	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक
मास्टर ऑफ सोशल वर्क	02	10-06-2024 से 02-07-2024	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	विश्व भारती केंद्रीय विश्वविद्यालय
बैचलर ऑफ सोशल वर्क (बी.एस.डब्ल्यू.)	03	10-07-2024 से 19-07-2024	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	विद्यासागर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, विद्यासागर विश्वविद्यालय
एम.एससी (क्लिनिकल एवं काउंसलिंग साइकोलॉजी)	01	02-12-2024 से 28-12-2024	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक
एम.एससी (रिहैबिलिटेशन साइकोलॉजी)	13	16.12.24 से 30.12.24	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय
एम.एस.डब्ल्यू. (सेमेस्टर-IV)	04	03-02-2025 से 28-02-2025	फील्ड वर्क प्लेसमेंट	विश्व भारती (केंद्रीय विश्वविद्यालय)

एम.फिल. पी.एस.डब्ल्यू. एवं एम.एस.डब्ल्यू. विद्यार्थियों का प्लेसमेंट एस.ई.आर.-ओ.पी.डी. में

एम.एस.सी. क्लिनिकल और काउंसलिंग साइकोलॉजी में और एम.एस.सी. पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) साइकोलॉजी में

7. अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ :

7. (i) विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों / अन्य संगठनों द्वारा अध्ययन भ्रमण एक्सपोजर विजट्स :

संस्थान / विश्वविद्यालय का नाम	आगंतुकों / छात्रों की संख्या	तिथि	उद्देश्य
रामकृष्ण विवेकानंद मिशन, सूर्यपुर, उत्तर 24 परगना	छात्र (डी.एड. स्पेशल एजुकेशन - दृष्टिबाधित) – 28 संकाय सदस्य - 01	25.11.2024	शैक्षणिक भ्रमण
एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट एंड रिहैबिलिटेशन ऑफ हैंडिकैप्ड (AAROH), नई दिल्ली	छात्र (डी.एड. स्पेशल एजुकेशन - इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी) – 36 संकाय सदस्य - 03	24.01.2025	शैक्षणिक भ्रमण
एन.आई.ई.पी.आई.डी., ई.आर.सी., कोलकाता	छात्र (बी.एड. स्पेशल एजुकेशन - इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी) – 30 संकाय सदस्य - 01	19 एवं २० मार्च, 2025	शैक्षणिक भ्रमण

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह-2024 (7 से 12 अक्टूबर, 2024)

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह हर वर्ष मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी धारणाओं को कम करना, जागरूकता बढ़ाना और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को प्रोत्साहित करना है।

इस वर्ष का मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह 7 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2024 तक चला, जिसमें कुल 205 लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। इस वर्ष का विषय था:कार्यस्थल में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय।

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के आयोजन के अंतर्गत, कोलकाता मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुपतथ बरुआ और क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. गार्गी दास गुप्ता (मनोचिकित्सा विभाग) मुख्य स्त्रोत व्यक्ति थे, जिन्होंने महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं।

इस सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें जागरूकता कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर एवं नारा प्रतियोगिताएं, मानसिक स्वास्थ्य जांच शिविर और आभार दीवार का निर्माण शामिल था। ये गतिविधियां प्रतिभागियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य प्रथाओं को बढ़ावा देने में सहायक रहीं।

जादू आधारित जागरूकता कार्यक्रम – 25 अक्टूबर 2024

जादू आधारित जागरूकता कार्यक्रम, जिसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना था, 25 अक्टूबर 2024 को रागिदसं कोलकाता में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें विभागाध्यक्ष प्रभारी अधिकारी, संकाय सदस्य, कर्मचारी, छात्र, गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधि, दिव्यांगजन, और दिव्यांगजनों के देखभालकर्ता शामिल थे। यह अनूठा कार्यक्रम जादू को एक आकर्षक माध्यम के रूप में उपयोग करते हुए दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अधिक समावेशी वातावरण बनाने और जागरूकता फैलाने के लिए डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में रागदिसं कोलकाता के निदेशक डॉ. ललित नारायण, उप निदेशक(प्रशासन) श्री सौगत बनर्जी, और सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अमीद इकबाल ने समावेशन और सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण थी केरल के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्री गोपीनाथ मुथुकाड, जो मैजिक विद मीनिंग के माध्यम से सामाजिक समावेशन और दिव्यांग व्यक्तियों के समग्र विकास के लिए अपनी जादू की प्रस्तुति के जरिए संदेश दे रहे थे। वे मैजिशियन विद ए मिशन और डिफरेंट आर्ट सेंटर, केरल के कार्यकारी निदेशक भी हैं। यह कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली और दर्शनीय रहा।

7. (iii) प्रदर्शनी एवं भागीदारी :

कोलकाता स्थित रागदिसं ने 2 से 3 दिसंबर, 2024 को आयोजित रोजगार मेला में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह मेला राज्य दिव्यांग आयोग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक कल्याण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित किया गया था। के स्टॉल पर विभिन्न सहायक उपकरण, पोस्टर, बैनर और जागरूकता सामग्री प्रदर्शित की गई, जो रागदिसं की गतिविधियों और मंत्रालय की योजनाओं को प्रभावपूर्ण तरीके से उजागर करती थीं।

पुनर्वास नर्सिंग विभाग

पुनर्वास नर्सिंग विभाग (शैक्षणिक) की बहुआयामी गतिविधियाँ निम्नलिखित है:

1. दीर्घकालिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम – एम.एससी. नर्सिंग (मेडिकल-सर्जिकल नर्सिंग - ऑर्थो एवं पुनर्वास विशेषता)
2. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम – शैक्षिक भ्रमण, स्नातक एवं स्नातकोत्तर नर्सिंग पाठ्यक्रमों हेतु पुनर्वास इकाई में नैदानिक प्लेसमेंट, कार्यशाला, संगोष्ठी, प्रदर्शनी, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आदि
3. परियोजना एवं अनुसंधान संबंधी गतिविधियों का संचालन
4. संस्थान के विशेष कार्यक्रमों (वार्षिक कैलेंडर के अंतर्गत एवं अन्य) का आयोजन
5. छात्र कल्याण हेतु सह-पाठयक्रम गतिविधियों का आयोजन

1. दीर्घकालीन शैक्षणिक पाठ्यक्रम

मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग (ऑर्थो एवं पुनर्वास) विषय में एम.एससी. नर्सिंग का संचालन वर्ष 2011 से किया जा रहा है।

इस पाठ्यक्रम की शुरुआत 11 (ग्यारह) विद्यार्थियों की क्षमता के साथ की गई थी। पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष है तथा प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय परीक्षा भाग-I एवं भाग-II के रूप में आयोजित की जाती है। यह पाठ्यक्रम पश्चिम बंगाल नर्सिंग परिषद और भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा अनुमोदित है तथा पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध है।

दीर्घकालीन पाठ्यक्रम के संचालन के अतिरिक्त विभाग विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, नर्सों के लिए ऑन-जॉब ट्रेनिंग तथा विभिन्न नर्सिंग विद्यालयों/कॉलेजों के डिप्लोमा, डिग्री एवं स्नातकोत्तर नर्सिंग विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन करता है। इस वर्ष 07 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। विद्यार्थी, पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार, मूल संस्थान एवं अन्य संबद्ध संस्थानों तथा सामुदायिक क्षेत्रों से नैदानिक अनुभव प्राप्त करते हैं। छात्र विभिन्न विभागीय एवं संस्थागत गतिविधियों में भाग लेते हैं और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस, सेमिनार तथा कार्यशालाओं में सम्मिलित होते हैं।

विभाग के संकाय सदस्य, प.बं.स्वा.वि.वि. एवं भा.न.प. द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षणिक बैठकों, ऑनलाइन काउंसलिंग के प्रशिक्षण, तथा प्रवेश/संबद्धता संबंधी डेटा प्रक्रिया में भाग लेते हैं। संकाय सदस्य स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा आयोजित वेब-आधारित कार्यशालाओं, सेमिनारों एवं कॉन्फ्रेंस में भी भाग लेते हैं।

संकाय सदस्य विश्वविद्यालय परीक्षाओं, पश्चिम बंगाल नर्सिंग परिषद एवं अन्य राज्यों की परीक्षाओं में आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक की भूमिका निभाते हैं। अंतिम विश्वविद्यालय परीक्षा (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक) अर्थात् भाग-I और भाग-II संस्थान में आयोजित किए जाते हैं।

➲ शैक्षिक गतविधियां

गतिविधियाँ	टिप्पणियाँ
छात्रों द्वारा कार्यशाला एवं स्टाफ विकास कार्यक्रम का आयोजन	i) बेसिक लाइफ सपोर्ट कार्यशाला 19 जुलाई 2024 को रागदिसं, कोलकाता में आयोजित की गई। ii) ऑर्थोपेडिक एवं पुनर्वास नर्सिंग में विशेष कौशल पर कार्यशाला स्टाफ नर्सों के लिए 22 जुलाई 2024 को ऑर्थोपेडिक विभाग, आर. जी. कर. एम. सी. एच. कोलकाता के सेमिनार हॉल में आयोजित की गई।
कार्यशाला और सम्मेलन में भागीदारी	- 14 छात्रों ने कॉलेज ऑफ नर्सिंग साइंसेज, DSU, बेंगलुरु में 26 से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित अग्रणी शोध पद्धति: नवाचार, चुनौतियाँ और भविष्य की दिशा विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। - 4 छात्रों ने 19 से 21 फरवरी 2025 तक आयोजित वैज्ञानिक लेखन पर लघु पाठ्यक्रम में भाग लिया। - 14 छात्रों ने कॉलेज ऑफ नर्सिंग, AIIMS, कल्याणी में 24 फरवरी से 3 मार्च 2025 तक आयोजित आपदा तैयारी और प्रबंधन कार्यशाला में भाग लिया।

एम.एससी. नर्सिंग छात्रों का परिणाम:

क्र. सं.	बैच	प्रवेश की संख्या	जाति				उत्तीर्ण छात्र	परिणाम
			सामान्य	अजा	अजजा	अपिव		
1	2020-2022	10	06	02	01	01	10	सभी प्रथम श्रेणी
2	2021-2023	10	06	04	-	-	10	सभी प्रथम श्रेणी
3	2022-2024	10	06	02	01	01	08	सभी प्रथम श्रेणी
4	2023-2025	07	05	00	01	01 (लिफ्ट)	जारी	--
5	2024-2026	08	06	01	00	01	जारी	--

ड. एम.एससी. नर्सिंग छात्रों द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

एम.एससी. नर्सिंग के छात्र प्रतिदिन रागदिसं के बाह्य रोगी विभाग एवं शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र विभाग में मरीजों तथा उनके देखभाल कर्ताओं को स्वास्थ्य संबंधी वार्ता प्रदान करते हैं। स्वास्थ्य वार्ता के विषय निम्नलिखित हैं:

- बच्चों को स्तनपान छुड़ाने की प्रक्रिया
- मोटापा नियंत्रण (स्वस्थ जीवनशैली का अभ्यास)
- ज्वर की देखभाल
- पैरेंट्रल स्क्रीनिंग
- नवजात शिशु की देखभाल
- खुजली की रोकथाम एवं प्रबंधन
- मातृत्व देखभाल की आवश्यकताएँ
- नवजात शिशु को स्तनपान के महत्व
- श्रवण हानि की रोकथाम
- मौखिक स्वच्छता का संरक्षण
- छोटे बच्चों को शौचालय प्रशिक्षण
- दिव्यांगताओं की प्रारंभिक पहचान
- घरेलू दुर्घटनाओं से बचाव
- टीकाकरण
- दिव्यांगजन हेतु उपलब्ध लाभ एवं सुविधाएँ
- दैनिक व्यायाम का महत्व
- नशा-मुक्त जीवन
- वृद्धजन देखभाल एवं उसका महत्व
- पोषणयुक्त आहार
- उच्च रक्तचाप की रोकथाम
- कमर दर्द की रोकथाम
- नियमित स्वास्थ्य परीक्षण का महत्व
- मधुमेह की रोकथाम
- सहायक उपकरणों का उपयोग एवं देखभाल
- दिव्यांगता में सामुदायिक सहभागिता

स्वास्थ्य वार्ता सत्र

कार्यशाला:

पुनर्वास नर्सिंग विभाग (शैक्षणिक) के एम.एससी. प्रथम वर्ष के छात्रों, द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बेसिक लाइफ सपोर्ट विषय पर किया गया।यह कार्यशाला 19 जुलाई 2024 को रा.ग.दि.सं के सभागार में विभागाध्यक्ष श्रीमती शुभ्रा श्रीमणी, पुनर्वास नर्सिंग विभाग (शैक्षणिक) के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञ वक्ताओं एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

दीप प्रज्वलन

कार्यकालापों का सत्र

आयोजित सत्र में विशेषज्ञ

प्रमाणपत्र प्रदान

सामुदायिक पोस्टिंग – ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र एवं प्रशिक्षण केंद्र, सिंगूर

एम.एससी. नर्सिंग प्रथम वर्ष (बैच 2023–25) के छात्रों को 3 जून 2024 से 16 जून 2024 तकग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र एवं प्रशिक्षण केंद्र, सिंगूर में सामुदायिक क्षेत्रीय पोस्टिंग पर भेजा गया। इस अवधि में छात्रों ने केंद्र का दौरा किया, विभिन्न स्वास्थ्य उप-केंद्रों में नर्सिंग सेवाएँ प्रदान कीं तथा समुदाय को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकतादी।

सामुदायिक पोस्टिंग – ग्रामीण स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण केंद्र, सिंगूर

सत्र 2021-2023 का दीक्षांत समारोह

सत्र 2021-2023 का दीक्षांत समारोह दिनांक 12 मई 2024 को रागदिसं के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन पुनर्वास नर्सिंग विभाग की, श्रीमती शुभ्रा श्रीमणि, विभागाध्यक्ष, पुनर्वास नर्सिंग विभाग के मार्गदर्शन में किया गया।

ग्रामीण स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण केंद्र, सिंगुर में सामुदायिक पोस्टिंग

द्वितीय वर्ष एम.एससी. नर्सिंग छात्रों द्वारा अंतिम शोध प्रस्तुति

अंतिम वर्ष एम.एससी. नर्सिंग छात्राओं (बैच 2022-24) द्वारा 08.04.24 को अंतिम शोध प्रस्तुति आयोजित की गई, जिसका निर्देशन श्रीमती शुभ्रा श्रीमानी, विभागाध्यक्ष, पुनर्वास नर्सिंग विभाग ने किया। सभी मार्गदर्शक और सह-मार्गदर्शक उपस्थित थे।

शोधपत्र प्रस्तुति

पायलट शोध अध्ययन प्रस्तुति (द्वितीय वर्ष एम.एससी. नर्सिंग छात्र)

एम.एससी. नर्सिंग छात्रों (बैच 2023–25) की शोध पायलट अध्ययन प्रस्तुति 5 फरवरी 2025 कोरागदिसं के सम्मेलन कक्षमें आयोजित की गई। इस अवसर पर सभी शोध मार्गदर्शकएवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

पायलट शोध अध्ययन

2. अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

क. एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

विभिन्न नर्सिंग संस्थानों (नर्सिंग प्रशिक्षण विद्यालय एवं नर्सिंग कॉलेज) के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएँ का शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गग संस्थान में आते है अब तक विभाग द्वारा कुल 37 शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

कुल 809 नर्सिंग छात्रों ने इस संस्थान का भ्रमण किया है।

विस्तृत विवरण निम्नलिखितहै:

क्र.सं.	संस्थान का नाम	प्रतिभागियों का विवरण	प्रतिभागियों की संख्या	उद्देश्य
1	कीट (KIIT), भुवनेश्वर	एम.एससी. नर्सिंग (पीजी)	04	दो सप्ताह का क्लिनिकल अनुभव
2	शंभूनाथ पंडित	जी.एन.एम. (द्वितीयवर्ष)	30	शैक्षिक भ्रमण
3	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एनएमसीएच	बी.एससी. नर्सिंगछात्र	39	शैक्षिक भ्रमण
4	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, उलुबेरिया	बी.एससी. नर्सिंगछात्र	47	शैक्षिक भ्रमण
5	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मेडिकल कालेज एवं अस्पताल	एम.एससी. नर्सिंग (पीजी)	05	क्लिनिकल अनुभव
6	कॉलेज ऑफ नर्सिंग, आईडीबीजी	बी.एससी. नर्सिंगछात्र	65	शैक्षिक भ्रमण
7	कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एस.डी.एच.	जी.एन.एम. (तृतीयवर्ष) जी.एन.एम. (द्वितीयवर्ष) बी.एससी. नर्सिंग	98 84 81	शैक्षिक भ्रमण
8	एन आर एस	एम.एससी. नर्सिंग जी.एन.एम. (तृतीयवर्ष)	07 69	क्लिनिकल अनुभव एवं शैक्षिक भ्रमण
9	एस एस के एम	एम.एससी. (द्वितीयवर्ष)	06	क्लिनिकल अनुभव
10	आर.एन. टैगोर	बी.एससी. नर्सिंगएम.एससी. (प्रथमवर्ष)	97 02	शैक्षिक भ्रमण एवं क्लिनिकल अनुभव
11	कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डायमंड हार्बर मेडिकल कॉलेज	बी.एससी. नर्सिंग	86	शैक्षिक भ्रमण
12	टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी	बी.एससी. नर्सिंग	40	शैक्षिक भ्रमण
13	एम्स, कल्याणी	बी.एससी. नर्सिंग	56	शैक्षिक भ्रमण
		कुल प्रतिभागियों का विवरण: जीएनएम – 281 छात्र बीएससी नर्सिंग – 511 छात्र एमएससी नर्सिंग– 17 छात्रकुल मिलाकर = 809 छात्र		

एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण की छवि

3. शोध अध्ययन (वर्ष 2024–25)

एम.एससी. नर्सिंग छात्रों (बैच 2022–2024) का शोध प्रबंध

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता

क्र.सं.	छात्र का नाम	शोध विषय	मार्गदर्शक (गाइड) का नाम
1.	उर्मी घोष	हुगली, पश्चिम बंगाल के चयनित शहरी क्षेत्र में वयस्कों और वरिष्ठ नागरिकों में ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर की संभावना और इसके जनसांख्यिकीय एवं नैदानिक जोखिम कारकों के साथ संबंध का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।	श्रीमती शुभ्राश्रीमणि, एचओडी, पुनर्वास नर्सिंग विभाग (शैक्षणिक), रागदिसं
2.	अदिति रॉय	कोलकाता, पश्चिम बंगाल के चयनित अस्पतालों में नर्सों में आत्मसम्मान और दृढ़ता पर दृढ़ता प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन।	श्रीमती सरस्वती बारुई, प्राचार्य, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, श्रीरामपुर वॉल्श अस्पताल
3.	झूम्पा भौमिक (मित्रा)	पश्चिम बंगाल के चयनित अस्पताल में अंत:शिरा कैन्यूलेटेड इनपेशेंट्स में थ्रॉम्बोफ्लेबाइटिस के जोखिम को कम करने में प्रोक्सिमल मसाज और पाम फिस्टिंग की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।	श्रीमती शम्पा गुप्ता, प्राचार्य, वेस्ट बैंक कॉलेज ऑफ नर्सिंग
4.	रूमा मजूमदार	कोलकाता के चयनित संस्थानों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाले बच्चों में मौखिक स्वास्थ्य स्थिति और मौखिक स्वास्थ्य आदतों पर वीडियो मॉडल आधारित दांत ब्रशिंग प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।	श्रीमती शुभ्रा श्रीमणि, एचओडी, पुनर्वास नर्सिंग विभाग (शैक्षणिक), एनआईएलडी
5.	कृतिका सुब्बा	कोलकाता, पश्चिम बंगाल के छात्रों में टेक्स्ट नेक सिंड्रोम और उससे संबंधित कारकों का आकलन करने हेतु एक पश्चात्वर्ती अध्ययन।	श्रीमती शुभ्रा श्रीमणि, एचओडी, पुनर्वास नर्सिंग विभाग (शैक्षणिक), एनआईएलडी
6.	सुमित्रा गायेन	कोलकाता के चयनित अस्पतालों में मधुमेह रोगियों में इंसुलिन के स्व-प्रशासन संबंधी ज्ञान और अभ्यास का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।	श्रीमती सरस्वती बारुई, प्राचार्य, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, श्रीरामपुरर वॉल्श अस्पताल
7.	अनीता भंडारी	कोलकाता, पश्चिम बंगाल के चयनित अस्पताल में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों में मस्कुलोस्केलेटल विकारों की प्रसार दर और जोखिम कारकों का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।	श्रीमती शम्पा गुप्ता, प्राचार्य, वेस्ट बैंक कॉलेज ऑफ नर्सिंग
8.	सुपर्णा हालदार	कोलकाता के चयनित अस्पताल में प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में दर्द और नींद की गुणवत्ता पर मानक देखभाल के साथ गैर-फार्माकोलॉजिकल हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।	श्रीमती शुभ्रा श्रीमणि, एचओडी, पुनर्वास नर्सिंग विभाग (शैक्षणिक), एनआईएलडी

पेपर प्रस्तुति:

श्रीमती शुभ्रा श्रीमणी, प्राध्यापक सह ए.एन.एस., राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान (NILD), पश्चिम बंगाल, भारत ने वर्चुअल मोड में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उनका शोध पत्र का शीर्षक था। सेरेब्रल पाल्सी से ग्रसित बच्चों में मौखिक स्वास्थ्य देखभाल एवं भोजन तकनीक पर अभिभावकों का ज्ञान: एक समीक्षा। यह प्रस्तुति मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित रिसर्च कॉन्फ्रेंस 2024: बहु विषयक अनुसंधान में सहयोगात्मक उत्कृष्टता में 22–24 अप्रैल 2024 के बीच की गई।

सम्मेलन/कार्यशाला :

एम.एससी. नर्सिंग छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुसंधान पद्धति में प्रगति: नवाचार, चुनौतियाँ और भविष्य की दिशा में भाग लिया, जो कॉलेज ऑफ नर्सिंग साइंसेज, दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में 26.07.2024 एवं 26.07.2025 को 70 प्रतिभागियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

एम.एससी. नर्सिंग छात्रों ने वैज्ञानिक लेखन कार्यशाला लघु पाठ्यक्रम में भाग लिया, जो ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हाइजीन एंड पब्लिक हेल्थ में 19.02.2025 से 21.02.2025 तक आयोजित हुआ।

एम.एससी. नर्सिंग के विद्यार्थियों ने आपदा तैयारी और प्रबंधन विषय पर कार्यशाला में भाग लिया, जो 13 मार्च, 2025 को एम्स, कल्याणी में आयोजित हुई।

आपदा तैयारी कार्यशाला के प्रतिभागी एवं संचालक

मॉडल ग्रामीण दिव्यांगजन पुनर्वास इकाई के विकास हेतु क्षेत्रीय भ्रमण

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा दिनांक 26 जून 2024 को संग्रामपुर शिवघाटी ग्राम पंचायत, बसीरहाट, उत्तर 24 परगना में मॉ डल ग्रामीण दिव्यांगजन पुनर्वास इकाई के विकास से संबंधित एक क्षेत्रीय भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण में कुल 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह भ्रमण श्रीमती एस. श्रीमणि, विभागाध्यक्ष, पुनर्वास नर्सिंग विभाग (शैक्षणिक), रागदिसं तथा चार एम.एससी. नर्सिंग छात्रों के नेतृत्व में संपन्न हुआ। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र का व्यापक सर्वेक्षण कर एक मॉडल ग्रामीण दिव्यांगजन पुनर्वास रिपोर्ट तैयार करना था। भ्रमण के दौरान टीम ने पंचायत प्रधान श्रीमती बेबी घोष, सचिव एवं सभापति श्री उत्तम सरदार, तथा अन्य गणमान्य सदस्यों से बीडीओ कार्यालय में भेंट की। इसके अतिरिक्त, एक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें स्वास्थ्य जांच शिविर, तथा दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और लाभों पर शैक्षणिक सत्र शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को जलपान भी प्रदान किया गया।

समुदाय में दिव्यांगजनों एवं उनके परिवारजनों के लिए असंक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु जागरूकता शिविर

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा समुदाय में दिव्यांगजनों एवं उनके परिवारजनों के लिए असंक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन एलियास रोड, पानिहाटी, कोलकाता स्थित यू.पी. स्कूल सामुदायिक भवन में किया गया। यह कार्यक्रम 30 दिसंबर, 2024 को संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं –श्रीमती मौसमी घोषाल, पार्षद, वार्ड 6, पानिहाटी नगरपालिका, श्री विश्वनाथ डे, पार्षद, वार्ड 5, पानिहाटी नगरपालिका, श्री शंकर विश्वास, सचिव, पानिहाटी प्रतिबंधी कल्याण समिति, डॉ. ललित नारायण, निदेशक, राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, श्रीमती एस. श्रीमणी, प्राध्यापक क्चरर सह सहा.नर्सिंग पर्यवेक्षक., रागदिसं., कोलकाता, कुल 73 दिव्यांगजन अपने परिवारजनों सहित इस जागरूकता शिविर में उपस्थित रहे।

जागरूकता अभियान संबोधन

स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से जागरूकता

दिव्यांगजन और उनके परिवार के सदस्यों के लिए जीवनशैली सुधार जागरूकता शिविर

कोलकाता स्थित राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता ने दिव्यांगजन और उनके परिवार के सदस्यों के लिए जीवन शैली सुधार संबंधी जागरूकता शिविर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 13 जनवरी, 2025 कोशिभाटी, संग्रामपुर पंचायत, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल में आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 125 दिव्यांगजन और उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए।

स्वास्थ्य शिक्षा और पैम्फलेट वितरण के माध्यम से जागरूकता प्रदान की गई

एम.एस.सी. नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लिया, जैसे – अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस (3 दिसंबर) राष्ट्रीय एकता दिवस, 2024। विभाग की पाठ्येतर गतिविधियों में क्रिसमस ईव समारोह,फ्रेशर्स वेलकम,वार्षिक पिकनिक, फेयरवेल समारोह, अलुमनी मीट,वार्षिक महोत्सव,सरस्वती पूजा समारोह, होली उत्सव।

एम.एस.सी. नर्सिंग विभाग द्वारा स्टॉल.

बी. टी. रोड में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस रैली

पुनर्वास अभियांत्रिकी विभाग

17 फरवरी 2008 को आयोजित 29वीं शासी परिषद में लिए गए निर्णय के अनुपालन में, पुनर्वास अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना का निर्णय लिया गया है। पुनर्वास अभियांत्रिकी को एक स्वतंत्र विशेषज्ञता के रूप में विकसित करने की आवश्यकता को देखते हुए, इस विभाग की संकल्पना और स्थापना की गई थी। पुनर्वास अभियांत्रिकी विभाग, गतिशीलता और अन्य कारकों से प्रभावित व्यक्तियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु उपकरणों और प्रणालियों का डिजाइन/विकास करता है। ये उपकरण लोगों को रोजगार, स्वतंत्र जीवन और शिक्षा से संबंधित दैनिक गतिविधियों में सहायता प्रदान करते हैं। पुनर्वास अभियांत्रिकी विभाग, दिव्यांगजनों की सहायता और शारीरिक एवं संज्ञानात्मक कार्यों के पुनरूत्थान में सहायता के लिए तकनीकी समाधान और उपकरण विकसित करने हेतु अभियांत्रिकी के सिद्धांतों का उपयोग करता है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर, जादवपुर विश्वविद्यालय, भारतीय इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईईएसटी), शिबपुर, भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), कोलकाता और कलकत्ता विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ शैक्षणिक/अनुसंधान सुविधाएं और सहयोग इस विभाग की कार्यकलापों को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पुनर्वास इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत प्रयोगशालाओं की सूची:

- गेइट प्रयोगशाला
- कंप्यूटर प्रयोगशाला (ई-लैब)
- अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला
- पुनर्वास इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

ये सभी प्रयोगशालाएँ उन्नत बायोमैकेनिक्स, मेक्ट्रोनिक्स उपकरणों, बायो-इंजीनियरिंग और उन्नत कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित हैं। पुनर्वास इंजीनियरिंग विभाग, पुनर्वास सेवा में उच्च-स्तरीय मानव संसाधन प्रशिक्षण विकसित करने के लिए संस्थान के अन्य विभागों के साथ समन्वय और भागीदारी करता है। प्रयोगशाला शोधकर्ताओं, विद्वानों और स्नातकोत्तर छात्रों को नैदानिक डेटा रिकॉर्डिंग और शोध अध्ययन में सहायता प्रदान करती है।

शैक्षणिक गतिविधि:

विभाग संस्थान की विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर की पाठ्यक्रमों में शिक्षण सेवाएँ प्रदान करता है और प्रायोगिक परीक्षाएँ आयोजित करता है।

अनुसंधान गतिविधि:

विभाग संस्थान के जेआरएफ/एसआरएफ कार्यक्रम का आयोजन करता है।

गेइट प्रयोगशाला/शोध एवं विकास प्रयोगशाला में रोगी के डेटा रिकॉर्डिंग और डेटा विश्लेषण की सेवा:

परीक्षण	बल प्लेट
परीक्षणों की संख्या	131

विभिन्न परियोजनाओं/स्नातकोत्तर थीसिस को प्रदान की गई सेवा:

छात्रों की संख्या	विभाग
	एमपीओ
	04

क्रॉस डिसेबिलिटी शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (सीडीईआईसी)

बच्चें की विकास में विलंबता और दिव्यांगता से ग्रस्त शिशुओं और बच्चों की शीघ्र पहचान और उसके तुरंत बाद उचित चिकित्सीय हस्तक्षेप, दिव्यांग बच्चों के प्रभावी पुनर्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता अपने क्रॉस डिसेबिलिटी शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (सीडीईआईसी) के माध्यम से 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निम्नलिखित सुविधाओं के साथ एक सुविधा सम्पन्न माहौल में सेवाएँ प्रदान करता है।

- व्यावसायिक चिकित्सा
- संवेदी एकीकरण चिकित्सा
- भौतिक चिकित्सा
- ऑडियोलॉजी परीक्षण और वाक हस्तक्षेप
- व्यवहार संशोधन, अभिभावक परामर्श, मार्गदर्शन और प्रशिक्षण
- चिकित्सा सहायता सेवाएँ
- विद्यालयीन कार्यकुशलता कार्यक्रम
- विशेष शिक्षा
- शिशु देखभाल

सीडीईआईसी, एनआईएलडी, कोलकाता मुख्यत: तीन प्रकार से मरीजों को सेवाएं प्रदान कर रहा है:

- बहु-विषयक चिकित्सा सेवाएँ (सोमवार-शुक्रवार: सुबह 9.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक, शनिवार: सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक)
- अंतर-विषयक चिकित्सा सेवाएँ (मंगलवार को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक समूह चिकित्सा) और (पहल मूल्यांकन और हस्तक्षेप - सोमवार को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक)
- विद्यालयीन कार्यकुशलता कार्यक्रम (सोमवार से शुक्रवार: सुबह 10 बजे से 11 बजे तक)

लाभार्थियों का वर्षवार ब्यौरा

	2020-21	2021-22	2022-23	2023 - 24	2024 - 25
नए रोगी	78	1219	2023	1749	1676
अनुवर्ती रोगी	297	4797	8507	7624	6380
रोगियों की कुल संख्या	375	6016	10530	9373	8056
प्रदत्त कुल सेवाएँ (सीटींग/ सेवाओं की संख्या)	1251	28933	65236	46012	40617

लाभार्थियों का वर्षवार ग्राफिकल प्रतिनिधित्व विवरण

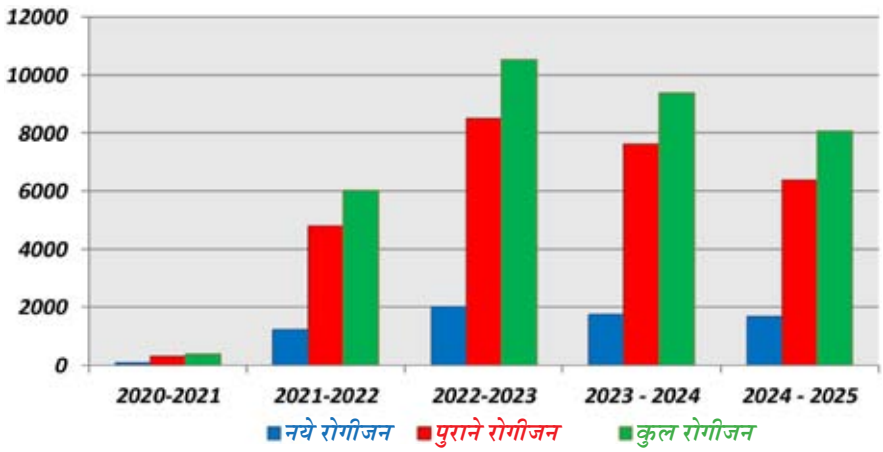

वर्ष 2024-2025 के दौरान रोगियों का सारांश

नए रोगी	पुरुष (नए रोगी)	महिला (नए रोगी)	अनुवर्ती रोगी	पुरुष (अनुवर्ती रोगी)	महिला (अनुवर्ती रोगी)	कुल (अनुवर्ती + नए रोगी)
1676	1166	510	6380	4618	1762	8056

दिव्यांगता	निदान	(अनुवर्ती + नए रोगी)		
शारीरिक दिव्यांगता		पुरूष	महिला	कुल
गतिशीलदिव्यांगता	कुष्ठ रोग से ठीक हुआ व्यक्ति	00	00	00
	सीपी	2026	937	2963
	बौनापन	00	00	00
	मस्कुलर डिस्ट्रोफी	01	01	02
	एसिड अटैक के शिकार	00	00	00
दृष्टिबाधित	दृष्टिबाधितार्थ	02	00	02
	न्यून दृष्टि	02	08	10
श्रवणबाधित	श्रवण दिव्यांग	00	00	00
	कम सुनने की समस्या	90	21	111
वाचिक और भाषिक दिव्यांगता		1030	205	1235
बौद्धिक दिव्यांगता		130	36	166
विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता		01	00	01
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार		2016	791	2807
डाउन सिंड्रोम		53	89	142
मानसिक व्यवहार (मानसिक रोग)		32	10	42
दिव्यांगता के कारण				
दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी स्थितियां	मल्टीपल स्क्लेरोसिस	00	00	00
	पार्किंसंस रोग	00	00	00
रक्त विकार	हीमोफीलिया	00	00	00
	थैलेसीमिया	00	00	00
	सिकल सेल रोग	00	00	00
एकाधिक दिव्यांगताएं		44	21	65
संबंधित स्थितियां		08	17	25
अन्य		349	136	485
कुल		**5784**	**2272**	**8056**

थेरेप्युटिक सेवाएं

क्र. स.	सेवाएं				सेवाओं की संख्या	
क)	बहुविषयक चिकित्सा सेवाएँ					
1	व्यावसायिक चिकित्सा				8316	
	कार/एडीएचडी रेटिंग स्केल				03	
	संवेदी प्रोफाइल				03	
2	फजियोथेरेपी				8503	
	जीएमएफसीएस/जीएमएफएम				07	
3	ऑडियोलॉजी, वाचिक और भाषिक चिकित्सा	वाक एवं भाषा चिकित्सा			269	
		श्रवण जांच/मूल्यांकन			00	
4	नैदानिक मनोविज्ञान	क. माता-पिता का परामर्श एवं मार्गदर्शन	व्यक्तिगत	6819	7217	
		ख. व्यवहार परिवर्तन हेतु माता-पिता का प्रशिक्षण	समूह	398		
		ग. दिव्यांग बच्चों को सहायक परामर्शकी सेवाऐं	व्यक्तिगत	1311	1645	
			समूह	334		
		आईक्यू			26	
	एडीएचडी टी टेस्ट				01	
5	विशेष शिक्षा	विशेष शिक्षा (श्र.दि.)	व्यक्तिगत	7583	7830	
			समूह	247		
		विशेष शिक्षा (दृ.दि.)	व्यक्तिगत	4824	4981	
			समूह	157		
6	चिकित्सा सेवाएं	दंत परामर्श			158	
		बाल चिकित्सा परामर्श			728	
ख)	ट्रांसडिसिप्लिनरी थेरेपी सेवाएँ (समूह सत्र और (पहल) (PEHAL) हस्तक्षेप एवं मूल्यांकन)				414	
ग)	स्कुल तत्परता कार्यक्रम				516	
	कुल सेवाएँ				**40617**	
घ)	सेवाएं प्रदान करने हेतुसहायक उपकरणों (सॉफ्ट साप्लंट्स, ऑर्थोसिस, श्रवण यंत्र, लेखन यंत्र, भोजन यंत्र आदि), एनआईएचएच, एनआईईपीआईडी, एनआईवीएच				603	

अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

कार्यक्रम		गतिविधियों की संख्या
सीडीईआईसी द्वारा प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संगोष्ठी का आयोजन		01
सीडीईआईसी के कर्मचारियों ने वेबिनार/सेमिनार में अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया		02
सीडीईआईसी के कर्मचारियों ने राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला में भाग लिया		01
दिवस समारोह	बाल दिवस और डाउन सिंड्रोम दिवस, योग दिवस, हीमोफीलिया दिवस	04
अभिभावक-शिक्षक बैठक		12
अंतर-विषयक दृष्टिकोण में इंटरैक्टिव सेमिनार/बैठकें		12
अंतर-विषयक दृष्टिकोण में समूह अभिभावक परामर्श सेमिनार		12
बहु-विषयक विशेष समूह सत्र		53
सीडीईआईसी, एनआईएलडी, कोलकाता द्वारा जागरूकता कार्यक्रम		05
कुल		**100**

सीडीईआईसी स्टाफ द्वारा स्त्रोत व्यक्ति के रूप में कार्य करना

क्र. स	आयोजक एवं वक्ता	विषय	दिनांक एवं समय	प्रतिभागियों की संख्या	स्वरूप
1	श्रीमती रूष्पा पाल विशेष शिक्षिका (एचआई) सीडीईआईसी ने वक्ता के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम सीडीईआईसी, एनआईएलडी, कोलकाता द्वारा आयोजित किया गया था।	दिव्यांग बच्चों के लिए क्रॉस-डिसेबिलिटी प्रारंभिक हस्तक्षेप	21.03.2025	158 (प्राथमिक शिक्षक, अभिभावक, डाउन सिंड्रोम से ग्रस्त बच्चे)	ऑफलाइन
2	श्रीमती प्रियंका घोष (पुनर्वास मनोवैज्ञानिक, सीडीईआईसी) ने वक्ता के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम एनआईएलडी, कोलकाता और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित किया गया था।	मनोवैज्ञानिक सहायता और प्रारंभिक हस्तक्षेप	11.03.2025	10 (4000 आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम)	ऑफलाइन
लाभार्थियों की कुल संख्या				**168**	

श्रीमती रूष्पा पाल (दिव्यांग बच्चों के लिए क्रॉस डिसेबिलिटी शीघ्र हस्तक्षेप)

श्रीमती प्रियंका घोष (मनोवैज्ञानिक सहायता एवं प्रारंभिक हस्तक्षेप)

सीडीईआइसी स्टाफ द्वारा कार्यक्रम में भाग लिया गया

क्र. सं.	आयोजक	विषय	दिनांक एवं समय	स्वरूप
1	एनआईईपीआईडी, सिकंदराबाद, सीआरसी नागपुर में	एनआईईपीआईडी भारतीय बुद्धि परीक्षण पर सीआरई कार्यशाला	04/06/2024 और 06/06/2024 सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक	ऑफलाइन

अन्य गतिविधियां

1. अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी:

अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन सीडीईआईसी के विशेष शिक्षकों द्वारा किया गया, जिसमें बच्चों के सभी अभिभावक/देखभालकर्ता उपस्थित थे और उन्हें सभी पेशेवरों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

2. इंटरैक्टिव संगोष्ठी

अंतर-विषयक दृष्टिकोण के लिए इंटरैक्टिव सत्र

3. स्कूल तैयारी कार्यक्रम

4. कला और शिल्प गतिविधि (स्कूल तैयारी कार्यक्रम):

स्कूल तैयारी कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रचनात्मक कला और शिल्प गतिविधि

5. सामूहिक अभिभावक परामर्शदान

6. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 का आयोजन CDEIC में संपन्न हुआ:

शोध एवं प्रकाशन :

शोध के स्थान के रूप में सीडीईआईसी :

क्र. सं.	दिनांक	दिवस	विषय	विभाग/संस्थान	छात्रों/संकायों की संख्या
1	अप्रैल, 2024 से जून 2024	3 माह	स्पास्टिक डायप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों में ग्रॉस-मोटर फंक्शन, संतुलन और कार्यात्मक गतिशीलता पर न्यूरो-डेवलपमेंटल उपचार और कार्य-उन्मुख प्रशिक्षण के बीच तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।	एमपीटीप्रथमवर्ष, फिजियोथेरेपीविभाग, एनआईएलडी, कोलकाता	1
2	22/07/24 से 27/07/24	5 दिन	बिहार, पश्चिम बंगाल और गुजरात राज्यों में दिव्यांग बच्चों पर शोध अध्ययन, साथ ही भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अनुमति पत्र।	यंग लाइव्स इंडिया	2 संकाय तथा 7 छात्र

1. माननीय सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का सीडीईआइसी में आगमन:

2. सीडीईआइसी और इंडिया ऑटिज्म सेंटर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर:

सीडीईआईसी में यूडीआईडी से नि:शुल्क सेवा प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या

माह	नए रोगीजन		अनुवर्ती रोगीजन		कुल
अप्रैल 2024 से मार्च 2025	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	1193
	56	23	831	283	
	79		1114		

डीईआईसी में निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना के लाभार्थी

माह	निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना		कुल
अप्रैल 2024 से मार्च 2025	पुरूष	महिला	78
	58	20	

अन्य रेफरल सेवाएँ

एनआईईपीवीडा	जीडीसी/आईक्यू के लिए एनआईईपीआईडी	एवाईजेएनआईएसडी
18	92	146

चिकित्सीय सेवाऐं

भौतिक चिकित्सा:

व्यावसायिक चिकित्सा:

क्लिनिकल साइकोलॉजी एवं व्यवहार चिकित्सा :

विशेष शैक्षिक सेवाऐं :

विशेष शिक्षा बहुविषयक समूह सेवाएं :

ट्रांसडिसिप्लिनरी सेवाएं :

अभिभावक समूह परामर्श (ट्रांसडिसिप्लिनरी सेवाएं) :

दृष्टिबाधितार्थ इकाई

दृष्टिबाधितार्थ इकाई की सेवाऐं :

क. प्री-स्कूल: यह इकाई दृष्टिबाधित बच्चों को शीघ्र हस्तक्षेप और प्री-स्कूल शिक्षा प्रदान करने में कार्यरत है। यह सेवा एक आदर्श सेवा के रूप में प्रदान की जा रही है ताकि राज्य और स्वयंसेवी संस्थाओं के हित में इसका अनुकरण किया जा सके।

ख. दृष्टिबाधित दृष्टिबाधित बच्चों के लिए गृह-बद्ध कार्यक्रम: यह सेवा दृष्टिबाधित बच्चों को प्रदान की जा रही है। इस वर्ष से, इस कार्यक्रम में नामांकित बच्चों के निवास या ठहरने के स्थान का मासिक दौरा किया जा रहा है।

ग. स्वतंत्र जीवन कौशल: यह इकाई दृष्टिबाधित व्यक्तियों को भी सेवा प्रदान करती है। यह अनूठा कार्यक्रम ब्रेल लिपि, अभिविन्यास और गतिशीलता, दैनिक जीवन कौशल पर का प्रशिक्षण प्रदान करता है। प्रत्येक बैच में 10 दृष्टिबाधित प्रशिक्षुओं को 3 महीने की अवधि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

घ. करियर परामर्श और प्लेसमेंट: बड़ी संख्या में दृष्टिबाधित व्यक्तियों को सरकारी संगठनों, सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों और कंपनियों में रिक्तियों से संबंधित जानकारी प्रदान करके सहायता प्रदान की गई है। प्लेसमेंट एजेंसियों के सहयोग से इस वर्ष रागदिसं में दो दिव्यांगजन रोजगार मेले आयोजित किए गए।

2024-25 में दृष्टिबाधितार्थ इकाई प्रदान की जाने वाली सेवाएं

	2023-24	2024-25
कुल रोगीजन	830	790
नए रोगीजन	83	93
अनुवर्ती रोगीजन	747	697
सहायक सेवाएँ	2933	3300
एसटीटी कार्यक्रम	05	04
कुल लाभार्थी	214	178
कुल बिक्री के माध्यम से प्रदान की गई सहायता कुल संख्या	30	310

एसटीटी कार्यक्रम का विवरण

क्र. स.	कार्यक्रम का विषय/कार्यक्रम	तिथि	स्थल	प्रतिभागियों की संख्या
1.	हेलेन केलर दिवस	27/06/2024	अयाजवाएवंश्रदि सभागार	51
2.	विश्व दृष्टि दिवस	12/10/2024	रागदिसं,दूबा.ई	35
3.	श्वेत केन दिवस	15/10/2024	अयाजंरावाएवंश्रदिसं सभागार	39
4.	दिव्यांगजनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस	03/12/2024	रागदिसं	227
5.	विश्व ब्रेल दिवस	04/01/2025	बिड़ला औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी संग्रहालय	53

दिव्यांगजन सशक्तिकरण इकाई द्वारा संचालित गतिविधियाँ:

डॉ. रेड्डी फाउंडेशन और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से एनआईएलडी द्वारा 19 सितंबर 2024 और 21 मार्च 2025 को दो दिव्यांग रोजगार मेले आयोजित किए गए। इन आयोजनों में लगभग 180 दिव्यांगजनों ने भाग लिया, जिनमें दिव्यांगजन और न्यून दृष्टिबाधित दिव्यांगजन भी शामिल थे।

3 दिसम्बर 2024 को एन.आई.एल.डी., कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए दृष्टिबाधित बच्चे।

दृष्टिबाधित बच्चे विभिन्न सेवाओं का लाभ लेते हुए।

अध्याय 2

मानव संसाधन विकास

संस्थान की स्थापना वर्ष 1982 में सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन अधिनियम के अंतर्गत की गई थी। संस्थान ने दिव्यांगजन हेतु पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए दक्ष एवं प्रशिक्षित जनशक्ति की आवश्यकता को समय रहते पहचाना। इस आवश्यकता की पूर्ति तथा जनशक्ति विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा विभिन्न डिग्री तथा एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ किए गए। प्रारंभिक चरण में बी.एससी (ऑनर्स) इन फिजियोथेरेपी तथा ऑक्यूपेशनल थेरेपी पाठ्यक्रम संचालित किए गए, जिनकी अवधि तीन वर्ष तथा प्रति पाठ्यक्रम 20 छात्रों की प्रवेश क्षमता थी। इसके अतिरिक्त, प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया गया, जिसकी प्रवेश क्षमता 10 छात्रों की थी। ये सभी पाठ्यक्रम जादवपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध थे।

वर्ष 1990 में इन पाठ्यक्रमों को उन्नत करते हुए इन्हें डिग्री स्तर पर परिवर्तित किया गया तथा इनके नाम क्रमशः बैचलर इन फिजियोथेरेपी (BPT), बैचलर इन ऑक्यूपेशनल थेरेपी (BOT), और बैचलर इन प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स (BPO) रखे गए। इसके साथ ही, इनकी संबद्धता जादवपुर विश्वविद्यालय से स्थानांतरित कर कलकत्ता विश्वविद्यालय से की गई।

वर्ष 2004 में राज्य में स्वास्थ्य विश्वविद्यालय की स्थापना के उपरांत, सभी स्वास्थ्य एवं सहायक स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों को एकीकृत रूप से उसी के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया गया। परिणामस्वरूप, संस्थान द्वारा संचालित बीपीटी, बीओटी एवं बीपीओ पाठ्यक्रमों को पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज (WBUHS) के अंतर्गत लाया गया।

वर्ष 1995 में 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम' (Persons with Disabilities Act) के प्रभावी क्रियान्वयन ने पुनर्वास क्षेत्र में दक्ष और प्रशिक्षित प्रबंधकों की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से उजागर किया। इस आवश्यकता की पूर्ति हेतु संस्थान ने एक अभिनव पाठ्यक्रम, दिव्यांगता पुनर्वास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की परिकल्पना की। यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम वर्ष 1998 में टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (TISS), मुंबई के 'पारिवारिक एवं बाल कल्याण विभाग' के सहयोग से प्रारंभ किया गया। प्रारंभिक दो बैच उपर्युक्त संस्थान के संयुक्त सहयोग से संचालित हुए। तत्पश्चात, यह पाठ्यक्रम विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन के साथ मिलकर संचालित किया गया। वर्तमान में यह पाठ्यक्रम पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता से संबद्ध है।

भौतिक चिकित्सा.व्यावसायिक चिकित्सा तथा कृत्रिम अंग प्रत्यंग में स्नातक स्तर के पेशेवरों की शैक्षणिक उन्नति को दृष्टिगत रखते हुए, संस्थान ने वर्ष 2007 में तीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की शुरुआत की यथा भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर, व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर कृत्रिम अंग प्रत्यंग में स्नातकोत्तर । ये सभी पाठ्यक्रम पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।

दीर्घकालिक दिव्यांगताओं — जैसे स्ट्रोक, पैरालिसिस, गठिया एवं वृद्धावस्था — से ग्रसित व्यक्तियों को कुशल ऑर्थोपेडिक एवं पुनर्वास नर्सिंग सेवाएं प्रदान करने हेतु संस्थान ने एम.एससी नर्सिंग (ऑर्थोपेडिक एवं पुनर्वास) नामक दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया। यह कार्यक्रम वर्ष 2007 में प्रारंभ हुआ और इसे भारतीय नर्सिंग परिषद (INC) तथा पश्चिम बंगाल नर्सिंग परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया।

इसके अतिरिक्त, संस्थान ने समय के साथ विभिन्न प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों की भी शुरुआत की। इनमें प्रमुख है — CBID (Certificate in Community Based Inclusive Development), जो एक छह माह की दक्षता-आधारित प्रशिक्षण योजना है। यह पाठ्यक्रम मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से विकसित किया गया है एवं भारतीय पुनर्वास परिषद (RCI) द्वारा अनुमोदित है। इसका उद्देश्य है समुदाय-आधारित समावेशी विकास के क्षेत्र में कार्यरत कार्यकर्ताओं को क्रॉस-डिसेबिलिटी मुद्दों के समाधान हेतु प्रशिक्षित करना, ताकि वे जमीनी स्तर पर प्रभावी पुनर्वास सेवाएं प्रदान कर सकें।

डिग्री एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, संस्थान कोलकाता स्थित मुख्यालय, इसके समेकित क्षेत्रीय केंद्रों (Composite Regional Centres), तथा अन्य क्षेत्रीय केंद्रों में विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण के दिशा-निर्देशों के अनुसार दिया जाता है, जिसमें अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), तथा दिव्यांगजन के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया है।

इन पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. संस्थान द्वारा सौंपे गए दायित्वों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए उपलब्ध मानव संसाधनों के कौशल और दक्षता को बढ़ाना।
2. देशभर में गतिशीलता संबंधी दिव्यांगजनों के साथ कार्य करने वाले कुशल पेशेवरों की मांग को पूरा करना।
3. संबंधित क्षेत्रों में हो रहे नवीनतम विकासों से अवगत रहने हेतु वर्तमान मानव संसाधनों के ज्ञान और विशेषज्ञता को अद्यतन करना।

दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों का विवरण:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम:

i) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम:

क्र.सं	पाठ्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण क्षमता	प्रवेश			उत्तीर्ण		
			2022	2023	2024	2022	2023	2024
1.	भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (ऑर्थो)	07	07	07	*	06	05	07
2.	भौतिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (न्यूरो)	03	03	03	*	-	02	03
3.	व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर	07	07	07	*	05	04	07
4.	कृत्रिम अंग प्रत्यंग में स्नातकोत्तर	07	07	07	*	03	03	06
5.	नर्सिंग विज्ञान (ऑर्थोपेडिक तथा पुनर्वास नर्सिंग) में स्नातकोत्तर	10	10	07	08	10	10	08
6.	दिव्यांगता पुनर्वास तथा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	15	04	07	*	06	07	07

स्नातक के अंतर्गत पाठ्यक्रम

क्र.सं	पाठ्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण क्षमता	प्रवेश			उत्तीर्ण		
			2022	2023	2024	2022	2023	2024
1.	भौतिक चिकित्सा में स्नातक	57	57	57	57	49	49	42
2.	व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक	56	56	54	56	39	41	41
3.	कृत्रिम अंग प्रत्यंग में स्नातक	47	25	43	42	28	27	20
4.	सीबीआईडी	40	18	16	16	18	16	10

ख. छात्र नियोजन प्रकोष्ठ खंड :

संस्थान में छात्र नियोजन प्रकोष्ठ की स्थापना वर्ष 2010 में की गई थी। इसका प्रमुख उद्देश्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को उनकी पढ़ाई पूरी करने के पश्चात रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायता करना है। यह प्रकोष्ठ पूरे वर्ष प्रतिष्ठित पुनर्वास केंद्रों, अस्पतालों तथा संस्थानों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखता है, जिससे संस्थान के छात्रों और इन संगठनों के बीच एक सक्रिय सेतु का कार्य किया जा सके।

वर्ष 2022–23 से 2024–25 की तीन वर्षीय अवधि के दौरान, नियोजन प्रकोष्ठ ने कुल 370 छात्रों को सफलतापूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया है। इन प्रयासों के परिणाम निम्नलिखित हैं :

छात्र नियोजन	2022-23	2023-2024	2024-25
नियोजन प्रक्रिया में सम्मिलित कुल छात्र	118	127	125
गैर-सरकारी नौकरियों में नियुक्त छात्र	54	66	78
उच्च शिक्षा के लिए आगे अध्ययन करने वाले छात्र	48	46	27
स्वरोजगार छात्र	12	14	20

वर्ष 2024–25 के दौरान, छात्र नियोजन प्रकोष्ठ ने देशभर के 18 प्रमुख पुनर्वास केंद्रों, अस्पतालों एवं संस्थानों से संपर्क स्थापित किया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 78 छात्रों को गैर-सरकारी क्षेत्र में नियुक्तियाँ हुईं। यह उपलब्धि छात्र नियोजन प्रकोष्ठ की दक्षता को दर्शाती है, जो न केवल छात्रों के सफल करियर को संभव बनाता है, बल्कि पुनर्वास क्षेत्र में कुशल पेशेवरों के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

नियोक्तओं की सूची:

क्र सं.	पाठ्यक्रम	संगठन का नाम	स्थान	उपस्थित छात्र	चयनित छात्र
01	कृत्रिम अंग प्रत्यंग	ऑट्टोबॉक हेल्थकेयर लिमिटेड	पैन इंडिया	12	02
02		एंडोलाइट इंडिया लिमिटेड	पैन इंडिया	10	05
03		इन्सपायर प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स	हैदराबाद	15	04
04		महावीर सेवा सदन	कोलकाता	04	02
05		इंस्टालिंब इंडिया	गुरुग्राम, नई दिल्ली	11	00
06		एएलआईएमसीओ	पैन इंडिया	31	10
07	व्यावसायिक चिकित्सा	मॉम्स बिलीफ	पैन इंडिया	31	22
08		लिसन चाइल्ड डवलपमेंट सेंटर	पैन इंडिया	12	04
09		महावीर सेवा सदन	कोलकाता	17	04
10		सुमांग हेल्थकेयर लिमिटेड	कोलकाता, पुरुलिया	16	04
11		मेनस्ट्रीम फाउंडेशन	पटना	04	01
12		समाधान चाइल्ड डवलपमेंट सेंटर	रांची	01	01
13		इंडिया थेरेपी सेंटर	रांची	00	00
14		समर्थ अर्ली इंटरवेंशन एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर	केरल	00	00
16		स्पीच गियर्स रिसर्च इंस्टिट्यूट	नोएडा	00	00
17	भौतिक चिकित्सा	मॉम्स बिलीफ	पैन इंडिया	25	18
18		महावीर सेवा सदन	कोलकाता	18	04
19		इंडिया थेरेपी सेंटर	रांची	01	01
20		सुमांग हेल्थकेयर	कोलकाता, पुरुलिया	14	05
21		समाधान चाइल्ड डवलपमेंट सेंटर	रांची	02	02
22		मेनस्ट्रीम फाउंडेशन	पटना	03	02

एलिम्को द्वारा कैम्पस साक्षात्कार

सुमंग हेल्थकेयर द्वारा कैंपस साक्षात्कार

ग. अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम :

प्रशिक्षण संस्थान की प्रमुख गतिविधियों में से एक है। गतिशील दिव्यांगता के क्षेत्र में मानव संसाधन के प्रशिक्षण में एक शीर्ष संस्थान होने के नाते, संस्थान अल्पकालिक प्रशिक्षणों की योजना बनाने, आयोजन करने, समन्वय करने एवं निगरानी करने के लिए उत्तरदायी है। साथ ही यह उन विभिन्न संगठनों की क्षमता निर्माण में भी योगदान देता है, जो प्रशिक्षण एवं सेवा प्रदायगी में संलग्न हैं।

वर्ष 2024–25 के दौरान, संस्थान द्वारा कुल 51 विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे अनेक प्रतिभागियों को लाभ प्राप्त हुआ।

वर्ष 2024–25 के दौरान अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण :

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	आयोजनकर्ता/सहयोग में	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	माध्यम
वेबिनार					
1	विश्व पार्किंसंस दिवस के अवसर पर	भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता	11 अप्रैल, 2024	65	ऑनलाइन
2	जीवन को सशक्त बनाना, प्रगति को अपनाना, सभी के लिए समतामूलक और सुलभ थैलेसीमिया उपचार	पुनर्वास नर्सिंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	8 मई, 2024	200	ऑनलाइन
3	उभरती डिजिटल पहुँच और समावेशन	कृत्रिम अंग प्रत्यंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	16 मई, 2024	106	ऑनलाइन
4	विश्व मल्टीपल स्क्लेरोसिस दिवस	भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता	30 मई, 2024	72	ऑनलाइन
5	विश्व डुचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस	भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता	7 सितम्बर, 2024	75	ऑनलाइन
6	विश्व दृष्टि दिवस	दृष्टिबाधित विभाग, रागदिसं, कोलकाता	9 अक्टूबर, 2024	35	ऑनलाइन
7	ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर में नवीनतम हस्तक्षेप	कृत्रिम अंग प्रत्यंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	19 अक्टूबर, 2024	184	ऑनलाइन
8	मीडिया और संस्कृति में बौनेपन की भूमिका	कृत्रिम अंग प्रत्यंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	25 अक्टूबर, 2024	177	ऑनलाइन
सेमिनार					
1	अभिभावकों की सहभागिता हेतु सेमिनार	सीडीईआईसी विभाग, रागदिसं, कोलकाता	9-10 मई, 2024	52	ऑफलाइन
2	दिव्यांगजनों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने हेतु कृत्रिम अंग, उपकरण और सहायक उपकरण	कृत्रिम अंग प्रत्यंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	5 नवम्बर, 2024	108	ऑफलाइन
3	ट्रांस-फेमोरल प्रोस्थेसिस के लिए सॉकेट तकनीक में प्रगति	कृत्रिम अंग प्रत्यंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	21 & 22 नवम्बर, 2024	43	ऑफलाइन
4	ट्रांस-टिबियल प्रोस्थेसिस हेतु डायरेक्ट सॉकेट सिस्टम	कृत्रिम अंग प्रत्यंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	9-10 जनवरी, 2025	101	ऑफलाइन
5	व्हीलचेयर तकनीक में नवाचार: खेल और मनोरंजन के साथ व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए	कृत्रिम अंग प्रत्यंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	1 मार्च, 2025	190	ऑफलाइन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	आयोजनकर्ता/सहयोग में	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	माध्यम
प्रशिक्षण कार्यक्रम					
1	अन्य संस्थानों से एम.एस.सी नर्सिंग छात्रों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और क्लिनिकल पोस्टिंग	पश्चिम बंगाल और ओडिशा के 12 नर्सिंग कॉलेज	अप्रैल 2024 – अक्टूबर 2024	809	ऑफलाइन
2	बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) पर कौशल प्रशिक्षण सत्र	नर्सिंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	19 जुलाई, 2024	50	ऑफलाइन
3	स्टाफ विकास कार्यक्रम – ऑर्थोपेडिक और पुनर्वास नर्सिंग में विशेष कौशल	नर्सिंग विभाग, रागदिसं, कोलकाता	22 जुलाई, 2024	60	ऑफलाइन
4	5-दिवसीय ऑफलाइन आवासीय संकाय विकास कार्यक्रम	एसईआर विभाग, रागदिसं, कोलकाता	3 मार्च 2025 से 7 मार्च 2025	48	ऑफलाइन
5	5-दिवसीय ऑफलाइन आवासीय संकाय विकास कार्यक्रम	एसईआर विभाग, रागदिसं, कोलकाता	24 मार्च 2025 से 28 मार्च 2025	82	ऑफलाइन
जागरूकता कार्यक्रम					
1	विश्व ऑटिज्म अवेयरनेस डे	व्य.चि. विभाग,रागदिसं, कोलकाता	2 अप्रैल 2024	45	ऑफलाइन
2	विश्व हीमोफीलिया डे	नर्सिंग एवं सीडीईआईसी विभाग	17 अप्रैल 2024	150	ऑफलाइन
3	विश्व थैलेसीमिया दिवस का विषय: जीवन को सशक्त बनाना प्रगति को अपनाना: सभी के लिए समान औऱ सुलभ थैलेसीमिया उपचार	नर्सिंग विभाग रागदिसं, कोलकाता	8 मई 2024	200	ऑफलाइन
4	नर्सेज डे	नर्सिंग विभाग रागदिसं, कोलकाता	13 मई 2024	50	ऑफलाइन
5	PwDs के लिए योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम	नर्सिंग विभाग रागदिसं, कोलकाता	26 जून 2024	200	ऑफलाइन
6	दिव्यांग पुनर्वास पर हितधारकों की क्षमता वृद्धि	एसईआर विभाग रागदिसं, कोलकाता	25 जुलाई 2024	47	ऑफलाइन
7	दिव्यांग पुनर्वास पर एक दिवसीय जागरूकता (नयाग्राम, प.बं.)	नर्सिंग विभाग रागदिसं, कोलकाता	20 अगस्त 2024	107	ऑफलाइन
8	दिव्यांग पुनर्वास पर एक दिवसीय जागरूकता (एगरा, प.बं.)	नर्सिंग विभाग रागदिसं, कोलकाता	21 अगस्त 2024	110	ऑफलाइन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	आयोजनकर्ता/सहयोग में	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	माध्यम
9	दिव्यांग पुनर्वास पर एक दिवसीय जागरूकता (जलपाईगुड़ी, प.बं.)	नर्सिंग विभाग रागदिसं, कोलकाता	29 अगस्त 2024	112	ऑफलाइन
10	विश्व स्पाइनल कोड इन्जरी डे विषय: हिंसा समाप्त कर रीढ़ की हड्डी की रक्षा करें	फिजियोथेरेपी विभाग रागदिसं, कोलकाता	5 सितम्बर 2024	95	ऑफलाइन
11	लो बैक पेन पर जागरूकता (वीडियो प्रदर्शन सहित)	फिजियोथेरेपी विभाग रागदिसं, कोलकाता	5-9 सितम्बर 2024	450	ऑफलाइन
12	दिव्यांगता एवं पुनर्वास की समझ पर संवेदनशीलता कार्यक्रम	एसईआर विभाग रागदिसं, कोलकाता	18 सितम्बर 2024	50	ऑफलाइन
13	भारतीय सांकेतिक भाषा पर जागरूकता कार्यक्रम	एसईआर विभाग रागदिसं, कोलकाता	23 सितम्बर 2024	108	ऑफलाइन
14	विश्व सेरेब्रल पाल्सी डे	व्य.चि. विभाग रागदिसं, कोलकाता	6 अक्टूबर 2024	50	ऑफलाइन
15	मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह	एसईआर विभाग रागदिसं, कोलकाता	7-12 अक्टूबर 2024	205	ऑफलाइन
16	विश्व डिस्लेक्सिया डे	व्य.चि. विभाग रागदिसं, कोलकाता	8 अक्टूबर 2024	45	ऑफलाइन
17	व्हाइट केन डे विषय:- समावेशन में बढ़ावा लोगो की क्षमताओं का जश्न मनाना और उनकी पहुँच की वकालत करना	दृष्टिबाधित विभाग रागदिसं, कोलकाता	15 अक्टूबर 2024	39	ऑफलाइन
18	विश्व ऑक्यूपेशनल थेरेपी डे	व्य.चि. विभाग रागदिसं, कोलकाता	27 अक्टूबर 2024	64	ऑफलाइन
19	मैजिक आधारित जागरूकता कार्यक्रम	एसईआर विभाग रागदिसं, कोलकाता	25 अक्टूबर 2024	200	ऑफलाइन
20	विश्व स्ट्रोक दिवस विषय: ग्रेटर देन स्ट्रोक	फिजियोथेरेपी विभाग रागदिसं, कोलकाता	29 अक्टूबर 2024	100	ऑफलाइन
21	यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे	नर्सिंग विभाग	12 दिसम्बर 2024	70	ऑफलाइन
22	गैर-संचारी रोगों की रोकथाम (PWDs एवं परिजन हेतु)	नर्सिंग विभाग	30 दिसम्बर 2024	75	ऑफलाइन
23	जीवनशैली में सुधार पर जागरूकता (PWDs एवं परिजन हेतु)	नर्सिंग विभाग	13 जनवरी 2025	125	ऑफलाइन
24	राष्ट्रीय युवा दिवस	एसईआर विभाग	13 जनवरी 2025	137	ऑफलाइन
25	विश्व एस्पर्जर्स दिवस	व्य.चि. विभाग	2 फरवरी 2025	40	ऑनलाइन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	आयोजनकर्ता/सहयोग में	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	माध्यम
26	विश्व सोशल जस्टिस दिवस	एसईआर विभाग	20 फरवरी 2025	150	ऑफलाइन
27	विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस	सीडीईआईसी विभाग	21 मार्च 2025	47	ऑफलाइन
28	दिव्यांग पुनर्वास पर एक दिवसीय बेसिक ट्रेनिंग (SAKSHAM, दक्षिण बंगाल)	एसईआर विभाग	30 मार्च 2025	55	ऑफलाइन
कार्यशाला					
1	BLS (बेसिक लाइफ सपोर्ट) प्रशिक्षण कार्यशाला	भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता	19 जुलाई, 2024	60	ऑफलाइन
2	ऑर्थोपेडिक एवं पुनर्वास नर्सिंग में विशेष कौशल	पुनर्वास नर्सिंग विभाग, रागदिसं,	22 जुलाई, 2024	60	ऑफलाइन
3	कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय और मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन का व्यावहारिक दृष्टिकोण	एसईआर विभाग, रागदिसं, कोलकाता	17 अक्टूबर, 2024	45	ऑफलाइन
4	गहन चिकित्सा इकाई (ICU) में फिजियोथेरेपी	भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता	18 एवं 19 जनवरी, 2025	75	ऑफलाइन
5	NDT/बोबाथ पद्धति पर हैंड्स-ऑन कार्यशाला	भौतिक चिकित्सा विभाग, रागदिसं, कोलकाता	23 एवं 24 मार्च, 2025	56	ऑफलाइन

अध्याय 3

शोध एवं अनुसंधान इकाई

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) इकाई नवीन अनुसंधान और व्यावहारिक, लागत-प्रभावी समाधानों के निर्माण के माध्यम से पुनर्वास विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति करने के साथ दिव्यांगों के सामने आने वाली वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करेंगे। इसका प्राथमिक लक्ष्य अत्याधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान और नैदानिक एवं सामुदायिक परिवेश में इसके प्रत्यक्ष अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटना है। इसमें नवीन सहायक तकनीकों का विकास और वर्तमान उपकरणों, प्रणालियों और चिकित्सीय दृष्टिकोणों में सुधार शामिल है जो पुनर्वास के क्षेत्र में सार्थक योगदान देते हैं।

अपने मिशन की प्राप्ति हेतु, अनुसंधान एवं विकास इकाई बहु-विषयक अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न है, जो इंजीनियरिंग, चिकित्सा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान और सामाजिक विज्ञानों के ज्ञान को जोड़ती हैं। अपने कार्य की गुणवत्ता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए, इकाई कई प्रमुख अनुसंधान संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ सहयोग करती है। इन सहयोगियों में उल्लेखनीय हैं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईईएसटी)-शिबपुर, जादवपुर विश्वविद्यालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, और कलकत्ता विश्वविद्यालय। ये साझेदारियाँ अग्रणी विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाकर ऐसी तकनीकों का सह-विकास और अध्ययन करती हैं जिनकी वैज्ञानिक प्रासंगिकता और सामाजिक प्रभाव दोनों हों।

अनुसंधान एवं विकास इकाई मूल संस्थान के विभिन्न विभागों में अनुसंधान पहलों के समन्वय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह पुनर्वास अनुसंधान के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित करती है, जिससे ज्ञान साझाकरण, संसाधन एकत्रीकरण और सहयोगात्मक समस्या-समाधान में सुविधा होती है। अनुसंधान परियोजनाएँ कई क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जिनमें बायोमैकेनिक्स, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स, न्यूरोरिहैबिलिटेशन, सहायक प्रौद्योगिकियाँ और समावेशी डिजाइन आदि शामिल हैं।

अनुसंधान एवं विकास इकाई की रणनीति का एक प्रमुख तत्व शिक्षा और अनुसंधान का एकीकरण है। यह संरचित प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति कार्यक्रमों को लागू करके युवा शोधकर्ताओं के विकास को सुगम बनाता है। जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सीनियर रिसर्च फेलोशिप (एसआरएफ) योजनाओं के माध्यम से, यह इकाई संस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप नवीन परियोजनाओं पर काम कर रहे स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट छात्रों को सहयोग करती है। ये कार्यक्रम अनुसंधान क्षमता निर्माण में मदद करते हैं और पुनर्वास विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध कुशल पेशेवरों की एक सतत श्रृंखला सुनिश्चित करते हैं।

अनुसंधान एवं विकास इकाई नवाचार, ज्ञान सृजन और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के एक गतिशील केंद्र के रूप में कार्यरत है। अपने लक्ष्यों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जोड़कर और अग्रणी वैज्ञानिक संस्थाओं के साथ साझेदारी करके, यह ऐसे प्रभावशाली समाधान तैयार करने का प्रयास करती है जो दिव्यांग के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाएँ और एक अधिक समावेशी समाज के निर्माण में योगदान दें।

रोगियों का चलन मूल्यांकन